3 राजधानी
एम्स में होगा तंबाकू की लत छुड़ाने का इलाज

6 अभिमत
कृषि निर्यात बढ़ाने का मार्ग

11 विदेश
वियतनाम में तूफान से मृतक संख्या 87 पहुंची

12 स्पोर्ट्स
क्वालीफायर में हारे चिराग सेन

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 300
नई दिल्ली, बुधवार, 11 सितंबर, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

साइबर अपराधों से निपटने को एआई का उपयोग करें एजेंसियां

राष्ट्रीय-9

रेलवे को पटरी से उतारने की साजिश लगातार जारी

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

भारतीय रेलवे पिछड़े डेढ़ साल से पटरियों पर एलपीजी सिलेंडर रखने से लेकर लोहे की छड़ें, बड़े-बड़े पत्थर, कंक्रीट के स्लैब और पेड़ के तने रखने तक तोड़फोड़ जैसी गतिविधियों से जूझ रहा है, जिसके कारण रेलवे को यात्री और मालगाड़ी बेहतर संचालन को लेकर खासी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। सूत्रों ने बताया कि केंद्र ने राज्यों समेत सभी हितधारकों से रेलवे को अस्थिर करने के नापाक मंसूबों को नाकाम करने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा है, खास तौर पर मध्य उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों वाले एक सघन क्षेत्र में। इस तरह की बढ़ती गतिविधियों के पैटर्न के बारे में शीर्ष स्तर पर जांच भी की जा रही है, जिसकी शुरुआत स्कूलों में बम धमाकों, उसके बाद शॉपिंग मॉल और अब रेलवे में इसी तरह की धमकियां मिल रहीं हैं।

पाकिस्तान स्थित आतंकी सरगना फरहतुल्लाह घोरी, जिसका 2002 के अक्षरधाम मंदिर हमले और बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट में हाथ था, उसने भारत में आतंकी स्लीपर सेल को एक वीडियो संदेश जारी किया था, जिसमें उनसे ट्रेनों, पेट्रोलियम पाइपलाइनों और हिंदू नेताओं पर हमले करने का आग्रह किया था। हाल ही में हुए रेल हादसों की भी इसी एंगल से जांच की जा रही है। राजस्थान में अजमेर के पास मंगलवार को रेलगाड़ियों को पटरी से उतारने की एक और कोशिश के साथ ही अगस्त 2024 से रेलवे ट्रैक पर तोड़फोड़ की कुल 18 घटनाएं हो चुकी हैं, जिनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। जबकि जून 2023 से 28 ऐसे गंभीर तोड़फोड़ के मामलों की जांच चल रही है। कुछ तोड़फोड़ की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और सीबीआई कर रही है। हाल के हफ्तों में राजस्थान में ट्रेन को पटरी से उतारने की यह तीसरी कोशिश है। इससे पहले 28 अगस्त को छबड़ा बारां में मालगाड़ी की पटरी पर स्क्रैप मेटल फेंका गया था और 23 अगस्त को पाली में अहमदाबाद-जोधपुर वंदे भारत ट्रैक पर सीमेंट ब्लॉक से ट्रेन टकरा गई थी। कानपुर में सोमवार को भिवानी-प्रयागराज कालिंदी एक्सप्रेस को पटरी से उतारने की कोशिश की गई थी। इसमें एलपीजी सिलेंडर, पेट्रोल की बोतल और माचिस रखी गई थी। इससे पहले राजस्थान के पाली जिले में अहमदाबाद-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस को पटरी से उतारने की कोशिश की गई थी।

एनआईए की टीम कानपुर में चल रही जांच में शामिल हो गई है। कानपुर पुलिस ने इस मामले में दो स्थानीय हिस्ट्रीशीटरों समेत छह लोगों को हिरासत में लिया है और एक विशेष जांच दल बनाने का फैसला किया है। यह दल यह अध्ययन करेगा कि क्या कानपुर में हाल ही में हुई साबरमती एक्सप्रेस दुर्घटना से कोई समानता है। उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने पायनियर से कहा, वरिष्ठ अधिकारी मामले की गंभीरता से जांच कर रहे हैं। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उन्हें साझा किया जाएगा। यह पहली बार नहीं है, बल्कि दिसंबर 2017 में तोड़फोड़ के मामलों में असाधारण बढ़ोतरी के साथ एक समान पैटर्न देखा गया था, जिसमें लगभग 18 घटनाएं दर्ज की गई थीं। तत्कालीन रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने गृह मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर दुर्घटनाओं की एनआईए द्वारा विस्तृत जांच की मांग की थी, क्योंकि उन्होंने 'बाहरी लोगों द्वारा आपराधिक हस्तक्षेप की संभावना' की घटनाओं को सूचीबद्ध किया था। दिल्ली पुलिस ने हाल ही में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और दिल्ली से आईएसआईएस के लगभग 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा, जांच एजेंसियों ने 219 कैमरों से फुटेज एकत्र की है और कानपुर ट्रेन को पटरी से उतारने के प्रयास के संबंध में 100 से अधिक व्यक्तियों से पूछताछ की है।

रेल पटरियों पर तोड़फोड़

अक्टूबर 2023	चित्तौड़गढ़ में रेलवे ट्रैक पर लोहा और पत्थर
फरवरी 2024	पश्चिम बंगाल में पत्थरबाजी
जून 2024	पश्चिम बंगाल में सिग्नल लाइट को कागज से ढक दिया
जुलाई 2024	यूपी में यूट्यूबर 'इंडियन हैकर' ने रेलवे ट्रैक पर गैस सिलेंडर, कैंची जैसी चीजें रख वीडियो रिकॉर्ड कर चैनल पर अपलोड किया
जुलाई 2024	पश्चिम बंगाल में 'उर्स मेला' के 400-500 लोगों ने ट्रेन रोकी
अगस्त 2024	यूपी में ड्यूटी के बाद घर जाते समय स्टेशन मास्टर वीरेंद्र कुमार वर्मा को गोली मार दी गई
अगस्त 2024	राजस्थान में सीमेंट कंक्रीट से पटरी को ढका
अगस्त 2024	झारखंड में 100 पैंड्रोल क्लिप चोरी

मणिपुर की राजधानी इंफाल में मंगलवार को प्रदर्शन करते छात्र । राज्य के तीन जिलों में अशांति के कारण कर्फ्यू लगा दिया गया है

इंफाल घाटी में शांति के लिए प्रदर्शन के बाद मणिपुर में लगा कर्फ्यू

पायनियर समाचार सेवा। इंफाल

मणिपुर में शांति बहाली की मांग को लेकर छात्रों के विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद राज्य के तीन जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। छात्रों के उग्र विरोध प्रदर्शन के बीच मणिपुर सरकार ने पूरे राज्य में इंटरनेट सेवाएं पांच दिनों के लिए निलंबित कर दी हैं। राज्य के गृह विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि यह निर्णय तस्वीर, नफरती भाषण और नफरती वीडियो के प्रसार के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर अंकुश लगाने के लिए लिया गया है। मणिपुर राज्य में मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, ऐसी आशंका है कि कुछ असामाजिक तत्व लोगों की भावनाओं को भड़काने वाली छवियों, अभद्र भाषा और घृणास्पद वीडियो संदेशों के प्रसारण के लिए सोशल मीडिया का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर सकते हैं, जिसका मणिपुर राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता है।

अधिसूचना में कहा गया है, भड़काऊ सामग्री और अफवाहों के परिणामस्वरूप, जो सोशल मीडिया, मोबाइल सेवाओं, एसएमएस और डोंगल सेवाओं पर संदेश लोगों तक प्रसारित किया सकता है। जिससे सार्वजनिक, निजी संपत्ति को नुकसान, शांति और सद्भावना में गड़बड़ी का खतरा है। राष्ट्र-विरोधी और असामाजिक तत्वों की साजिशों और गतिविधियों को विफल करने तथा शांति और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने और सार्वजनिक, निजी संपत्ति को किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान या खतरे को रोकने के लिए, जनहित में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त उपाय करना आवश्यक हो गया है। इसके लिए विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे टैबलेट, कंप्यूटर, मोबाइल फोन आदि पर व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि जैसे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से गलत सूचनाओं और झूठी अफवाहों के प्रसार को रोकना और आंदोलनकारियों और प्रदर्शनकारियों की भीड़ को एकत्र करने के लिए बड़े पैमाने पर एसएमएस भेजना शामिल है। जो आगजनी हिंसा और अन्य प्रकार की हिंसक गतिविधियों में लिप्त होकर जान-माल की हानि पहुंचा सकते हैं। अधिसूचना में कहा गया है, मणिपुर राज्य के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में 10 सितंबर को अपराह्न 3 बजे से 15 सितंबर को अपराह्न 3 बजे तक पांच दिनों के लिए लीज लाइन, वीसैट, ब्रॉडबैंड और वीपीएन सेवाओं सहित इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को अस्थाई रूप से निलंबित करने का आदेश दिया गया है।

इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को छात्र और महिला प्रदर्शनकारियों ने मणिपुर के पुलिस महानिदेशक और राज्य के सुरक्षा सलाहकार को पद से हटाने की मांग को लेकर दबाव बनाने के लिए राजभवन की ओर कूच करने का प्रयास कर रहे प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प होने पर सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले दागे। इससे एक दिन पहले सोमवार से ख्वारमबंद महिला बाजार में डेरा डाले सैकड़ों छात्र बी टी रोड के जरिए राजभवन की ओर बढ़ने करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन सुरक्षा बलों ने उन्हें कांग्रेस भवन के पास रोक दिया। मणिपुर विश्वविद्यालय के छात्रों ने एक विरोध रैली निकाली और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पुतला भी फूंका। मणिपुर सरकार ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर इम्फाल पूर्व और इम्फाल पश्चिम जिलों में कर्फ्यू लगा दिया है और थौबल में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता बीएनएसएस) की धारा 163 (2) के तहत निषेधाज्ञा लागू की है।

जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने के कारण कर्फ्यू में छूट से संबंधित पूर्व के आदेश तत्काल प्रभाव से 10 सितंबर को सुबह 11 बजे से रद्द कर दिए गए हैं, इसलिए अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से इंफाल पूर्वी जिले में पूर्ण कर्फ्यू लगा दिया गया है। इंफाल पश्चिम के जिलाधिकारी द्वारा जारी एक अन्य आदेश में कहा गया है, पहले के सभी आदेशों को निरस्त करते हुए 10 सितंबर के लिए कर्फ्यू में ढील की अवधि आज सुबह 11 बजे से हटाई जाती है। आदेश में कहा गया है, पिछले साल एक सितंबर से लोगों के अपने-अपने आवासों से बाहर आवागमन पर प्रतिबंध हटा लिया गया था। पहले 10 सितंबर के लिए कर्फ्यू में छूट तड़के पांच बजे से शाम 10 बजे तक थी, लेकिन नवीनतम आदेश ने इसे समाप्त कर दिया। हालांकि, मीडिया, बिजली, अदालत और स्वास्थ्य समेत आवश्यक सेवाओं को कर्फ्यू के दायरे से बाहर रखा गया है।

इंफाल के दोनों जिलों में यह आदेश ऐसे समय में आए हैं जब मणिपुर में छात्र राज्य सरकार के पुलिस महानिदेशक डीजीपी और सुरक्षा सलाहकार को हटाने की अपनी मांग को लेकर अपने प्रदर्शन को तेज करने की योजना बना रहे हैं। छात्रों का आरोप है कि डीजीपी और सुरक्षा सलाहकार राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को संभालने में असमर्थ हैं। पुलिस ने दावा किया है कि जिले में सोमवार को प्रदर्शनकारी छात्रों में से कम से कम एक कर्मी की जांघ में गोली लगी थी। इस बीच विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के सैकड़ों छात्रों ने इंफाल के ख्वाइरामबंद महिला बाजार में लगाए गए शिविरों में रात बिताई। छात्र नेता चौधरी विक्टर सिंह ने मंगलवार सुबह मीडिया से बातचीत में कहा, उन्होंने राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को अपनी छह मांगों पर जवाब देने के लिए 24 घंटे की समयसीमा दी है। समयसीमा समाप्त होने के बाद आगे की रणनीति बनाएंगे।

भाजपा ने अमेरिका में सिख समुदाय पर टिप्पणी के लिए राहुल गांधी को घेरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका दौरे पर कई कार्यक्रमों में शिरकत कर रहे हैं। यहां उनके दिए गए बयान सुर्खियां बन रहे हैं। ऐसे ही एक कार्यक्रम में उन्होंने मोदी सरकार, भाजपा और आरएसएस तीखा हमला किया जिसके बाद भाजपा और कांग्रेस में जुबानी जंग छिड़ गई है। भारतीय जनता पार्टी ने अमेरिका में सिख समुदाय के बारे में राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष विदेश में संवेदनशील मुद्दों पर बोलकर खतरनाक विमर्श गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस ने अमेरिका में राहुल गांधी की टिप्पणियों को लेकर भाजपा के हमले पर पलटवार करते हुए कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के सच बोलने से भाजपा का पूरा तंत्र घबराया और लड़खड़ाया हुआ है। लोकसभा में मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि वह सरकार की नीतियों की आलोचना करता रहेगा। राहुल वर्तमान में अमेरिका की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। उनका पहला पड़ाव डलास था जो शनिवार को शुरू हुआ और वह सोमवार को वाशिंगटन डीसी पहुंचे।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राहुल की टिप्पणी भयावह है, क्योंकि उन्होंने अपनी रोटियां सेकने के लिए विदेश में रह रहे सिख समुदाय के सदस्यों के बीच झूठ फैलाने की कोशिश की। सिख समुदाय से ताल्लुक रखने वाले

● राहुल की टिप्पणी भयावह है, क्योंकि उन्होंने अपनी रोटियां सेकने को विदेश में रह रहे सिख समुदाय के बीच झूठ फैलाने की कोशिश की : पुरी

भाजपा नेता ने कहा, सिखों के पगड़ी और कड़ा पहनने के बारे में उनके द्वारा की गई टिप्पणी की वह कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। वाशिंगटन के वर्जीनिया उपनगर में हर्नडॉन में भारतीय अमेरिकी समुदाय के सैकड़ों लोगों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कुछ धर्मों, भाषाओं और समुदायों को अन्य की तुलना में कमतर मानता है। उन्होंने कहा कि भारत में राजनीति के लिए नहीं, बल्कि इसी बात की लड़ाई लड़ी जा रही है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले आपको यह समझना होगा कि लड़ाई किस बारे में है। उन्होंने कहा कि लड़ाई राजनीति के बारे में नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा, लड़ाई इस बात की है कि क्या एक सिख को भारत में पगड़ी या कड़ा पहनने का अधिकार है या नहीं। या एक सिख के रूप में वह गुरुद्वारा जा सकते हैं या नहीं। लड़ाई इसी बात के लिए है और यह सिर्फ उनके लिए ही नहीं बल्कि सभी धर्मों के लिए है।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि भाजपा कबसे भारत हो गई कि भाजपा की निंदा करने का मतलब भारत की निंदा करना है। भाजपा या नरेन्द्र मोदी को यह गलतफहमी नहीं होनी चाहिए कि उनकी निंदा करना भारत की निंदा करना है। यह (धारणा) गलत है। खेड़ा ने कहा, भारत के राष्ट्र निर्माताओं की निंदा जब प्रधानमंत्री करते हैं, तो किसकी निंदा करते हैं। उस समय हम इनकी नीतियों की निंदा करेंगे, सवाल उठाएंगे, हमारा काम है। इनकों क्या आपत्ति है। उन्होंने कहा, जहां तक बात चुनावों की निष्पक्षता की है, तो एक स्वतंत्र संस्था ने अपने आंकड़े रखे कि कैसे 79 लोकसभा सीट पर गड़बड़ हुई। उन्होंने कहा, जब प्रधानमंत्री विदेशी धरती पर कहते हैं कि लोगों को भारतीय धरती पर पैदा होने पर शर्म आती है, तो वह क्या था। जब वे विदेश में जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ बोलते हैं, तो वह क्या था। भाजपा द्वारा राहुल गांधी की सिख समुदाय पर की गई टिप्पणी की आलोचना करने के लिए 1984 के सिख विरोधी दंगों का हवाला दिए जाने पर खेड़ा ने कहा कि दोनों के बीच कोई संबंध नहीं है। प्रधानमंत्री पद पर बैठा व्यक्ति लोगों को कपड़ों से पहचानने की बात करते हैं। उनकी पार्टी हिजाब के खिलाफ आंदोलन चलाती है जो लोग आज हिजाब के खिलाफ आंदोलन चला रहे हैं, वे कल सिखों की पगड़ी के लिए भी आंदोलन चलाएंगे। इस बारे में किसी को कोई संदेह नहीं है।

हरियाणा : भाजपा ने दूसरी सूची जारी की, छह विधायकों का टिकट कटा

राजेश कुमार। नई दिल्ली

भाजपा ने मंगलवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की। इस सूची में दो मंत्रियों समेत छह मौजूदा विधायकों के नाम काट दिया गया है। भाजपा ने कांग्रेस की ओलंपियन उम्मीदवार विनेश फोगट के खिलाफ जुलाना से कैप्टन योगेश बैरागी को मैदान में उतारा है, जबकि दो पूर्व मंत्रियों कृष्ण कुमार बेदी और मनीष ग्रोवर को क्रमश: नरवाना और रोहतक सीटों से मैदान में उतारा है। सूची में दो मुस्लिम उम्मीदवार भी शामिल हैं फिरोजपुर झिरका से नसीम अहमद और पुनाहाना से एजाज खान। इसके साथ ही भाजपा ने 87 उम्मीदवारों को मैदान में उतार दिया हैं, जबकि तीन क्षेत्रों में पार्टी ने अभी तक उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, वे हैं फरीदाबाद-एनआईटी, सिरसा और महेंद्रगढ़। पार्टी के पिहोवा उम्मीदवार सरदार कमलजीत सिंह अजराना की जगह जय भगवान शर्मा को मैदान में उतारा गया है। उन्होंने स्थानीय नेताओं के विरोध का हवाला देते हुए पार्टी टिकट पर चुनाव लड़ने में अपनी असमर्थता जताई थी। यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी मौजूदा विधायक और पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह के नाम को हटाकर अजराना का नाम पहली सूची में शामिल किया गया था। भाजपा ने निवर्तमान विधानसभा में बावल का प्रतिनिधित्व करने वाले मंत्री बनवारी लाल का टिकट काटते हुए उनकी जगह कृष्ण कुमार को मैदान में उतारा है। स्कूली शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा, जो कि बधकल की निवर्तमान विधायक का भी टिकट कट गया है। इस सीट के लिए धनेश अदलखा को उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने पूर्व मंत्रियों कृष्ण कुमार बेदी, मनीष ग्रोवर और ओम प्रकाश यादव को क्रमश: नरवाना, रोहतक और नारनौल सीटों से मैदान में उतारा है। इस सूची में होडल (एससी) विधायक जगदीश नायर, हथीन विधायक प्रवीण डागर, (शेष पृष्ठ 9)

सीताराम येचुरी की हालत गंभीर, एम्स में भर्ती

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी की हालत गंभीर है और उन्हें यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में कृत्रिम श्वसन प्रणाली पर रखा गया है। उनकी पार्टी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के अनुसार, 72 वर्षीय एचुरी का एम्स की गहन चिकित्सा इकाई में तीव्र श्वसन नली संक्रमण का उपचार किया जा रहा है। चिकित्सकों की एक टीम एचुरी के स्वास्थ्य पर बारीकी से नजर रख रही है।

आईएएफ अफसर ने वरिष्ठ के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत की

पायनियर समाचार सेवा। जम्मू-कश्मीर

श्रीनगर में तैनात 26 वर्षीय फ्लाइंग ऑफिसर ने न्याय की मांग करते हुए बडगाम पुलिस स्टेशन में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद भारतीय वायु सेना के अधिकारियों को कथित यौन उत्पीड़न और मानसिक यातना का मामला परेशान करने लगा है। अपनी शिकायत में, परेशान फ्लाइंग ऑफिसर ने पांच अन्य अधिकारियों पर जांच को गलत तरीके से करने, पीछा करने, उत्पीड़न और मानसिक यातना देने का भी आरोप लगाया है। फ्लाइंग ऑफिसर ने अपनी शिकायत में यह भी दावा किया है कि उत्पीड़न का उसके मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। वह लगातार डर में जी रही है। चौबीस घंटे जांच के दायरे में हैं और मेरा सामाजिक जीवन बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। पीड़िता ने जम्मू और कश्मीर पुलिस को अपनी शिकायत में कहा उत्पीड़न उसे आत्महत्या करने का विचार आ रहा है। वह पूरी तरह से असहाय महसूस हो और दैनिक जीवन को जारी रखने में असमर्थ है। मेरे सामाजिक मेलजोल पर अधिकारियों द्वारा कड़ी निगरानी रखी जाती है और हतोत्साहित किया जाता है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, जम्मू और कश्मीर पुलिस ने मामले में नाम दर्ज भारतीय वायु सेना (शेष पृष्ठ 9)

जीएनएसएस से लैस निजी वाहनों पर हर दिन 20 किमी तक नहीं लगेगा शुल्क

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वैश्विक नेविगेशन उपग्रह प्रणाली से लैस निजी वाहनों के मालिकों से राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर रोजाना 20 किलोमीटर तक के सफर के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। एक अधिसूचना में यह प्रावधान किया गया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों और संग्रह का निर्धारण) नियम, 2008 में संशोधन करने की अधिसूचना जारी की। राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों और संग्रह का निर्धारण) संशोधन नियम, 2024 के रूप में अधिसूचित नए

नियमों के तहत राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर 20 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने पर ही वाहन मालिक से कुल दूरी पर शुल्क लिया जाएगा।

अधिसूचना में कहा गया है, राष्ट्रीय परमिट रखने वाले वाहनों को छोड़कर किसी अन्य वाहन का चालक, मालिक या प्रभारी व्यक्ति जो राष्ट्रीय राजमार्ग, स्थाई पुल, बाईपास या सुरंग के उसी खंड का उपयोग करता है, उससे जीएनएसएस-आधारित उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह प्रणाली के तहत एक दिन में प्रत्येक दिशा में 20 किलोमीटर की यात्रा तक कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। सड़क परिवहन मंत्रालय ने जुलाई में कहा था कि उसने फास्टैग के साथ एक अतिरिक्त सुविधा के रूप में चुनिंदा राष्ट्रीय राजमार्गों पर उपग्रह-आधारित टोल संग्रह प्रणाली को पायलट आधार पर लागू करने का फैसला किया है। जीएनएसएस-आधारित उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह प्रणाली के (शेष पृष्ठ 9)

बारामूला सांसद रशीद को मिली अंतरिम जमानत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने आतंकी वित्तपोषण मामले में मंगलवार को लोकसभा सदस्य इंजीनियर रशीद को दो अक्टूबर तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी। इंजीनियर रशीद उर्फ शेख अब्दुल रशीद ने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में बारामूला सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को हराया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह ने रशीद को राहत प्रदान की, जिसने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत का अनुरोध करते हुए अदालत में याचिका दायर की थी। पांच जुलाई को अदालत ने रशीद को लोकसभा सदस्य के तौर पर शपथ लेने के लिए हिरासती पैरोल दी थी। (शेष पृष्ठ 9)

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 11 सितंबर, 2024

'सेमीकॉन इंडिया' आज से शुरू, पीएम करेंगे उद्घाटन

विश्व की सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां आएंगी, 2026 तक 55 बिलियन का होगा कारोबार

● सीएम योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के साथ मौजूद रहेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में सेमीकॉन इंडिया–2024 होने जा रहा है। ये आयोजित 11 से 13 सितंबर तक होगा। इसमें दुनिया भर की लीडिंग मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां प्रदर्शनी में हिस्सा लेंगी। ये आयोजित इसलिए ज़रुरी है कि विषय के अनुसार 2026 तक सेमीकंडक्टर का कारोबार 55 बिलियन डॉलर से अधिक का होगा। इस कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ 11 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ उनके साथ मौजूद रहेंगे। भारत के सेमीकंडक्टर उद्योग को विकसित करने में मदद करने के लिए सेमी और मेसे मुएनचेन इंडिया, इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ऑफ इंडिया–ईएलसीआईएनए के साथ इस कार्यक्रम के लिए साझेदारी कर रहे हैं। सेमीकॉन इंडिया 2024 के शेड्यूल के अनुसार, 11 से 13 सितंबर तक तीनों दिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। जिसमें दुनिया भर के सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग अपने स्टॉल लगाएंगे।

पहले दिन 11 बजे प्रधानमंत्री मोदी सेमीकॉन इंडिया का शुभारंभ करेंगे। सेमीकॉन इंडिया प्रदर्शनी–2024 इलेक्ट्रॉनिका इंडिया और प्रोडक्ट्रोनिका इंडिया के साथ आयोजित किया जा रहा है। ये दक्षिण-पूर्व एशिया के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग मेले हैं। इसमें विभिन्न देशों और विदेशी कंपनियां शामिल होने जा रही हैं। यहां के स्थानीय नेताओं और सरकारी अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। निवेश के नजरिया को समझेंगे।

भारत के बढ़ते सेमीकंडक्टर ईकोसिस्टम को देखेंगे, ताकि उन्हें अपने बिजनेस के विस्तार के नए अवसर मिल सकें। देश में तकनीकी विकास को आगे बढ़ाने और घरेलू मांग को पूरा करने के लिए, भारत सेमीकंडक्टर मिशन (इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एक पहल) ने एएमडी, अप्लाइड मटेरियल्स और माइक्रोन टेक्नोलॉजी जैसी बड़ी कंपनियों को अपने चिप क्षेत्र में निवेश करने के लिए आकर्षित किया है।

सरकार की भी मंशा है कि प्रदेश में सेमीकंडक्टर उद्योग को बढ़ावा दिया जाए, ताकि प्रदेश को कई अन्य सेक्टर की तरह सेमीकंडक्टर उद्योगों का भी हब बनाया जा सके। ऐसा होने पर रोजागार के मार्ग बनेंगे। यूपी सेमीकंडक्टर नीति के तहत भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कैपिटल सब्सिडी पर 50 प्रतिशत अतिरिक्त कैपिटल सब्सिडी का प्राविधान किया गया है। पॉलिसी में कंपाउंड सेमी कंडक्टर, सिलिकॉन फोटोनिक्स, सेंसर, एटीएमपी, ओएसएटी के लिए 75 प्रतिशत की लैंड रिबेट भी प्रदान की गई है।

डुअल ग्रिड नेटवर्क के साथ ही 10 सालों के लिए, इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी में 100 की छूट प्रदान की जा रही है।स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस पर 100 प्रतिशत छूट और प्रति वर्ष 5 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी (अधिकतम 7 करोड़ रुपए) दिए जाने की भी व्यवस्था की गई है। देश में 200 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां अपनी यूनिट संचालित कर रही हैं। जिसके चलते प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग का हब बन गया है।

यही नहीं प्रदेश मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग का भी हब है। प्रदेश देश की कुल मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में 65 प्रतिशत का योगदान देता है। इसी क्रम में अब उत्तर प्रदेश फैबलेस सेमीकंडक्टर ईकोसिस्टम में भी राइजिंग स्टार के तौर पर उभर रहा है। यहां लीडिंग ग्लोबल चिप डिजाइन और आरएंडडी कंपनियों को लाने का प्रयास कर रही है।

ट्रेड शो में इलेक्ट्रिक हाइब्रिड गाड़ियों की लगेगी प्रदर्शनी

नोएडा। यूपी के इंटरनेशनल ट्रेड शो में लोग इलेक्ट्रिक वाहन बुक करा सकेंगे। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में इलेक्ट्रिक वाहनों की प्रदर्शनी हॉल संख्या 15ए में लगेगी। इसका आयोजन 25 से 29 सितंबर तक होगा। एआरटीओ प्रशासन डॉ. सियाराम वर्मा ने कहा कि ट्रेड शो के दूसरे संस्करण में 1500 वर्ग मीटर क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। पहले दो हजार वर्ग मीटर जगह निर्धारित की गई थी।

इसमें जल परिवहन, सड़क सुरक्षा, मॉर्डन फिटनेस केंद्र और ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र प्रदर्शित किए जाएंगे। यह प्रदर्शनी हाल संख्या तीन में लगेगी। वहीं, इलेक्ट्रिक वाहनों की प्रदर्शनी हॉल संख्या 15ए में लगेगी। इसमें अभी तक 11 डीलर्स द्वारा 438 वर्ग मीटर क्षेत्रफल आरक्षित किया जा चुका है। कई अन्य डीलर्स ने भी प्रदर्शनी में हिस्सा लेने की सहमति दी है। बाकी हिस्सा भी जल्द ही आरक्षित हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

चोरी में मामले में पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसकी निशादेही से चोरी किये हुए 50 हजार रूपये नगद व आभूषण को बरामद किए।

अस्पताल में नर्स से बदतमीजी, वार्ड बॉय को पीटा

गाजियाबाद। गाजियाबाद में मेडिकल परीक्षण के लिए सरकारी अस्पताल में लाए गए एक व्यक्ति ने मेडिकल स्टाफ से बदतमीजी की। उसने स्टाफ नर्स को थप्पड़ मारने का प्रयास किया और वार्ड बॉय से मारपीट की। पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में इस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। कविनगर थाना पुलिस ने नेहरूनगर निवासी आशुतोष गर्ग को 8 सितंबर की रात सवा 10 बजे मेडिकल परीक्षण के लिए, संजयनगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल में भेजा। स्टाफ नर्स के अनुसार आशुतोष शराब के नशे में धुत था। उसने ब्लड सैंपल लेने के दौरान स्टाफ से अभद्रता करनी शुरू कर दी। मुझे थप्पड़ मारने का प्रयास किया, मैं पीछे हट गई। आरोपी ने वार्ड बॉय और राहुल के साथ मारपीट की। वहां मौजूद डॉक्टर और फार्मासिस्ट से भी गाली-गलौज की गई। इससे वार्ड में अव्यवस्था फैल गई। स्टाफ नर्स पूजा ने इस संबंध में थाना मधुबन बापूधाम में आरोपी आशुतोष गर्ग के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा-121, 132 और 352 के तहत मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी आशुतोष गर्ग को गिरफ्तार कर लिया है।

साइबर अपराधियों ने खाते से निकाले 1.60 लाख

नोएडा। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि सुरेंद्र कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह दिल्ली में रहते हैं। पीड़ित के अनुसार वह अपने बेटे को नोएडा में शिफ्ट करवाने के लिए आए थे। पीड़ित के अनुसार उन्होंने 29 जुलाई को एक एटीएम मशीन से कुछ पैसे विड्रा किया। इसके बाद अज्ञात साइबर अपराधियों ने उनके खाते से दो बार में 1,60,000 रुपए निकाल लिये। उन्होने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि जिन एटीएम मशीन से पैसे निकाले गए हैं, पुलिस वहां लगे सीसीटीवी कैमरे के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है।

कारोबारी युवती पर फायरिंग करने वाला गिरफ्तार

गाजियाबाद। बीती रात कविनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत आरडीसी में स्थित एक होटल के सामने गाड़ी हटाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया था। जिसके बाद एक पक्ष ने कारोबारी युवती व उसके दो भाईयों के साथ अभद्रता व धक्का-मुक्की और फायरिंग भी की थी। उक्त अपराधि घटना की सूचना मिलने के बाद कविनगर थाना पुलिस ततकाल मौके पर पहुंच गई थी। उसके बाद पुलिस ने युवती की तहरीर के आधार पर आरोपित पक्ष के खिलाफ सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करके मुख्य आरोपित सूरज चतुर्वेदी उर्फ सूर्य चतुर्वेदी को हिरासत में ले लिया था। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने शेष आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिये हैं। इस अपराधिक घटना के संदर्भ में एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है कि कविनगर पुलिस ने जांच करनी शुरू कर दी है। साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

एयरपोर्ट प्रभावित किसानों के समर्थन में उतरी सपा

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से प्रभावित गांव रन्हेरा एवं सलारपुर अंडरपास पर लम्बे समय से अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे किसानों के समर्थन में सोमवार को समाजवादी पार्टी ने यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान सपा द्वारा ग्रामीणों की विभिन्न मांगों से संबंधित एक ज्ञापन यीडा सीईओ को सौंपा गया। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि नोएडा एयरपोर्ट से गांव रन्हेरा के प्रभावित किसान व ग्रामीण अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से धरने पर बैठे हैं। वहीं दनकौर क्षेत्र के गांव सलारपुर में 100 वर्ष पुराने मार्ग को बंद करने के विरोध में ग्रामीण काफी लंबे समय से धरना दे रहे हैं, लेकिन यमुना विकास प्राधिकरण के आधिकारी तानाशाही रवैया अपनाते हुए किसानों व गामीणों की बात को सुनने को तैयार नहीं है।

नोएडा में डेढ़ साल देरी से लिंक रोड परियोजना

● एलजी चौक से सेक्टर-145 तक बन रहा लिंक, 2019 में योगी ने किया था शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे को हिंडन नदी पर पुल के जरिए ग्रेटर नोएडा के एलजी चौक से जोड़ने वाली ऑप्शनल सड़क अगले डेढ़ साल तक शुरू नहीं हो सकेगी। ये रोड 2 किमी से अधिक लंबी है।

ये एक्वा लाइन मेट्रो के नीचे सेक्टर 146-147 में 45 मीटर चौड़ी सड़क से शुरू होते हुए हिंडन नदी पर पुल से होते हुए नॉलेज पार्क 3 एलजी चौक तक जाती है। इसका काफी हिस्सा भूमि अधिग्रहण के मुद्दों पर फंस रही है। इसके निपटारे के लिए यहां एजेंसी क्लाज लगाया जा सकता है। इसमें नोएडा और ग्रेटरनोएडा के एप्रोच रोड के हिस्सा है। जीएनआईडीए अधिकारियों के अनुसार, हिंडन नदी पर 290 मीटर लंबे पुल की निर्माण एजेंसी यूपीएसबीसीएल ने हाल ही में परियोजना को पूरा करने के लिए 18 महीने के टाइम एक्सटेंशन मांगा था। इस दौरान दोनों ओर यानी नोएडा और ग्रेटरनोएडा की एप्रोच रोड बनाई जाएंगी। वर्तमान में हिंडन पुल पर निर्माण 30 प्रतिशत पूरा हो चुका है। अप्रैल 2026 से पहले इसके तैयार होने की संभावना नहीं है। पुल के लिए आवश्यक 16 फाउंडेशन और सब कंस्ट्रक्टर में से केवल चार का निर्माण हो सका है। बाकी भूमि अधिग्रहण में फंसा है। नोएडा प्राधिकरण की साइड से देखे तो जनवरी 2019 में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस रोड का शिलान्यास किया था। इस योजना को डेढ़ साल में पूरा किया जाना था। हालांकि, नोएडा प्राधिकरण की ओर से भूमि अधिग्रहण के मुद्दों के कारण शिलान्यास के तुरंत बाद इसे रोक दिया गया था। 40 मीटर चौड़े हिंडन पुल का काम ढाई साल रुकने के बाद नवंबर 2023 में फिर से शुरू हुआ और इस साल दोनों प्राधिकरण द्वारा एप्रोच रोड का निर्माण शुरू किया गया है। एक बार पूरा होने पर यह मार्ग नोएडा से ग्रेटर नोएडा, जिला कलेक्ट्रेट, सूरजपुर और गाजियाबाद जाने वालों के लिए यात्रा की दूरी लगभग 16 किमी कम कर देगा।

18वीं मंजिल से कूदकर इंजीनियर की पत्नी ने दी जान

गाजियाबाद। गाजियाबाद के इंदिरापुरम इलाके में मंगलवार को इंजीनियर की पत्नी ने 18वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी।

नीति खंड चौकी क्षेत्र स्थित सर्वोत्तम सोसाइटी के नीचे उसकी लाश पड़ी मिली। ये सोसाइटी एकदम सुनसान इलाके में है। इंदिरापुरम थाना पुलिस को मंगलवार दोपहर सूचना मिली कि सर्वोत्तम सोसाइटी के नीचे एक महिला की लाश पड़ी है। पुलिस ने इस बिल्डिंग की तलाशी ली तो 18वीं मंजिल यानी छत पर एक मोबाइल पड़ा मिला। मोबाइल से महिला की पहचान ज्योति वर्मा के रूप में हुई है। वो वसुंधरा सेक्टर-10 बी की रहने वाली थी।

ज्योति की शादी दिसंबर-2023 में नीतिश कुमार से हुई थी। नीतिश सीईएल में जूनियर इंजीनियर है। घटनास्थल पर मृतका का पति नीतिश पहुंच गया। उसने पुलिस को बताया-दोनों के बीच पारिवारिक झगड़े चल रहे। सोमवार रात घर में लड़ाई होने के बाद पत्नी गुस्से में घर से निकल गई थी।

गाजियाबाद में कस्तूरबा स्कूल से 3 छात्राएं लापता

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में ब्लॉक रजापुर के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय से सोमवार रात तीन छात्राएं लापता हो गईं।

इसमें एक छात्रा 7वीं और दो छात्राएं 8वीं कक्षा में पढ़ती हैं। सोमवार रात तीनों हॉस्टल में मौजूद थीं और अपने-अपने कमरों में सोई थीं। मंगलवार सुबह तीनों छात्राएं मिसिंग पाई गईं। जब हॉस्टल में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए तो तीनों छात्राएं एकसाथ बैग लेकर जाती हुई दिखाई दी हैं। फिलहाल पुलिस मौके पर है और छानबीन में जुटी हुई है। सिहानी गेट थाने के एसएचओ सचिन ने बताया-छात्राओं के नाम-पते दर्ज कर लिए गए हैं। उनके परिजनों से संपर्क किया जा रहा है। उन्हें ढूंढने के लिए पुलिस टीम लगा दी गई है।

हॉस्टल के बाहर रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी देखी जा रही है। उधर, इस घटनाक्रम से कस्तूरबा स्कूल के हॉस्टल की सुरक्षा पर भी सवाल ख? हो रहे हैं। रात के वक्त हॉस्टल और स्कूल के सभी गेट बंद रहते हैं। इसके बावजूद तीनों छात्राएं कैसे बाहर निकल गईं? इस पर भी सवाल उठ रहे हैं।

शहर के दो रूट पर ई-रिक्शा बंद करने पर हंगामा, लगाया जाम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद में कई रास्तों पर ट्रैफिक पुलिस ने ई-रिक्शा का संचालन बंद कर दिया है। जिसको लेकर चौतरफा इसका विरोध शुरू हो गया है। सैकड़ों ई-रिक्शा चालकों ने मंगलवार को शहर में कई स्थानों पर सड़क जाम कर प्रदर्शन किया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डीएम दफ्तर पर प्रदर्शन किया। वहीं भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर ने ये फैसला मोदी-योगी की नीतियों के विरुद्ध बताया है। पुलिस कमिश्नरेट की तरफ से शहर में दो रूटों पर ई-रिक्शा चलने पर प्रतिबंध को लेकर ई-रिक्शा चालक प्रदर्शन कर रहे है। वहीं विपक्षी पार्टी कांग्रेस और समाजवादी भी उनके समर्थन में आ गई है। भाजपा के लोनी विधानसभा से विधायक नंद किशोर गुर्जर ने भी ई-रिक्शा पाबंदी को लेकर पुलिस कमिश्नर को घेरा है।

पाबंदी को योगी और मोदी की नीतियों के विरुद्ध बताया है। लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर ने मामले को लेकर प्रमुख सचिव गृह को पत्र लिखा है।

PUBLIC NOTICE

My client **Mr. Mohd Israr** S/o. Haji Hanif R/o H.No.A-174/3, Abul Fazal Enclave Part-II, Shaheen Bagh, Jamia Nagar, New Delhi-110025 have **DISOWNED** his son **Mohd Shoaib** from all his rights and entitlements from his properties since **20-08-2024.**

They have also disowned from any rights, title, interest which occurs in succession from his parents and other family members shall not be liable responsible for any kind of act, deeds, transaction of any nature done by the **Mohd Shoaib** with anyone and they shall be personally liable for any kind of deeds.

SHAHROZ Advocate
Enroll No.D-8627/2019
27, Lawyers Old Chamber Block,
Supreme Court, New Delhi
Mobile No.7503848002

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Smt. Tanuja is in process to avail the LAP against her Plot bearing no. 37 area measuring 50 sq.yds., out of Khasra no. 293min, situated at Rajeev Garden village Dharoti, Pargana Loni, Tehsil, District Ghaziabad U.P (availing loan from PCHF Ltd), having acquired the same vide Gift Deed dated 29.08.2024 Doc no.16387 executed by her Husband Karan Singh
All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/ registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned.

Kamal Kant Gupta (Advocate)
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower
Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Rekha Sharma is in process to purchase the Entire Second Floor (without roof rights), Built-Up Property No. 443-E, Area Measuring 68 Sq. Yds. i.e. 56.85 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 208, situated at Village Babarpur, in the abadi of Gali No. 8, East Babarpur, Illaqa Shahdara, Delhi-110032 (taking loan from SHFL) from Sonali Sharma, who acquired the same vide Sale Deed dated 18.08.2022 executed by Babita Solanki (doc.No. 5934)
All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/ registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned.

Kamal Kant Gupta (Advocate)
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower
Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

PUBLIC NOTICE

This is to inform to all general public that my client Anita Dawar D/o Late Ram Narayan Dawar R/o C-336, GF, Vikas Puri, New Delhi-110018 has disowned and debarred her son Sahil Kumar from all her moveable & immovable properties and severed all relations. Anybody dealing with him in any manner whatsoever will be doing so at his/her own cost, risk & responsibilities. My client & her family members will not be responsible for any of his act.

ROHIT YADAV (Advocate)
Ch. 402 Civil Wings Tishazari, Delhi-54

इंडियन ओवरसीज बैंक
सेक्टर 46–फरीदाबाद शाखा
(पता: एसीओएफ 63, सैक्टर–46 – फरीदाबाद, फरीदाबाद
फोन: 0129–2438938 और ईमेल: iob@1836@iob.in)

सांकेतिक कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु) ((नियम 8(1))

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम के प्रवर्तन इंडियन ओवरसीज बैंक, **सैक्टर–46, फरीदाबाद शाखा** के प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत कर्जदार/बंधककर्ता/गारंटर श्री/मैसर्स
1. मैसर्स ओएसएम प्रोजेक्टस प्रा. लि. (उधारकर्ता)
2. श्री लोकेश शर्मा (निदेशक)
3. श्री सुरेन्द्र शर्मा (निदेशक/बंधककर्ता/गारंटर)
4. श्री दिनेश शर्मा (निदेशक/गारंटर)
5. श्री मुनेश शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
6. श्रीमती पूनम शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
7. श्री अजय विक्रम सिंह (बंधककर्ता/गारंटर)
8. श्री सुशील शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
9. श्रीमती सुमन शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
10. श्री ओम प्रकाश शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
11. श्री विपिन शाडिल्य (बंधककर्ता/गारंटर)
12. श्री रमेश चंद शर्मा (गारंटर)
(इसके बाद "कर्जदार/गारंटर/बंधककर्ता" के रूप में संदर्भित) को मांग सूचना दिनांक 20-05-2024 को जारी किया था जिसमें सूचना में उल्लेखित राशि **रु. 31,20,35,423.71 (रु. इकतीस करोड़ बीस लाख पैंतीस हजार चार सौ तेईस और पैसे इकत्तर) दिनांक 17.05.2024 तक बैंक गांरटी सहित और संविदात्मक दर पर ब्याज, प्रभार इत्यादि सहित पूर्ण चुकौती की तिथि तक,** उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।
(1) कर्जदार राशि का प्रतिभुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतदद्वारा कर्जदार तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने इसमे नीचे वर्णित संपति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियम 2002 के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियो के इस्तेमाल के अन्तर्गत दिनांक **09 सितम्बर, 2024** को लिया है।
(2) विशेष रूप से कर्जदार तथा जनसाधारण को एतदद्वारा उक्त संपति के साथ लेन–देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन ओवरसीज बैंक, के प्रभार वास्ते **रु. 31,91,53,920.06 (रु. इकतीस करोड़ इक्यान्वे लाख तिरेप्पन हजार नौ सौ बीस और पैसे छह) दिनांक 09.09.2024 तक अप्राप्त बैंक गांरटी सहित और संविदात्मक दर पर ब्याज और अर्जित प्रभार, लागत इत्यादि सहित** के अधीन होगा। जिसमें मांग नोटिस में उल्लिखित उपरोक्त तारीख से भुगतान की तारीख तक अनुबंध दरों और सहमति के अनुसार शेष राशि, शुल्क, लागत आदि पर ब्याज शामिल होगा, जिसमें मांग नोटिस जारी होने के बाद किए गए पुनर्भुगतान, यदि कोई हो, को घटाया जाएगा। दिनांक 09.09.2024 तक देय बकाया राशि **रु. 31,91,53,920.06 (रु. इकतीस करोड़ इक्यान्वे लाख तिरेप्पन हजार नौ सौ बीस और पैसे छह)** जिसमे भुगतान की तिथि तक संविदात्मक दरों पर अतिरिक्त ब्याज और शेष, शुल्क आदि के साथ देय अप्राप्त बैंक गारंटी शामिल है।
(3) कर्जदार का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

रिहायशी प्लाट नं. 550–ए, ओमेक्स सिटी, सैक्टर 11–14, पलवल, यह सम्पत्ति श्री सुरेन्दर शर्मा पुत्र श्री रमेश चंद शर्मा के नाम पर है।
टाइटल डीड के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल – 264.25 वर्ग मी.

सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि प्लॉट/फ्लैट नं. 550–ए, सर्वे सं. 550–ए/सिटी या टॉउन, सर्वे न./खसरा नं. उप–जिला पलवल और जिला (हरियाणा) के अंतर्गत पंजीकृत,
चौहदी:
उत्तर में – प्लॉट नं. 549ए
दक्षिण में – प्लॉट नं. 551ए
पूरब में – 12मी. चौड़ी रोड
पश्चिम में – अन्य की सम्पत्ति

दिनांक: 11.09.2024
स्थान: फरीदाबाद

हस्ता/– प्राधिकृत अधिकारी
इंडियन ओवरसीज बैंक

इंडियन ओवरसीज बैंक
सेक्टर 46–फरीदाबाद शाखा
(पता: एसीओएफ 63, सैक्टर–46 – फरीदाबाद, फरीदाबाद
फोन: 0129–2438938 और ईमेल: iob@1836@iob.in)

सांकेतिक कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु) ((नियम 8(1))

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम के प्रवर्तन इंडियन ओवरसीज बैंक, **सैक्टर–46, फरीदाबाद शाखा** के प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत कर्जदार/बंधककर्ता/गारंटर श्री/मैसर्स
1. मैसर्स ओएसएम प्रोजेक्टस प्रा. लि. (उधारकर्ता)
2. श्री लोकेश शर्मा (निदेशक)
3. श्री सुरेन्द्र शर्मा (निदेशक/बंधककर्ता/गारंटर)
4. श्री दिनेश शर्मा (निदेशक/गारंटर)
5. श्री मुनेश शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
6. श्रीमती पूनम शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
7. श्री अजय विक्रम सिंह (बंधककर्ता/गारंटर)
8. श्री सुशील शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
9. श्रीमती सुमन शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
10. श्री ओम प्रकाश शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
11. श्री विपिन शाडिल्य (बंधककर्ता/गारंटर)
12. श्री रमेश चंद शर्मा (गारंटर)
(इसके बाद "कर्जदार/गारंटर/बंधककर्ता" के रूप में संदर्भित) को मांग सूचना दिनांक 20-05-2024 को जारी किया था जिसमें सूचना में उल्लेखित राशि **रु. 31,20,35,423.71 (रु. इकतीस करोड़ बीस लाख पैंतीस हजार चार सौ तेईस और पैसे इकत्तर) दिनांक 17.05.2024 तक बैंक गांरटी सहित और संविदात्मक दर पर ब्याज, प्रभार इत्यादि सहित पूर्ण चुकौती की तिथि तक,** उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।
(1) कर्जदार राशि का प्रतिभुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतदद्वारा कर्जदार तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने इसमे नीचे वर्णित संपति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियम 2002 के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियो के इस्तेमाल के अन्तर्गत दिनांक **09 सितम्बर, 2024** को लिया है।
(2) विशेष रूप से कर्जदार तथा जनसाधारण को एतदद्वारा उक्त संपति के साथ लेन–देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन ओवरसीज बैंक, के प्रभार वास्ते **रु. 31,91,53,920.06 (रु. इकतीस करोड़ इक्यान्वे लाख तिरेप्पन हजार नौ सौ बीस और पैसे छह) दिनांक 09.09.2024 तक अप्राप्त बैंक गांरटी सहित और संविदात्मक दर पर ब्याज और अर्जित प्रभार, लागत इत्यादि सहित** के अधीन होगा। जिसमें मांग नोटिस में उल्लिखित उपरोक्त तारीख से भुगतान की तारीख तक अनुबंध दरों और सहमति के अनुसार शेष राशि, शुल्क, लागत आदि पर ब्याज शामिल होगा, जिसमें मांग नोटिस जारी होने के बाद किए गए पुनर्भुगतान, यदि कोई हो, को घटाया जाएगा। दिनांक 09.09.2024 तक देय बकाया राशि **रु. 31,91,53,920.06 (रु. इकतीस करोड़ इक्यान्वे लाख तिरेप्पन हजार नौ सौ बीस और पैसे छह)** जिसमे भुगतान की तिथि तक संविदात्मक दरों पर अतिरिक्त ब्याज और शेष, शुल्क आदि के साथ देय अप्राप्त बैंक गारंटी शामिल है।
(3) कर्जदार का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

औद्योगिक भूमि एवं भवन जोकि गाँव कोट, हाथिन, पलवल, यह सम्पत्ति मैसर्स ओ एस एम प्रोजेक्टस् प्रा. लि. के नाम पर है।
टाइटल डीड के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल – 7 एकड़ 1 कनाल 1 मारला

सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि प्लॉट/फ्लैट नं. सर्वे सं. /सिटी या टॉउन, सर्वे नं./खसरा नं. उप–जिला पलवल और जिला (हरियाणा) के अंतर्गत पंजीकृत,
चौहदी:
उत्तर में – खेतीहर भूमि
दक्षिण में – खेतीहर भूमि
पूरब में – पीडब्ल्यूडी हाथिन रोड
पश्चिम में – खेतीहर भूमि

दिनांक: 11.09.2024
स्थान: फरीदाबाद

हस्ता/– प्राधिकृत अधिकारी
इंडियन ओवरसीज बैंक

इंडियन ओवरसीज बैंक
सेक्टर 46–फरीदाबाद शाखा
(पता: एसीओएफ 63, सैक्टर–46 – फरीदाबाद, फरीदाबाद
फोन: 0129–2438938 और ईमेल: iob@1836@iob.in)

सांकेतिक कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु) ((नियम 8(1))

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम के प्रवर्तन इंडियन ओवरसीज बैंक, **सैक्टर–46, फरीदाबाद शाखा** के प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत कर्जदार/बंधककर्ता/गारंटर श्री/मैसर्स
1. मैसर्स ओएसएम प्रोजेक्टस प्रा. लि. (उधारकर्ता)
2. श्री लोकेश शर्मा (निदेशक)
3. श्री सुरेन्द्र शर्मा (निदेशक/बंधककर्ता/गारंटर)
4. श्री दिनेश शर्मा (निदेशक/गारंटर)
5. श्री मुनेश शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
6. श्रीमती पूनम शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
7. श्री अजय विक्रम सिंह (बंधककर्ता/गारंटर)
8. श्री सुशील शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
9. श्रीमती सुमन शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
10. श्री ओम प्रकाश शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
11. श्री विपिन शाडिल्य (बंधककर्ता/गारंटर)
12. श्री रमेश चंद शर्मा (गारंटर)
(इसके बाद "कर्जदार/गारंटर/बंधककर्ता" के रूप में संदर्भित) को मांग सूचना दिनांक 20-05-2024 को जारी किया था जिसमें सूचना में उल्लेखित राशि **रु. 31,20,35,423.71 (रु. इकतीस करोड़ बीस लाख पैंतीस हजार चार सौ तेईस और पैसे इकत्तर) दिनांक 17.05.2024 तक बैंक गांरटी सहित और संविदात्मक दर पर ब्याज, प्रभार इत्यादि सहित पूर्ण चुकौती की तिथि तक,** उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।
(1) कर्जदार राशि का प्रतिभुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतदद्वारा कर्जदार तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने इसमे नीचे वर्णित संपति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियम 2002 के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियो के इस्तेमाल के अन्तर्गत दिनांक **09 सितम्बर, 2024** को लिया है।
(2) विशेष रूप से कर्जदार तथा जनसाधारण को एतदद्वारा उक्त संपति के साथ लेन–देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन ओवरसीज बैंक, के प्रभार वास्ते **रु. 31,91,53,920.06 (रु. इकतीस करोड़ इक्यान्वे लाख तिरेप्पन हजार नौ सौ बीस और पैसे छह) दिनांक 09.09.2024 तक अप्राप्त बैंक गांरटी सहित और संविदात्मक दर पर ब्याज और अर्जित प्रभार, लागत इत्यादि सहित** के अधीन होगा। जिसमें मांग नोटिस में उल्लिखित उपरोक्त तारीख से भुगतान की तारीख तक अनुबंध दरों और सहमति के अनुसार शेष राशि, शुल्क, लागत आदि पर ब्याज शामिल होगा, जिसमें मांग नोटिस जारी होने के बाद किए गए पुनर्भुगतान, यदि कोई हो, को घटाया जाएगा। दिनांक 09.09.2024 तक देय बकाया राशि **रु. 31,91,53,920.06 (रु. इकतीस करोड़ इक्यान्वे लाख तिरेप्पन हजार नौ सौ बीस और पैसे छह)** जिसमे भुगतान की तिथि तक संविदात्मक दरों पर अतिरिक्त ब्याज और शेष, शुल्क आदि के साथ देय अप्राप्त बैंक गारंटी शामिल है।
(3) कर्जदार का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

रिहायशी सम्पत्ति – प्लॉट नं. 1008, अरबन ईस्टेट सैक्टर–2, पलवल, यह सम्पत्ति श्री मुनेश शर्मा पुत्र श्री योगपाल शर्मा और श्रीमती पूनम शर्मा पत्नी श्री मुनेश शर्मा के नाम पर है।
टाइटल डीड के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल – 84 वर्ग मी.

सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि प्लॉट नं./फ्लैट नं. 1008, सर्वे सं. 1008/सिटी या टॉउन, सर्वे नं./खसरा नं. उप–जिला पलवल और जिला (हरियाणा) के अंतर्गत पंजीकृत,
चौहदी:
उत्तर में – प्लॉट नं. 10074 (पंचाल निवास)
दक्षिण में – प्लॉट नं. 1009
पूरब में – अन्य की सम्पत्ति
पश्चिम में – रोड और टैगोर पब्लिक स्कूल

दिनांक: 11.09.2024
स्थान: फरीदाबाद

हस्ता/– प्राधिकृत अधिकारी
इंडियन ओवरसीज बैंक

इंडियन ओवरसीज बैंक
सेक्टर 46–फरीदाबाद शाखा
(पता: एसीओएफ 63, सैक्टर–46 – फरीदाबाद, फरीदाबाद
फोन: 0129–2438938 और ईमेल: iob@1836@iob.in)

सांकेतिक कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु) ((नियम 8(1))

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम के प्रवर्तन इंडियन ओवरसीज बैंक, **सैक्टर–46, फरीदाबाद शाखा** के प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत कर्जदार/बंधककर्ता/गारंटर श्री/मैसर्स
1. मैसर्स ओएसएम प्रोजेक्टस प्रा. लि. (उधारकर्ता)
2. श्री लोकेश शर्मा (निदेशक)
3. श्री सुरेन्द्र शर्मा (निदेशक/बंधककर्ता/गारंटर)
4. श्री दिनेश शर्मा (निदेशक/गारंटर)
5. श्री मुनेश शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
6. श्रीमती पूनम शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
7. श्री अजय विक्रम सिंह (बंधककर्ता/गारंटर)
8. श्री सुशील शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
9. श्रीमती सुमन शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
10. श्री ओम प्रकाश शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
11. श्री विपिन शाडिल्य (बंधककर्ता/गारंटर)
12. श्री रमेश चंद शर्मा (गारंटर)
(इसके बाद "कर्जदार/गारंटर/बंधककर्ता" के रूप में संदर्भित) को मांग सूचना दिनांक 20-05-2024 को जारी किया था जिसमें सूचना में उल्लेखित राशि **रु. 31,20,35,423.71 (रु. इकतीस करोड़ बीस लाख पैंतीस हजार चार सौ तेईस और पैसे इकत्तर) दिनांक 17.05.2024 तक बैंक गांरटी सहित और संविदात्मक दर पर ब्याज, प्रभार इत्यादि सहित पूर्ण चुकौती की तिथि तक,** उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।
(1) कर्जदार राशि का प्रतिभुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतदद्वारा कर्जदार तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने इसमे नीचे वर्णित संपति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियम 2002 के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियो के इस्तेमाल के अन्तर्गत दिनांक **06 सितम्बर, 2024** को लिया है।
(2) विशेष रूप से कर्जदार तथा जनसाधारण को एतदद्वारा उक्त संपति के साथ लेन–देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन ओवरसीज बैंक, के प्रभार वास्ते **रु. 31,90,46,838.06 (रु. इकतीस करोड़ नब्बे लाख छियालीस हजार आठ सौ अड़तीस और पैसे छह) दिनांक 31.08.2024 तक अप्राप्त बैंक गांरटी सहित और संविदात्मक दर पर ब्याज और अर्जित प्रभार, लागत इत्यादि सहित** के अधीन होगा। जिसमें मांग नोटिस में उल्लिखित उपरोक्त तारीख से भुगतान की तारीख तक अनुबंध दरों और सहमति के अनुसार शेष राशि, शुल्क, लागत आदि पर ब्याज शामिल होगा, जिसमें मांग नोटिस जारी होने के बाद किए गए पुनर्भुगतान, यदि कोई हो, को घटाया जाएगा। दिनांक 31.08.2024 तक देय बकाया राशि रु. 31,90,46,838.06 **(रु. इकतीस करोड़ नब्बे लाख छियालीस हजार आठ सौ अड़तीस और पैसे छह)** जिसमें भुगतान की तिथि तक संविदात्मक दरों पर अतिरिक्त ब्याज और शेष, शुल्क आदि के साथ देय अप्राप्त बैंक गारंटी शामिल है।
(3) कर्जदार का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

रिहायशी सम्पत्ति जोकि प्लॉट नं. 1487–पी, सैक्टर–14, अरबन ईस्टेट, फरीदाबाद, हरियाणा – 121007 में स्थित, यह सम्पत्ति श्री सुरेन्दर शर्मा और श्रीमती सुमन शर्मा के नाम पर है।
(यह संपत्ति आवास ऋण और संपत्ति के विरुद्ध ऋण के रूप मे ऋण सुविधाओं के लिए सामान्य सुरक्षा है, जो 29–06–2024 से चूक के अधीन है और बकाया रु. 2,08,46,992.30 (दो करोड़ आठ लाख छियालीस हजार नौ सौ बान्वे और पैसे तीस मात्र) दिनांक 31.08.2024 तक और अनुबंधित दरों पर आगे का ब्याज और भुगतान की तिथि तक शेष, शुल्क आदि)

सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि प्लॉट/फ्लैट नं. 1487–पी, सर्वे सं. 1487–पी/सिटी या टॉउन, सर्वे नं./खसरा नं. उप–जिला फरीदाबाद और जिला फरीदाबाद (हरियाणा) के अंतर्गत पंजीकृत,
चौहदी: उत्तर में – रोड प्रवेश
दक्षिण में – अन्य की सम्पत्ति
पूरब में – रोड
पश्चिम में – प्लॉट नं. 1488

दिनांक: 11.09.2024
स्थान: फरीदाबाद

हस्ता/– प्राधिकृत अधिकारी
इंडियन ओवरसीज बैंक

आप सरकार को गिराने की साजिश : आतिशी

● मंत्री का आरोप, दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की चल रही तैयारी

● भाजपा के ज्ञापन पर एक दिन पहले राष्ट्रपति सचिवालय ने गृह मंत्रालय के पास उचित ध्यान के लिए भेजा था

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता और कैबिनेट मंत्री आतिशी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाकर अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार को पिछले दरवाजे से गिराने की साजिश रचने का आरोप लगाया। आतिशी ने कहा कि,भाजपा चोर दरवाजे से दिल्ली की चुनी हुई सरकार को बर्खास्त करना चाहती है। उन्होंने कहा कि, भाजपा का एक मात्र काम चुनी हुई विपक्षी सरकारों को गिराना है।

यह आरोप ऐसे समय लगाया गया है, जब एक दिन पहले ही राष्ट्रपति सचिवालय ने विपक्षी दल भाजपा के एक ज्ञापन को गृह मंत्रालय के पास उचित ध्यान के लिए भेज दिया था। ज्ञापन में कहा गया कि दिल्ली संवैधानिक संकट का सामना कर रही है। आतिशी ने कहा कि, भाजपा दिल्ली में आम आदमी पार्टी के विधायक नहीं ख़रीद सकी इसलिए अब दिल्ली की चुनी हुई सरकार को गिराने के लिए षड्यंत्र शुरू कर दिया है। आतिशी ने कहा कि अगर केजरीवाल सरकार को गिराया गया तो दिल्लीवासी आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा को शून्य सीट देकर करारा जवाब देंगे और आम आदमी पार्टी सभी 70 सीटों पर जीत हासिल करेगी।

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को कहा कि संविधान के कथित उल्लंघन के लिए आप नीत सरकार को बर्खास्त करने की मांग को लेकर भाजपा विधायकों द्वारा शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपा गया ज्ञापन गृह मंत्रालय को भेज दिया गया है। आतिशी ने कहा कि भाजपा का एकमात्र काम देश में निर्वाचित सरकारों को अपने ऑपरेशन लोटस के जरिए गिराना है, जैसा कि महाराष्ट्र, कर्नाटक और मणिपुर में हुआ।

मंत्री ने आरोप लगाया, उन्होंने आप विधायकों को खरीदकर सरकार गिराने के लिए दिल्ली में भी ऑपरेशन लोटस की कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे। अब वे दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की लोकप्रिय सरकार को गिराने के लिए पिछले दरवाजे से राष्ट्रपति शासन लगाने की साजिश कर रहे हैं।

भाजपा को आज हारना है या चार माह बाद : संजय सिंह

नई दिल्ली। दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग पर मंगलवार को आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की हार तय है। अब भाजपा को यह तय करना है कि उसे दिल्ली में आज हारना है या फिर चार महीने बाद हारना है। उन्होंने कहा, अगर भाजपा वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में अभी हारना चाहते हैं तो अभी चुनाव की घोषणा कर दें। आम आदमी पार्टी पीछे नहीं हट रही है।

विक्टिम कार्ड खेलकर मुद्दे से भटकाना बंद करे: विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली । नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उनके द्वारा राष्ट्रपति को 30 अगस्त को दिए गए ज्ञापन में उठाये गए मुद्दों पर केजरीवाल सरकार से जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि ज्ञापन में छठे दिल्ली वित्त आयोग का गठन नहीं होने, दिल्ली की पंगु हो चुकी प्रशासनिक व्यवस्था, कैग की 11 रिपोर्ट्स को सदन में न रखने और केंद्र सरकार की योजनाओं को जानबूझकर राष्ट्रीय राजधानी में लागू नहीं करने के मुद्दों को उठाया था, जिनका जवाब केजरीवाल सरकार को देना है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने छठे दिल्ली वित्त आयोग का गठन नहीं कर संविधान का उल्लंघन किया है। जिसके चलते दिल्ली नगर निगम की वित्तीय स्थिति अव्यवस्थित हो चुकी है। आप सरकार ने पिछले 5 महीने से विधानसभा का सत्र नहीं बुलाया है। जबकि नियमानुसार पिछले सत्र के बाद 6 महीने के अंदर सत्र बुलाना अनिवार्य है। गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल सरकार में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। यहां की प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है। दिल्ली के 2 करोड़ लोगों की समस्याओं पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। अराजकता का माहौल है। आप विटिम कार्ड खेलकर मुद्दों से दिल्ली की जनता को भटका रही है।

एलएनजेपी अस्पताल में मंकी पॉक्स के मरीज की हालत स्थिर : भारद्वाज

● स्वास्थ्य मंत्री ने डेंगू से निपटने की तैयारियों का आकलन करने के लिए अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

एलएनजेपी में भर्ती मंकी पॉक्स के मरीज का हालचाल जानने पहुंचे सौरभ।

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को कहा कि एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती मंकी पॉक्स से पीड़ित मरीज की हालत स्थिर है। भारद्वाज ने मंकी पॉक्स और डेंगू से निपटने की तैयारियों का आकलन करने के लिए अस्पताल का औचक निरीक्षण किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, एलएनजेपी अस्पताल में मंकी पॉक्स का एक मरीज है। उसका यात्रा इतिहास है और ऐसा माना जा रहा है कि वह विदेश यात्रा के दौरान संक्रमित हुआ। मरीज को अलग वार्ड में रखा गया है, उसकी हालत स्थिर है। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि हरियाणा के हिसार निवासी 26 वर्षीय मरीज को केवल जननांगों में छाले और त्वचा पर चकत्ते हैं, लेकिन बुखार नहीं है। भारद्वाज ने कहा कि मंकी पॉक्स को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि यह हवा से नहीं बल्कि संपर्क से फैलता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि यह एक अकेला मामला है और इससे लोगों को तत्काल कोई खतरा नहीं है। मंत्रालय ने कहा, यह व्यक्ति, एक युवा पुरुष है जो हाल ही में मंकी पॉक्स संक्रमण प्रभावित देश से यात्रा करके लौटा है, उसे वर्तमान में एक निर्दिष्ट देखभाल पृथकवास इकाई में रखा गया है। चिकित्सकीय रूप से रोगी की हालत स्थिर बनी हुई है और उसे कोई कोई अन्य बीमारी नहीं है। मरीज को शनिवार को दिल्ली सरकार द्वारा संचालित एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पिछले महीने अफ्रीका के कई हिस्सों में इसकी व्यापकता और प्रसार को देखते हुए दूसरी बार मंकी पॉक्स को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था।

एलएनजेपी को नोडल सुविधा के रूप में नामित किया गया है, जबकि स्थिति को देखते हुए दो अन्य अस्पतालों को भी तैयार रखा गया हैं। एलएनजेपी अस्पताल में मरीजों के लिए कुल 20 आइसोलेशन कमरे हैं, जिनमें से 10 कमरे पुष्ट मामलों के लिए आरक्षित किए गए हैं। गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल और बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल में ऐसे मरीजों के लिए 10-10 कमरे होंगे, जबकि संदिग्ध मामलों के लिए पांच-पांच कमरे आरक्षित रहेंगे।

हाईकोर्ट ने दी मद्रास कैंप निवासियों का राहत

● प्रशासन से कोई कार्रवाई नहीं करने दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को प्रशासन को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि पुराने बारापुला ब्रिज क्षेत्र में मद्रासी कैंप के निवासियों के खिलाफ फिलहाल कोई काईवाई नहीं की जाए। नए फ्लाईओवर के निर्माण को लेकर इन लोगों को उस जगह को खाली करने का नोटिस दिया था।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने इस नोटिस के खिलाफ जंगपुरा के जेजे क्लस्टर मद्रासी कैंप के निवासियों द्वारा दायर की गई अर्जी पर दिल्ली सरकार, उसके लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा कि सवाल यह है कि कॉलोनी जल प्रवाह में बाधा डाल रही है या नहीं। पीठ ने यह स्पष्ट किया कि यदि यह जल प्रवाह में बाधा डाल रही है तो इसे हटना ही होगा। उच्च न्यायालय ने कहा, यदि यह जलप्रवाह में बाधा डाल रही है तो इसे हटना ही होगा। शहर में अनावश्यक ही पानी भर जा रहा है। दिल्ली में जो लोग रह रहे हैं और कर दे रहे हैं, वे नहीं चाहते हैं कि उनके घरों में पानी भर जाए। हम शहर में बार-बार पानी नहीं भरने दे सकते। यदि नाले को साफ करना है, तो उसे साफ करना ही होगा।

पीठ ने कहा, लेकिन हम सुनिश्चित करेंगे कि आपको वैकल्पिक जमीन पर ले जाया जाए। हम प्रशासन से आपका पुनर्वास कराने को कहेंगे। हम आपको पुनर्वास का अधिकार देंगे। उच्च न्यायालय ने प्रशासन को 10 दिनों के अंदर इस बात पर वस्तुस्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा कि कॉलोनी जलप्रवाह में बाधा डाल रही है या नहीं। डीडीए की वकील प्रभाशाय कौर ने कहा कि यह कॉलोनी जलप्रवाह में बाधा डाल रही है और लोक निर्माण विभाग अदालत को पूरा विवरण दे सकता है।

एक भी झुग्गी टूटने नहीं देगी सरकार: सिसोदिया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार ने कहा कि मद्रासी कैंप की एक भी झुग्गी को आम आदमी पार्टी (आप) सरकार नहीं गिरने देगी।

मनीष सिसोदिया ने यह दावा मद्रासी कैंप के पीड़ित परिवारों से अपने दौरे के दौरान किया। मनीष सिसोदिया ने पुराना बारापुला के पास बसी मद्रासी कैंप में रह रहे लोगों के पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिया, जिन्हें एलजी द्वारा सैकड़ों झुग्गियों तोड़ने के लिए नोटिस जारी किया गया है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी और दिल्ली की 'आप' सरकार उनके साथ खड़ी है। दिल्ली में जब तक 'आप' की सरकार है, तब तक किसी को भी बेघर नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा पहले अपने एलजी से कहकर अफसरों को डराती-धमकाती है और फिर नोटिस दिलवाती है।

गलत बयानबाजी कर रहें मनीष : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा, पिछले दस साल में केजरीवाल सरकार ने झुग्गी क्लस्टरों में रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाओं से तो वंचित रखा ही है, उनकी सरकार के डयूसिब विभाग ने उनके पुनर्वास के लिए बिल्कुल काम नही किया है। अनेक झुग्गी बस्तियों की तरह ही जंगपुरा विधानसभा की मद्रासी बस्ती का भी है जिसका मामला न्यायलय में था पर दिल्ली सरकार ने और ना उसके डयूसिब विभाग ने इस बस्ती को बचाने के लिए और ना ही इनके पुनर्वास के लिए कोई प्रस्ताव न्यायलय के समक्ष रखा। सचदेवा ने कहा, दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग ने उक्त मद्रासी बस्ती के लोगों को झुग्गी खाली करने का नोटिस दे दिया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है केन्द्र सरकार ने कालका जी, जेलर बाग एवं कठपुतली कॉलोनी के झुग्गी वासियों के पुनर्वास का काम चलाया है, सिसोदिया एक झुग्गी क्लस्टर बतायें जहां दस साल में सरकार ने झुग्गीवासियों के जीवन सुधार का काम किया हो।

एमसीडी स्थाई समिति का चुनाव 26 सितंबर को होगा

नई दिल्ली । दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थाई समिति के चुनाव 26 सितंबर को होंगे। एमसीडी सदन की बैठक में चुनाव होंगे, जो उसी दिन आहूत की जाएगी। इस सत्र के दौरान स्थाई समिति में रिक्त एक सीट पर सदस्य का चुनाव होगा। यह सीट भाजपा पार्षद कमल सहरावत के लोकसभा सदस्य चुने जाने के बाद खाली हुई है। रिक्त पद भरे जाने के बाद स्थाई समिति के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। इस प्रक्रिया के अक्टूबर में शुरू होने की उम्मीद है। ये पद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इनका एमसीडी के कार्यों पर महत्वपूर्ण प्रभाव होता है, जिसमें धन का आवंटन और शहर में विकास परियोजनाओं की देखरेख शामिल है 18 सदस्यीय स्थाई समिति में भाजपा ने हाल ही में हुए वार्ड समिति के चुनाव में सात सीटें हासिल कर अपनी स्थिति मजबूत की है। वार्ड समितियों से 12 सदस्य स्थाई समिति में शामिल होंगे, जिनमें से सात भाजपा पार्षद होंगे। शेष छह सीटों में से तीन भाजपा और तीन आम आदमी पार्टी के पास हैं जो उन्होंने 2022 में हुए स्थाई समिति के पिछले चुनाव में हासिल की थी। इनमें से एक सीट कमलजीत सहरावत के इस्तीफे से खाली हुई है, जिसे भरने के लिए चुनाव कराए जा रहे हैं।

देवेन्द्र यादव ने ली 14 जिला कांग्रेस कमेटियों की बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में सभी 14 जिला कांग्रेस कमेटियों में संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों, संगठनात्मक मजबूती और केन्द्र और दिल्ली सरकारों की गलत नीतियों से परेशान दिल्लीवालों की लड़ाई लड़ने आदि की चर्चा के संबध में मासिक बैठक हुई।

बैठक में देवेंद्र ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लगातार संघर्ष के बाद दिल्ली में जो माहौल बन रहा है, उससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में दिल्ली में बदलाव लाने के लिए भरपूर उत्साह और जोश पनप रहा है। जिला बैठकों में पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, निगम पार्षद मौजूद रहे।

नए आपराधिक कानूनों की एलजी ने की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● मुख्य सचिव से नियुक्तियों में तेजी लाने व संबंधित विभागों की एक समिति गठित करने के दिए निर्देश

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में लागू तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा की। बैठक में एलजी ने इस दिशा में किए कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए, विभिन्न पदों पर नियुक्तियों में तेजी लाने को कहा।

बैठक में एलजी ने इस संबंध में दिल्ली के मुख्य सचिव से सभी संबंधित विभागों की एक कमेटी गठित करने को कहा, ताकि स्थायी कर्मचारियों की नियुक्ति प्रक्रिया जैसे- भर्ती नियमों को अंतिम रूप देना, पदों का विज्ञापन आदि को एक ही बार में पूरा कर, नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। भर्ती मामले में शामिल विभागों में सेवा, प्रशासनिक सुधार, वित्त और उपयोगकर्ता विभागजैसे- स्वास्थ्य अभियोजन निदेशालय और जेल शामिल हैं। इस बैठक में दिल्ली के मुख्य सचिव के अलावा, गृह विभाग, दिल्ली पुलिस, फोरेंसिक साइंस लैब, नेशनल इंफोर्मेटिक सेंटर, अभियोजन निदेशालय, स्वास्थ्य विभाग, वित्त और प्रशासनिक सुधार विभाग के प्रमुख मौजूद रहे। गौरतलब है कि 1 जुलाई 2024 कोऔपनिवेशिक दौर के बने कानून भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने ले ली है। इस मुद्दे पर उपराज्यपाल की यह चौथी समीक्षा बैठक थी।

इस बैठक में कई विषयों पर विचार विमर्श किया गया, जिसमें मेडिको लीगल के लिए स्वास्थ्य विभाग दिल्ली सरकार द्वारा तैनात नोडल अधिकारी की ट्रेनिंग और विभिन्न कार्यान्वयन विभागों/एजेंसियों में भर्तियां शामिल हैं।

सात छात्रों को सेंट स्टीफंस कॉलेज में कक्षाओं में भाग लेने की अनुमति

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को उन सात छात्रों को सेंट स्टीफंस कॉलेज में कक्षाओं में भाग लेने की अनुमति दे दी, जिन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित सीटों के आधार पर कॉलेज (सेंट स्टीफंस) में प्रवेश की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

हालांकि, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने विश्वविद्यालय को निर्देश दिया कि वह सीटों का कोई और आवंटन न करें। खंडपीठ ने कॉलेज की अपील पर विश्वविद्यालय और सात छात्रों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कॉलेज ने एकल न्यायाधीश के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित सीटों के आधार पर इन उम्मीदवारों को प्रवेश दिया गया है। अदालत ने उनसे (विश्वविद्यालय और छात्रों) चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा और मामले की अगली सुनवाई अगले साल 28 जनवरी को तय की। पीठ ने कहा, अदालत का दरवाजा खटखटाने वाले सात छात्रों को अगले आदेश तक कक्षाओं में भाग लेने की अनुमति दी जाती है।

हालांकि यह निर्देश दिया जाता है कि विश्वविद्यालय आगे सीटों का कोई आवंटन नहीं करेगा। छह सितंबर को एकल न्यायाधीश ने सात छात्रों को राहत देते हुए कहा था कि उम्मीदवारों की कोई गलती नहीं थी क्योंकि संस्थान एवं विश्वविद्यालय के बीच जारी विवाद के कारण उन्हें अनुचित परेशानी का सामना करना पड़ा।

● हाईकोर्ट की पीठ ने अदालत आने वाले छात्रों को दी राहत

मेट्रो में इस साल चार हजार चोरी के मामले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● पिछले वर्ष की तुलना में वारदात में हुई बढ़ोतरी

दिल्ली मेट्रो में पिछले वर्ष की तुलना में कम से कम 242 मामलों की वृद्धि के साथ इस वर्ष अब तक 3,952 चोरी के मामले दर्ज किए गए हैं। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल आठ सितंबर तक दिल्ली मेट्रो में चोरी के कम से कम 3,709 मामले दर्ज किए गए थे।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि चोरी के इन मामलों में यात्रियों और मेट्रो कर्मचारियों की जेब काटना, मोबाइल फोन, पर्स या अन्य कीमती सामान गायब होना शामिल है। मेट्रो संपत्तियों की चोरी भी इन्हीं आंकड़ों में दर्ज है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, 3,952 मामलों में चोरी के कम से कम 3,898 मामले ई-प्राथमिकी के माध्यम से दर्ज किए गए और उनमें से 548 मामलों को इस साल आठ सितंबर तक सुलझा लिया गया। आंकड़ों से पता चलता है कि 2023 में इसी अवधि में 3,709 प्रकरणों में से चोरी के कम से कम 3,648 मामले ई-प्राथमिकी के माध्यम से दर्ज किए गए और उनमें से 1,471 मामलों को हल कर लिया गया। आंकड़ों के अनुसार इस साल आठ सितंबर तक दिल्ली मेट्रो परिसर से मोटर वाहन चोरी के कम से कम 81 मामले हैं और पिछले साल इसी अवधि में 72 मामले दर्ज किए गए। इस साल आठ सितंबर तक 2024 में कम से कम 56 और 2023 में 61 मामले सुलझाए जा चुके हैं।

इस साल आठ सितंबर तक कम से कम 11 सेंधमारी के मामले सामने आए हैं। जबकि 2023 में दिल्ली मेट्रो के परिसर में सेंधमारी के सिर्फ तीन मामले सामने आए।

आंकड़ों के अनुसार इस साल आठ सितंबर तक लूट के कम से कम तीन मामले दर्ज किए गए और उनमें से दो को सुलझा लिया गया है। पिछले साल इसी अवधि में लूट के दो मामले दर्ज किए गए थे और दोनों को सुलझा लिया गया था। पिछले वर्ष आठ सितंबर तक डकैती के कम से कम पांच मामले दर्ज किए गए।

संक्षिप्त समाचार

मादीपुर वार्ड में सफाई व्यवस्था का लिया जायजा

नई दिल्ली। मेयर डॉ शैली ओबेरॉय ने पश्चिमी ज़ोन के मादीपुर वार्ड में सफ़ाई व्यवस्था का जायज़ा लेने के लिए निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान, मेयर ने मादीपुर वार्ड के कई ढलाव घरो का दौरा किया और पाया कि ढलाव घरो के बाहर कूड़े का ढेर लगा हुआ है और मुख्य सड़कों तक है जिस कारण क्षेत्र में गंदगी और बदबू है और नागरिक भी लगातार शिकायत कर रहे हैं। मेयर ने कूड़ा प्रबंधन प्राइवेट एजेंसी व अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी ढलाव घरों की मरम्मत कराई जाए और नियमित रूप से कूड़ा उठाया जाए। निरीक्षण के दौरान, मेयर ने पाया कि वार्ड में एक ढलाव घर के पास सड़क तक कूड़ा फैला हुआ है और स्थिति इतनी ख़राब है कि कूड़े व गंदगी के कारण नागरिकों का वहां रहना मुश्किल हो गया है। नागरिकों ने बताया कि ढलाव घर के आस पास रिहायशी इलाक़ा है और आग्रह किया कि इसे यहाँ से शिफ़्ट किया जाए।

जीवन की कठिनाइयों का हल आत्महत्या नहीं

नई दिल्ली। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर मंगलवार को रोहिणी में परफेक्ट हेल्थ इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में आत्महत्या की रोकथाम के उपायों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर मनोचिकित्सक एवं आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉक्टर आरपी पाराशर ने कहा कि जीवन की कठिनाइयों का हल आत्महत्या नहीं है, यह एक गंभीर समस्या है, जो केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य से भी जुड़ी होती है। उन्होंने कहा, आत्महत्या के पीछे विभिन्न कारण मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत चुनौतियां शामिल हैं। परफेक्ट हेल्थ इंस्टीट्यूट की कार्यकारी निदेशक शिमोना ने कहा कि शारीरिक, मानसिक या यौन शोषण जैसी घटनाओं के कारण मानसिक स्वास्थ्य को गहरे रूप से प्रभावित कर सकती हैं। लेकिन इसका समाधान आत्महत्या कभी भी नहीं हो सकता है।

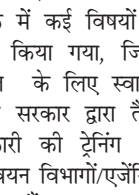

डॉ. आरपी पाराशर

एमसीडी चलाएगी व्यापक स्वच्छता अभियान

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) 17 सितंबर से 1 अक्टूबर 2024) तक वार्ड स्तर पर व्यापक स्वच्छता अभियान शुरू करने जा रही है। इस पहल का उद्देश्य स्वच्छता और पर्यावरणीय जम्मिदारी को बढ़ावा देना है, जो शहर के विभिन्न ज़ोन में आयोजित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से किया जाएगा। इस अभियान के तहत स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने, कचरा प्रबंधन और कूड़े के सही निपटान पर ज़ोर दिया जाएगा। स्वच्छता ही सेवा के दौरान, निगम मेगा स्वच्छता अभियान का आयोजन करेगा, जिसमें गंदे स्थलों की सफाई और सुधार पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। ऐसे कुल 74 स्पॉट्स (जीवीपी) की पहचान की गई है।

स्वास्थ्य: एम्स में होगा तंबाकू की लत छुड़ाने का इलाज

● अस्पताल में विशेष ओपीडी शुरू, मरीज सीधे करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तंबाकू की लत से परेशान लोगों और उनके परिजनों के लिए दिल्ली एम्स की तरफ से एक अच्छी खबर है। एम्स ने तंबाकू की लत छुड़ाने के लिए 'तंबाकू सेवन उपचार क्लिनिक' की विशेष ओपीडी शुरू की है। यहां इलाज के इच्छुक मरीज सीधे यहां आकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

पूरे देश भर में तंबाकू के सेवन से होने वाली मौतों के आंकड़े लगातार तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। ज्ञात रहे कि तंबाकू के सेवन से हर साल दुनिया में करीब 80 लाख और भारत में 13 लाख से अधिक लोग अपनी जान गंवा देते हैं। एम्स के राजकुमारी अमृत कौर ओपीडी में तंबाकू सेवन उपचार क्लिनिक की शुरुआत मंगलवार को की गई। क्लीनिक का उद्घाटन एम्स अस्पताल के निदेशक प्रोफेसर एम श्रीनिवास ने किया। तंबाकू और धूम्रपान की लत से जूझ रहे लोग इस क्लीनिक में पहुंचकर डॉक्टरों से चिकित्सकीय सलाह ले सकेंगे डॉक्टर के द्वारा मरीजों की मानसिक काउंसलिंग के साथ-साथ दवाई भी दी जाएगी। हर मंगलवार को क्लिनिक चलेगा सुबह 8:30 से सुबह 11:00 तक पंजीकरण होगा।

तंबाकू सेवन उपचार क्लिनिक' की विशेष ओपीडी शुरू करते एम्स के निदेशक एम श्रीनिवास।

तंबाकू समाप्ति क्लिनिक को एम्स अस्पताल के राजकुमारी अमृत कौर ओपीडी की पांचवी मंजिल ए विंग में पलमोनरी मेडिसिन विभाग के कमरा नंबर 519 और 526 में चालू किया गया है अस्पताल में वॉकिंग और रेफर किए गए दोनों मरीज पंजीकरण करा सकते हैं।

सीओपीडी और कैंसर का कारण है तंबाकू

एम्स दिल्ली के पल्मोनरी, क्रिटिकल और स्लीप मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. अनंत मोहन ने बताया कि तंबाकू का उपयोग सीओपीडी और फेफड़ों के कैंसर जैसी श्वसन संबंधी बीमारियों का एक प्रमुख कारण बना हुआ है। क्लिनिक सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाएगा और आवश्यक चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करेगा अस्पताल में मरीज पंजीकरण के माध्यम से इलाज करा सकेंगे।

चिड़ियाघर में जानवरों की संख्या बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली। दिल्ली चिड़ियाघर चार प्रजातियों के पशुओं के प्रजनन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और उनकी दिनचर्या व आहार पर बारीकी से निगरानी के साथ-साथ हार्मोनल टेस्टिंग जैसे उपायों को लागू कर रहा है।

चिड़ियाघर के एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय प्राणी उद्यान के कई जानवरों के हाल के वर्षों में बच्चे पैदा नहीं हुए, जिसके कारण इस मुद्दे के समाधान के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। चिड़ियाघर के एक अधिकारी ने बताया, हम वर्तमान में चिड़ियाघर में चार प्रजातियों की निगरानी कर रहे हैं जो या तो प्रजनन नहीं कर रही हैं या अब प्रजनन करने में सक्षम नहीं हैं। इन प्रजातियों में भारतीय जंगली कुत्ता, शेर, भेड़िया और बबून शामिल हैं। चिड़ियाघर के अधिकारी ने कहा, हम उनके स्वास्थ्य पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

उदयभान के नामांकन में उमड़ा जनसैलाब

● हुड्डा भी रहे मौजूद, कहा- होडल के आशीर्वाद और उदयभान के नेतृत्व में जीतेगी कांग्रेस

● कांग्रेस की मंजूरशुदा परियोजनाएं भी पूरा नहीं कर पाई भाजपा सरकारः पार्टी प्रदेशाध्यक्ष

कांग्रेस प्रत्याशी चौ. उदयभान का नामांकन कराने के दौरान मौजूद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व अन्य नेता।

पायनियर समाचार सेवा। होडल

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने मंगलवार को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष व होडल से प्रत्याशी चौधरी उदयभान का नामांकन दाखिल कराया। नामांकन कार्यक्रम में भारी जनसमूह मौजूद था। जनसैलाब को देखकर उत्साहित हुड्डा ने कहा कि होडल समेत पूरे हरियाणा की हवा बता रही है, कांग्रेस आ रही है, भाजपा जा रही है। इस बार होडल के आशीर्वाद और चौधरी उदयभान के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बननी तय है। कांग्रेस सरकार में होडल को बड़ी हिस्सेदारी मिलने जा रही है। इसलिए मतदाताओं से अपील है कि चौधरी उदयभान को सबसे ज्यादा मतों से जिताकर विधानसभा में भेजें।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री चौ. करण सिंह दलाल, रघुवीर सिंह तेवतिया, चौ. लहरी सिंह के साथ-साथ 43 में से 41 गांवों के सरपंच, हसनपुर व होडल ब्लॉक समिति चेयरमैन, जिला परिषद सदस्य और होडल नगर पालिका के 16 सदस्य भी प्रमुख तौर पर मौजूद रहे। सभी ने एक सुर में चौ. उदयभान के समर्थन का ऐलान किया।

हुड्डा ने कहा कि प्रदेश में भाजपा ने अपने 10 साल के राज में एक भी काम नहीं करवाया। भाजपा ने न तो एक नई यूनिट बिजली उत्पादन की लगवाई, ना एक खंभा मेट्रो का लगवाया, ना ही कोई नया मेडिकल कॉलेज खोला और ना ही कोई राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय स्तर का बड़ा संस्थान, उद्योग या परियोजना लगाई। 2014 और 2019 में बीजेपी ने जो वादे किए थे, उनमें से एक भी पूरा नहीं हुआ। 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने की बजाए सरकार ने किसानों की लागत को कई गुना बढ़ा दिया। युवाओं को रोजगार देने की बजाए, हरियाणा को देश का सबसे ज्यादा बेरोजगारी वाला राज्य बना दिया। महिलाओं, व्यापारियों को सुरक्षा देने की बजाए देश का सबसे असुरक्षित राज्य बना दिया।

गुरुग्राम, बादशाहपुर व सोहना से प्रत्याशियों ने किए नामांकन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा विधानसभा आम चुनाव के लिए नामांकन के छठे दिन जिले की पटौदी विधानसभा क्षेत्र को छोड़कर अन्य तीनों विधानसभा क्षेत्रों गुड़गांव से दो, बादशाहपुर व सोहना से एक-एक प्रत्याशी के द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया गया हैं।

विधानसभा चुनाव की नामांकन प्रक्रिया के तहत मंगलवार को जिला में गुरुग्राम विधानसभा क्षेत्र के लिए भारतीय जनता पार्टी से मुकेश शर्मा व निर्दलीय उम्मीदवार नरेंद्र कुमार ने अपना नामांकन दाखिल किया है। बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र भारतीय जनता पार्टी से राव नरबीर सिंह ने अपना नामांकन दाखिल किया है। इसके अतिरिक्त सोहना विधानसभा क्षेत्र से भी निर्दलीय उम्मीदवार सुंदर भड़ाना ने अपना पर्चा भरा है। पटौदी विधानसभा से मंगलवार को भी किसी प्रत्याशी ने नामांकन नही किया है।

डीसी निशांत कुमार यादव ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के लिए नामांकन के समय सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार को नामांकन शुल्क (सिक्योरिटी

बादशाहपुर सीट से नामांकन दाखिल करते भाजपा प्रत्याशी राव नरबीर सिंह।

राशि) के रूप मे 10 हजार रुपये अनुसूचित जाति श्रेणी से संबंधित उम्मीदवार को 5 हजार रुपये नामांकन शुल्क के रूप में जमा करवाने होंगे। उम्मीदवारों को नामांकन पत्र के साथ दाखिल किए जाने वाले हलफनामे में सभी कॉलम भरने होंगे। नामांकन भरने की अन्तिम तिथि 12 सितम्बर दोपहर 3 बजे तक हैं। 13 सितम्बर को नामांकन पत्रों की जांच पड़ताल की जाएगी, जबकि 16 सितम्बर सोमवार को दोपहर 3 बजे तक उम्मीदवार अपना नामांकन वापिस ले सकेंगे तथा इसी दिन बाद दोपहर चुनाव में खड़े प्रत्याशियों की सूची चुनाव चिन्ह सहित जारी कर दी जाएगी।

नयनपाल रावत ने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर भरा नामांकन

फरीदाबाद। पृथला विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी नयनपाल रावत ने सेक्टर 12 स्थित लघु सचिवालय पहुंचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इससे पूर्व चंदावली स्थित अपने कार्यालय पर पूजा अर्चना की और उपस्थित क्षेत्र की जनता का आशीर्वाद लिया। शशिबाला तेवतिया एवं उनकी बेटी ने तिलक लगाकर जीत का आशीर्वाद दिया। नामांकन पत्र दाखिल करने से पूर्व चंदावली स्थित अपने कार्यालय पर उमड़े भारी जनसमूह को सम्बोधित करते हुए नयनपाल रावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने मेरे साथ धोखा किया है और एक ऐसे व्यक्ति को टिकट दे दी है, जो लोगों का शोषण करते हुए आया है।

नयनपाल रावत ने कहा कि पृथला विधानसभा क्षेत्र की 36 बिरादरी मेरे साथ है और मैं आपसे वादा करता हूं बिरादरी का सर कभी झुकने नही दूंगा। टेकचंद शर्मा अपनी बिरादरी के भी सगे नही हुए और इन्होंने आपस में लड़ाने का काम किया। ब्राह्मण समाज से 2 उम्मीदवार मैदान में हैं, लेकिन ये मैं दावे के साथ कह सकता हूं, जितने लोग इन दोनो के साथ हैं, उससे ज्यादा लोग ब्राह्मण समाज के मेरे साथ हैं। आज पृथला विधानसभा क्षेत्र की सरदारी यहां पहुंची है और सरदारी का सरकार में साझा होता है। आप लोगों के आशीर्वाद और दुआओं से आपका बेटा आपका सेवादार पुन: एक बार ना केवल विधायक बल्कि हरियाणा की राजनीति का केंद्र बिंदु बनकर आयेगा।

'जन आशीर्वाद से फिर बनेगी भाजपा सरकार'

● भाजपा प्रत्याशी टेकचंद शर्मा की नामांकन सभा में पहुंचे बिलप्ब देब व कृष्णपाल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरियाणा चुनाव सह प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने कहा यह चुनाव भारतीय जनता पार्टी का चुनाव नहीं है बल्कि यह चुनाव हरियाणा के गौरव और स्वाभिमान को बचाने का चुनाव है। कांग्रेस पर गरजते हुए बिप्लब देब ने कहा कि कांग्रेस ने हरियाणा के किसानों, जवानों को नहीं बल्कि भ्रष्टाचार में जेल में बैठे सुरेंद्र पंवार जैसे व्यक्ति को टिकट दी है। कांग्रेस की सोच भ्रष्टाचारियों को चुनाव जीताकर विधानसभा में भेजना है। इस मौके पर उन्होंने राव दान सिंह को भी घेरा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के दाग कांग्रेस के प्रत्याशियों पर है जिनके घरों पर ईडी के छापे पड़े हैं।

बिप्लव देब मंगलवार को पृथला विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी टेकचंद शर्मा द्वारा देवांश ग्रीन में आयोजित नामांकन सभा में उपस्थितजन समूह को संबोधित कर रहे थे। बिप्लब देब ने कहा कि हरियाणा का युवा, किसान, गरीब और महिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है। हरियाणा के लोगों के लिए पहले देश और देश की मिट्टी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है और विकसित बनने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिप्लब देब ने कहा कि जनता को जोश बता रहा है कि 8 जून को आने वाला परिणाम ऐतिहासिक होगा।

पीठासीन अधिकारियों का किया गया रैंडमाइजेशन

गुरुग्राम। विधानसभा चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए प्रशासन द्वारा पारदर्शिता बरती जा रही है। इसी को लेकर मंगलवार को लघु सचिवालय के सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी निशांत कुमार यादव की उपस्थिति में पीठासीन अधिकारी और वैकल्पित पीठासीन अधिकारियों का प्रथम चरण का रेंडमाइजेशन किया गया। एनआइसी से डीआईओ विभू कपूर ने रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया पूरी की। निर्वाचन आयोग की ओर से विकसित किए गये एक सॉफ्टवेयर के जरिये कंप्यूटर में उक्त पीओ व एपीओ की कुल संख्या के क्रम को, अक्रमित कर पोलिग पार्टियों की नई सूची तैयार की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पोंलिग पार्टियों की रेंडमाइजेशन तीन चरणों में पूरी की जाएगी।

आशीर्वाद बैठक में व्यापारियों ने दिया नवीन को समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा के व्यापारियों के सुख-दुख में सदा खड़े रहे नवीन गोयल के समर्थन में गुड़गांव के व्यापारियों ने खुलकर समर्थन दे दिया है। यहां कोरस बैंक्वेट हॉल में हुई व्यापारी आशीर्वाद बैठक में गुड़गांव के व्यापारियों, दुकानदारों की सभी एसोसिएशन ने एक मंच पर आकर नवीन गोयल को विजयी बनाने की बात कही। व्यापार जगत के मजबूत स्तंभ इस बैठक में पहुंचे और नवीन गोयल को आशीर्वाद दिया। नवीन गोयल ने व्यापारियों का आशीर्वाद मिलने का आभार जताते हुए कहा कि जिसकी ओर गुड़गांव के सदर बाजार चलता है, उसकी जीत सुनिश्चित होती है।

अपने संबोधन मं नवीन गोयल ने कहा कि किसी भी शहर, कस्बे,

व्यापारी आशीर्वाद बैठक को संबोधित करते नवीन गोयल।

देश के व्यापारी के मजबूत होने से वहां का विकास होता है। व्यापारी जिधर चलता है, उधर की हवा बनती है। व्यापारियों का उन्हें आशीर्वाद मिला है, वे इस आशीर्वाद से चुनाव की नैया पार कर जाएंगे। नवीन गोयल ने कहा कि उन्होंने दुनिया के कई देशों में घूमकर आईडिया इकट्ठे किए हैं। उनको पूरा करने के लिए आपका आशीर्वाद चाहिए। व्यापार का सरलीकरण, व्यापारी के टैक्स का सही उपयोग हो, इसकी व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि व्यापारी सिर्फ दान देने, टैक्स देने के लिए नहीं बना है। इसके बाद उसे भी सुविधाएं मिलनी चाहिए।

बैठक में रामनिवास मंगला, जेएन मंगला, रोशन लाल मंगला, देवेंद्र जैन, दिनेश अग्रवाल, अरुण, नरेश गोयल, रवि समेत सभी वक्ताओं ने नवीन गोयल का खुलकर समर्थन करते हुए उन्हें भारी मतों से विजयी दिलाने की बात कही। सभी दुकानदारों, व्यापारियों से भी आग्रह किया कि हमें नवीन गोयल का भरपूर साथ देकर विधायक बनाना है।

व्यापारी वर्ग की एकजुटता से मिली ताकतः डॉ. गोयल

डा. डीपी गोयल ने गुरुग्राम के व्यापारियों, दुकानदारों से आशीर्वाद लेते हुए कहा कि समाज को दिशा देने वाले, आप सब गुरुग्राम को चलाने वाले हैं। आपके यहां एकजुट होने से नवीन को ताकत मिली है। गुड़गांव को प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से सेवा में 22 साल दिए हैं। हमारी नीयत में ना कोई खोट था, ना है और ना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा से नाता तोड़ते हुए दुख हमें था। क्योंकि हमने तोडना नहीं सीखा। हमने पार्टी का धर्म भी निभाया है।

स्वास्थ्य जांच के साथ मतदान के लिए किया जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

आयुष विभाग द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में लगे शिविर में जांच कराती छात्राएं।

7वें पोषण माह के अंतर्गत आयुष विभाग द्वारा मंगलवार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दौलताबाद में आयुष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. नितिका शर्मा ने 218 मरीजों को बदलते मौसम में खान-पान के विषय में जानकारी दी व जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे स्वीप प्रोग्राम के तहत लोगों को 100 प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक किया।

उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य की रक्षा के साथ साथ लोकतंत्र की रक्षा एक चिकित्सक का मौलिक कर्तव्य है। डॉ. नितिका ने कहा कि जिस तरीके से हम अपने खानपान के तरीके को सुधार कर खुद को बीमार होने से बचा सकते है। ठीक उसी प्रकार मतदान प्रक्रिया में भाग लेकर हम अपने देश के लोकतंत्र को स्वस्थ रख सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्वस्थ शरीर व स्वस्थ लोकतंत्र एक दूसरे के पूरक है। ऐसे में हम सभी को अपनी नैतिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए आगामी 5 अक्टूबर को अपना वोट डालने के साथ साथ अन्य लोगों को भी प्रेरित करना है। शिविर में आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीतू कटारिया के द्वारा आयुर्वेदिक व डॉ. नीतिका शर्मा ने होम्योपैथिक पद्धति से मरीजों का परीक्षण किया एवं इलाज दिया गया।

दिव्यांगों ने ट्राई साइकिल से रैली निकाल दिया मतदान का संदेश

● एडीसी ने रैली को विकास सदन परिसर से हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विधानसभा निर्वाचन को लेकर जिले में स्वीप अभियान के तहत लगातार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर मतदाताओं को जागरूक करने की दिशा में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इस क्रम में मंगलवार को स्वीप व जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के तत्वाधान में विकास सदन परिसर से एडीसी एवं स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी हितेश कुमार मीणा ने दिव्यांग मतदाताओं की ट्राई साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली में शामिल दिव्यांग मतदाताओं ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए शत-प्रतिशत मतदान, गुरुग्राम का अभियान स्लोगन के नारे लगाए। ट्राई साइकिल रैली सदर बाजार होते हुए सेक्टर-15 स्थित जिला रेडक्रॉस कार्यालय में समाप्त हुई। इस दौरान एडीसी हितेश कुमार मीणा ने कहा कि जिला में आगामी 5 अक्टूबर को कोई भी मतदाता मतदान से अछूता ना रहे। इसके लिए स्वीप अभियान के तहत निरन्तर जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नेत्रदान पखवाड़ा के तहत आंखें दान करने की शपथ लेते लोग।

स्वास्थ्य विभाग ने मनाया नेत्रदान पखवाड़ा

गुरुग्राम। आंखें शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग हैं। नेत्रदान कर हम किसी दृष्टिहीन के जीवन में रोशनी ला सकें, यह हमारे जीवन के बाद की सबसे बड़ी नियामत होगी। राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा के दौरान नेत्ररोग विशेषज्ञ एवं डिप्टी सीएमओ डा. प्रिया शर्मा ने सेक्टर-31 के पॉलीक्लीनिक में स्वास्थ्य कर्मियों को नेत्रदान का संकल्प करवाते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि मृत्यु के बाद भी हमारा शरीर चिकित्सा परीक्षण और नेत्रदान के काम आ सकता है। आज बहुत से ऐसे नागरिक हैं, जिन्होंने देहदान और नेत्रदान करने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा के दौरान अनेक स्कूली विद्यार्थियों तथा नागरिकों ने फार्म भरकर आंखे दान करने का संकल्प लिया है। डिप्टी सीएमओ डा. प्रिया शर्मा ने बताया कि कार्निया नष्ट हो जाने के बाद प्रत्यारोपण से ही व्यक्ति की आंखों की रोशनी वापस आ सकती है। जो कि मृतक की आंखों से मिलता है। इसका कोई और विकल्प नहीं है। इसी उद्देश्य से नेत्रदान का अभियान स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा है। इसके लिए गुरूग्राम के सैक्टर 31 स्थित पॉलीक्लीनिक से संपर्क किया जा सकता है अथवा टोल फ्री नंबर-112 को डायल किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की कि विधानसभा चुनाव के दौरान सभी कर्मचारी पांच अक्टूबर को अपने पोलिंग बूथ पर वोट डालने के लिए अवश्य जाएं।

आर्टेमिस ने पुराने गुरुग्राम में शुरू की ओपीडी सेवाएं

गुरुग्राम। आर्टेमिस अस्पताल ने पुराने गुरुग्राम के लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की शुरुआत की है। अस्पताल ने गुरुग्राम के सिविल लाइंस के ओल्ड ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स में मंगलवार को सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी की शुरुआत की है। आर्टेमिस हॉस्पिटल्स के ग्रुप हेड सेल्स एंड मार्केटिंग असगर अली ने बताया कि ओपीडी की शुरुआत पर अस्पताल के ऑर्थोपेडिक एंड स्पाइन सर्जरी कल्सल्टेंट डा. वरुण खन्ना व जनरल एंड मिनिमैली इन्वेसिव सर्जरी कल्सल्टेंट डा. मनु चौधरी मौजूद रहे। प्रत्येक मंगलवार को सुबह 12 बजे से 2 बजे तक जनरल सर्जरी, ऑर्थोपेडिक एंड स्पाईन सर्जरी की ओपीडी होगी, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा रोगियों की जांच की जाएगी। इस सुविधा के शुरु हो जाने से लोगों को दूरदराज के क्षेत्रों में उपचार कराने के लिए नहीं जाना पड़ेगा। ऑर्थोपेडिक एंड स्पाइन सर्जरी कल्सल्टेंट डा. वरुण खन्ना व जनरल एंड मिनिमैली इन्वेसिव सर्जरी कल्सल्टेंट डा. मनु चौधरी का कहना है कि सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी की शुरुआत करने का उद्देश्य है कि लोगों को बेहतर और विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

12 को नामांकन भरेंगे कांग्रेस प्रत्याशी अशोक अरोड़ा

कुरुक्षेत्र। थानेसर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी अशोक अरोड़ा 12 सितंबर को नामांकन पत्र भरेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा अशोक अरोड़ा का नामांकन पत्र भरवाने के लिए आएंगे। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता बैरागी धर्मशाला से रोड शो के रूप में लघु सचिवालय पहुंचेंगें व आयोजित जनसभा को पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह संबोधित करेंगे। कांग्रेस प्रत्याशी अशोक अरोड़ा ने मंगलवार को बैरागी धर्मशाला में चुनावी कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान चुनावी कार्यालय में हवन किया गया।

विस चुनावः आप ने जारी की नौ प्रत्याशियों की दूसरी सूची

● भाजपा छोड़कर आए पूर्व मंत्री छत्रपाल सिंह को बरवाला से बनाया प्रत्याशी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) ने मंगलवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए नौ उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की, जिसमें पूर्व मंत्री छत्रपाल सिंह को बरवाला से उम्मीदवार बनाया गया है। सिंह एक दिन पहले ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से आप में शामिल हुए थे। सीट बंटवारे पर कांग्रेस के साथ बातचीत विफल रहने के बाद सोमवार को पार्टी ने 20 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी।

नई सूची के अनुसार, रीता बामनिया को साढौरा, किशन बजाज को थानेसर और हवा सिंह को इंद्री से उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी ने रतिया से मुख्तियार सिंह बाजीगर, आदमपुर से भूपेंद्र बेनीवाल और बरवाला से छत्रपाल सिंह को टिकट दिया है। सूची के अनुसार, जवाहर लाल बावल से, प्रवेश मेहता फरीदाबाद और अबाश चंदेला तिगांव से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी ने एक बयान में कहा कि बरवाला से प्रत्याशी बनाए गए पूर्व मंत्री छत्रपाल सिंह सोमवार को भाजपा छोड़कर आप में शामिल हो गए थे। आप ने कांग्रेस के साथ सीटों के बंटवारे पर कोई सहमति न बन पाने के कारण अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया और सोमवार को 20 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर दी।

विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 12 सितंबर है। 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान पांच अक्टूबर को होगा। कांग्रेस के साथ गठबंधन के मुद्दे पर आप की हरियाणा इकाई के अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने सोमवार को कहा था, मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि हम पहले दिन से ही सभी 90 सीटों के लिए तैयारी कर रहे हैं। चुनावों के लिए बहुत ज्यादा समय नहीं बचा है, नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 12 सितंबर है इसलिए इंतजार खत्म हो गया है। आप के एक अन्य नेता संजय सिंह ने कहा था कि पार्टी पूरी ताकत से हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ेगी। इससे पहले सोमवार को, गुप्ता ने कहा था कि अगर कांग्रेस शाम तक समझौता नहीं कर पाती है तो आप सभी 90 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम जारी करेगी।

दोनों दलों के बीच बातचीत इस मुद्दे पर अटक गई कि आप कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सूत्रों के अनुसार, अरविंद केजरीवाल नीत पार्टी 10 सीट मांग रही थी जबकि कांग्रेस ने उसे केवल पांच सीटों की पेशकश की थी। कांग्रेस और आप ने दिल्ली में लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ा था।

व्हाट्सएप कॉल कर लोगों के खातों से रुपए ठगने वाले को दबोचा

पलवल। फर्जी नंबर से व्हाट्सएप कॉल कर लोगों के खातों से रुपए ठगने वाला एक आरोपी गिरफ्तार किया है। साइबर थाना पुलिस ने मामले में करवाई करते हुए मामले का खुलासा किया है।

साइबर थाना पुलिस इंचार्ज ने बताया की पुलिस को सूचना मिली की लोगों के पास फर्जी नंबर से व्हाट्सएप कॉल कर लोगों के खातों से रुपए ठगने वाला एक आरोपी पलवल के आगरा चौक पर मौजूद है और बैंक से रुपए निकलने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर जाकर छापेमारी की तो एक लड़का पुलिस को दिखाई दिया जिसने अपने पास एक काले रंग का बैग रखा हुआ था। पुलिस ने तुरंत उक्त युवक को पकड़ा।

डिलीवरी के दौरान लापरवाही बरतने पर तीन नर्स बर्खास्त

● उपायुक्त बोले, प्रशासनिक सेवा में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त

फरीदाबाद। जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने सिविल अस्पताल बादशाह खान में कार्यरत तीन नर्सों द्वारा एक महिला की गलत तरीके से डिलीवरी करने के मामले में सिविल सर्जन द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट के आधार पर तीनों को नौकरी से टर्मिनेट करने के आदेश दिए है।

सिविल अस्पताल में 25 अगस्त को तीनों नर्सों की लापरवाही के चलते एक महिला की डिलीवरी के दौरान बच्चे की पेट में ही मृत्यु हो गई थी। उपायुक्त विक्रम सिंह ने उक्त घटना के संबंध में परिजनों की शिकायत के आधार पर सिविल सर्जन को संबंधित मामले की उचित जांच करने के निर्देश दिए थे। जिसमें तीनों नर्सो पर आरोप सही पाए गए। उपायुक्त ने सिविल सर्जन की जांच रिपोर्ट के आधार पर तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। उपायुक्त ने कहा कि प्रशासनिक सेवा में किसी भी स्तर पर अधिकारी अथवा कमर्चारी की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, खासकर स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर कोई भी अधिकारी/कर्मचारी दोषी पाया जाता है तो उस पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

25 दिव्यांग विद्यार्थियों को मिलेगी छात्रवृत्ति

पलवल। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में दाखिला लेने वाले दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। इस सत्र में 25 दिव्यांग विद्यार्थियों को एपीजे अब्दुल कलाम कॉन्सेंट्रिक्स छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इस छात्रवृत्ति के लिए 12 और 13 सितंबर को विद्यार्थियों को आवेदन करना होगा। चयनित होने वाले विद्यार्थियों की शिक्षा का खर्च कॉन्सेंट्रिक्स द्वारा वहन किया जाएगा। इस योजना के लिए कॉन्सेंट्रिक्स ने करीबन एक करोड़ रुपए की घोषणा की है। विश्वविद्यालय के अकादमिक अधिष्ठाता प्रोफेसर आर एस राठौड़ ने बताया कि इस योजना की पात्रता के लिए दिव्यांग विद्यार्थियों को दो दिन का समय दिया गया है।

वह अपने संबंधित प्रमाण पत्र देकर इस छात्रवृत्ति योजना का लाभ उठा सकते हैं।

भाजपा ने दो मंत्रियों समेत सात विधायकों के टिकट काटे

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

● चार हारे हुए नेताओं को दोबारा बनाया प्रत्याशी

● दूसरी सूची में सबसे अधिक दलित चेहरे, दो मुस्लिमों को भी बनाया उम्मीदवार

भाजपा द्वारा मंगलवार को जारी की गई 21 प्रत्याशियों की दूसरी सूची में दो मंत्रियों व तीन मौजूदा विधायकों का टिकट काट दिया गया। पिहोवा से एक प्रत्याशी द्वारा टिकट वापस किए जाने के बाद आज वहां नए प्रत्याशी का ऐलान किया गया है। भाजपा अब तक 90 में से 87 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर चुकी है। भाजपा ने सिरसा, महेंद्रगढ़ तथा एनआईटी फरीदाबाद सीटों को खाली छोड़ा हुआ है।

भाजपा की पहली सूची की तरह दूसरी सूची में भी सर्वाधिक दलित चेहरे शामिल हैं। आज जारी की गई सूची में चार प्रत्याशी अनुसूचित जाति से संबंधित हैं तो तीन जाट, तीन ओबीसी, तीन राजपूत, तीन पंजाबी, दो ब्राह्मण, एक सिख तथा दो मुस्लिम जाति से संबंधित है। भाजपा ने आज की सूची में दो महिलाओं को भी टिकट दिया है।

भाजपा ने दूसरी लिस्ट में सात मौजूदा विधायकों के टिकट काटे हैं। पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो रामबिलास शर्मा की महेंद्रगढ़ सीट को दूसरी लिस्ट में भी होल्ड पर रखा है। सिरसा और फरीदाबाद एनआईटी के प्रत्याशियों का ऐलान होना अभी बाकी है। एनआईटी से कृष्णपाल गुर्जर अपने बेटे देवेंद्र चौधरी के लिए टिकट मांग रहे हैं। वहीं सिरसा की सीट हलोपा सुप्रीमो और विधायक गोपाल कांडा के चलते अभी तक पेंडिंग है।

मुख्यमंत्री ने लाडवा सीट से किया नामांकन

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल भी मौजूद रहे, रोड शो भी निकाला

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पांच अक्टूबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को लाडवा विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उनके साथ उनकी पत्नी सुमन सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल भी मौजूद रहे।

नामांकन दाखिल करने से पहले सैनी ने लाडवा विधानसभा क्षेत्र में रोड शो किया, जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थकों ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया। पार्टी नेताओं के साथ सैनी ने रोड शो के दौरान ट्रैक्टर भी चलाया। पत्रकारों से बात करते हुए खट्टर ने कहा कि भाजपा हरियाणा में तीसरी बार सरकार बनाएगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मतदाताओं ने तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने का मन बना लिया है। सैनी ने कहा कि पार्टी पहले ही 67 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है और शेष 23 उम्मीदवारों की घोषणा मंगलवार को की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस विधानसभा चुनाव में हार की ओर बढ़ रही है। इससे पहले एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने राज्य को नई दिशा दी है।

सैनी ने कहा कि उनकी सरकार ने लोगों के कल्याण के लिए कई निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा, हमने मिशन मोड में काम किया, जबकि पिछली कांग्रेस सरकार कमीशन मोड में काम करती थी। हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों के लिए पांच अक्टूबर को मतदान होगा और आठ अक्टूबर को मतगणना होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 12 सितंबर है, नामांकन पत्रों की जांच 13 सितंबर को की जाएगी और 16 सितंबर तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे।

बुजुर्ग मस्ती के साथ मना रहे हैं गणेश उत्सव

कुरुक्षेत्र। प्रेरणा वृद्धाश्रम पूरी तरह से श्री गणेश महोत्सव की भक्ति में सराबोर है। प्रतिदिन वृद्धाश्रम के बुजुर्गों द्वारा प्रथम आराध्य भगवान श्री गणेश के भजनों का गुणगान कर हैं। भजनों को सुनने के लिए दूर दूर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। प्रेरणा वृद्धाश्रम में मगलवार को संस्थापक एवं संचालक डा. जय भगवान सिंगला ने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर स्वयं भी भजन किए। इस मौके पर जितेंद्र बंसल, रामनिवास बंसल, शक्ति मोहन तायल, अशोक गोयल, नरेश शर्मा, रामकुमार वर्मा, सुमन बंसल, उमा बंसल, किरण शर्मा, दया शर्मा, गार्वी बंसल इत्यादि ने अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज करवाई। इस मौके पर प्रेरणा के सदस्यों के साथ किरण गर्ग, रेणु खुंगर, आशा सिंगला, शिल्पा सिंगला, रामलाल सिंगला इत्यादि भी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य निदेशक को इस्तीफे के बाद मिला भाजपा का टिकट

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं ने मंगलवार की सुबह अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कुछ घंटे बाद ही भाजपा ने उन्हें बावल से प्रत्याशी घोषित कर दिया। इस चुनाव के दौरान यह दूसरा अवसर है जब किसी अधिकारी ने सरकारी नौकरी से इस्तीफा दिया है। इससे पहले गुरुग्राम के भोंडसी में जेल अधीक्षक सुनील सांगवान ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। सांगवान भाजपा की टिकट पर दादरी से चुनाव लड़ रहे हैं।

इस बीच हरियाणा में स्वास्थ्य विभाग में डायरेक्टर हेल्थ सर्विसेज के पद पर कार्यरत डॉ. कृष्ण कुमार ने मंगलवार की सुबह नौकरी से इस्तीफा दे दिया हैं। डॉ. कृष्ण कुमार के रेवाड़ी जिले की बावल सीट से चुनाव लड़ने की चर्चाएं थीं।

यहां से मौजूदा विधायक और नायब सैनी सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. बनवारी लाल की टिकट कटने के आसार बने हुए थे। भाजपा ने पहली सूची में इस सीट को होल्ड पर रखा हुआ था। इस बीच मंगलवार को जारी हुई दूसरी सूची में डॉ. कृष्ण कुमार को भाजपा ने बावल सीट से प्रत्याशी की घोषित किया है।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री वीरेंद्र कुमार पुत्र श्री कली राम, खेवट खाता संख्या 1200, मु.संख्या 142, किला संख्या 4/2(1-2), 14(8-0), 17/1(4-0), 18(8-0), 19(8-0), 22/1(1-13) में से 162 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले प्लॉट के मालिक हैं, जो मौजा: भोंडसी, तहसील: सोहना, जिला: गुड़गांव, हरियाणा में स्थित है। यह हस्तांतरण विलेख(बहन से भाई) दिनांक 29.01.2019, दस्तावेज संख्या 6217 के रुप में पंजीकृत, श्रीमती रजनी पत्नी श्री अनूप सिंह के द्वारा निष्पादित है। दिनांक 28.09.2017 की मूल उपहार विलेख, दस्तावेज संख्या 2326 खो गई है और FIR हरियाणा पुलिस में दर्ज की गई है LAR No. 132270042400477 है: और इस संपत्ति को एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड (पूर्व में फुलर्टन इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड) द्वारा वित्तपोषित किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में वर्तमान से 07 दिनों के भीतर सूचित करें।
श्रीमती प्रसून लता और राहुल राज पाठक, अधिवक्ता
एसजी एसोसिएट्स (लॉ फर्म)
एफएफ18, लोटस पॉन्ड प्लाजा, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, यूपी
ईमेल:sgassociatespl@gmail.com,फोन:7011172764, 01204440300

पिहोवा से भाजपा प्रत्याशी अजराना ने टिकट लौटाया

- पाकिस्तानी सेना के साथ फोटो हुए वायरल
- पार्टी ने जयभगवान शर्मा को बनाया प्रत्याशी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

पाकिस्तानी सैनिकों के साथ फोटो वायरल होने के कारण विवादों में घिरे पिहोवा विधानसभा हलके से भाजपा प्रत्याशी कमलजीत सिंह अजराना ने आज चुनाव न लड़ने का ऐलान करते हुए टिकट लौटा दी। भाजपा ने इसके साथ ही जयभगवान शर्मा डी.डी. को पिहोवा से प्रत्याशी घोषित कर दिया है। सरदार कंवलजीत सिंह अजराना नामांकन-पत्र जमा करवाने से पहली ही चुनाव मैदान से हट गए हैं। अजराना का टिकट मिलने के बाद से ही विरोध हो रहा था।

भाजपा ने पिहोवा से मौजूदा विधायक और पूर्व खेल एवं युवा मामले राज्य मंत्री सरदार संदीप सिंह का टिकट काटकर अजराना को दिया था। पिहोवा से भाजपा टिकट के लिए आधा दर्जन से अधिक नेता दौड़ में थे। भाजपा ने सिख चेहरे पर दांव लगाते हुए, अजराना को टिकट दिया था। भाजपा के अंदरुनी सूत्रों का कहना है कि अजराना को टिकट की घोषणा के बाद हुई बगावत के बाद अंदरखाने भाजपा भी अपने फैसले पर फिर से विचार शुरू कर चुकी थी।

अजराना सिख संगठनों के माध्यम से लंबे समय से सक्रिय थे। उनके पाकिस्तान दौरे के दौरान पाकिस्तानी सैनिकों व पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ फोटो वायरल हो गए। जिसके चलते अजराना की चौतरफा घेराबंदी हो रही थी। उन्होंने कहा कि सोमवार की रात को ही उन्होंने पार्टी नेतृत्व को इस संदर्भ में बता दिया था।

अजराना ने कहा, जब मेरे जैसे छोटे कार्यकर्ता को टिकट दी तो मुझे बड़ा गर्व महसूस हुआ। भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। उन्होंने कहा, टिकट के लिए और भी कई नेता दौड़ में थे। हम सभी नई दिल्ली में मिला भी करते थे। उस समय यही बात होती थी कि टिकट चाहे किसी को भी मिले, सभी मिलकर चुनाव लड़ेंगे। लेकिन मुझे टिकट मिलने के बाद अधिकांश ने मेरा विरोध शुरू कर दिया।

सभी कार्यकर्ताओं व नेताओं को पार्टी के निर्देशों को मानना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा, कई पदाधिकारियों के अलावा सिख चेहरे भी टिकट की लाइन में थे। मैंने अपनी जिंदगी के 30 साल सिख कौम को दिए हैं। सेवा करते हुए कहीं गलती भी हो जाती है। सरदार कंवलजीत सिंह अजराना ने कहा कि मेरे पास पार्टी की टिकट है।

विनेश को अभी राजनीति में नहीं आना चाहिए था: महावीर

चंडीगढ़। महिला पहलवान विनेश फोगाट के ताऊ और जाने-माने कुश्ती कोच महावीर फोगाट ने कहा कि उनकी भतीजी को इस समय राजनीति में शामिल नहीं होना चाहिए था और 2028 के ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए था। उनकी यह टिप्पणी तब आई है जब कांग्रेस ने विनेश को पांच अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए जुलाना से उम्मीदवार बनाया है।

सार्वजनिक सूचना

[illegible] गुप्ता के पक्ष में निष्पादित पंजीकरण संख्या 9258, SR-III दिल्ली में है। उपरोक्त संपत्ति को फेड बैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के पास गिरवी होने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति/बैंक/वित्तीय संस्थान के पास उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई दावा/अधिकार, ग्रहणाधिकार, कोई आपत्ति है, तो उसे अधोहस्ताक्षरी/अधिवक्ता विशाल मेहन, ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली-110092 को इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 7 दिनों के भीतर पंजीकृत पते के तहत दस्तावेजी साक्ष्य के साथ सूचित किया जाना चाहिए। ऐसा न करने पर किसी भी दावे, ग्रहणाधिकार या आपत्ति को माफ कर दिया गया माना जाएगा।
विशाल मेहन, अधिवक्ता
ई-713, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली-110092,
मोबाइल नंबर 9811215181

Public Notice

INFORMED that my client Mrs. ZEENAT KHATOON (Mobile- 9800590387) W/o Mr. Qammruddin R/o Road No. 9, Nagmatia Colony, Gaya, Bihar, 823001 Presently at New Delhi, has debarred and disinherited her son Mr. Firoz S/o Mr. Md. Kamruddin, and his wife & children from her all types of properties movable or immovable, absolutely, completely and forever. In future, he/she/they shall not acquire, inherit, own or succeed to any type of properties of my client, in any manner. Any claim or any objection, regarding any of movable or immovable property(s), if raised, in future, by my son, his wife and/or his children, the same shall be treated and deemed as null and void, at all places, or in any Court of Law.
If someone, deals with my said son, his wife & his children, he/she/they are doing the same, entirely on his/her/ their own risks, liability and responsibility
Dated: 11-09-2024
M.N SHARMA (Advocate)
CH. NO.83 A.K. Sen Block,
SupremeCourt of India,
New Delhi-110001 (9810002003)

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that Mrs. Zeba Khan had acquired Upper Ground Floor without roof rights (Right Side), area 55 Sq. yds, Built on Property bearing no. F-66, Land area 200 sq. yds., Rect. No. 54, Killa No. 20/1, situated at Jawahar Park West Laxmi Nagar, Village Khureji Khas, Illaqa Shahdara, Delhi vide Sale Deed dt. 12.08.2024 executed by Mr. Imran S/o Mr. Ikram and Mr. Imran S/o Mr. Nasim Sabri as SPA of Mr. Rajeshwar Kumar Jain and Mr. Satender Kumar Jain. Now Mrs. Zeba Khan is the undisputed owner of the above said property.
OR
Any person / firm / institution / company having any claim or right in respect of the said Property by way of inheritance, share, sale, agreement, lease, license, gift, possession, legal heirs, partners or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of publication of this notice of his/her/their share or claim, if any, with all supporting documents at below mentioned address. After expiry of notice period, the claims, if any, of such person shall be treated null and void and also treated as waived and not binding on our client.
Ajay Kumar Giri (Advocate) H No. 25/161, Basement, Vikram Vihar, Lajpat Nagar 4, New Delhi -110024

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Sunita Devi is in process to avail LAP facility against her plot no. 11 measuring 100 sq. yds. out of khasra no. 71 and 72 at village surajpur Pargana Dadri, District Gautam Budh UP (availing loan from Shriram Housing Finance Ltd), having acquired the said property vide Sale Deed dated 23/2/2021 (Document No. 4023) executed by Kavita, she confirmed that she is not having the below documents pertaining to the property in question for that online FIR has already been lodged on dated 26/8/2024
- Original Sale Deed dated 27/6/2008 executed in favour of Kanta Devi(Document No. 7790)
- Original Sale Deed dated 15/4/2013 executed by Kanta Devi in favour of Kavita (Document no.8536)

All person's having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned.
Kamal Kant Gupta (Advocate)
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower
Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

PUBLIC NOTICE

(In case of chain title deed)

NOTICE is hereby given that one **Sh. Harpal Singh Chadha** is owner of the Left Portion (North-East Portion), without roof right, area measuring 253 Sq. Yds., built on Plot No.3/3, in Block-41, situated at Singh Sabha Road, Shakti Nagar, Delhi (hereinafter referred to "said property") vide Regd. Will dated 25.08.1981 executed by Sh. Jagat Singh in favour of **Sh. Harpal Singh Chadha** in respect of Plot No. 3/3, said property & Others movable & immoveable properties. **Sh. Harpal Singh Chadha** intends to transfer the ownership by way of Sale Deed of Entire Ground Floor of aforementioned property to **Sh. Kuldeep Sharma**. He has agreed to create mortgage in respect of the said property in favour of my/our clients IDFC FIRST Bank Limited (Branch Address: 2nd Floor, Express Building, 9-10 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi)

If any person, body, individual, institution having any claim and /or objection in respect of or against or relating to or touching upon said property or part of the property by way of sale, exchange, lease, lien, mortgage, charge, encumbrance, gift, trust, easement, maintenance, inheritance, testamentary deposition or otherwise or having in their custody any title, documents pertaining the said property shall communicate the same to the undersigned at my address within 07 days from the publication of this notice with documentary evidence in support thereof, failing which all the claim, of such person shall be considered to have been waived and or abandoned. Any objections raised after the completion of the 07 days shall not be binding upon the said property or my Client.

Place: Delhi Dated this 11th day of Sep. 2024
Sd/-
Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301. Landline(s): +910120-3101683.
e-mail: accounts@lvnorth.in

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that **Paras Arora** claims to be owner and in possession of **Prop. no. 374, Block G, Pkt-22, Sector-7, Rohini, Delhi. (herein after called the said property)** on basis of inheritance after the death of **Om Parkash Arora** by virtue of Will dated **20.01.2014** Doc. No. 200. Said Om Parkash Arora was the owner of said property by virtue of Relinquishment Deed dated 09.08.2012 regd. Doc. No. 9998 r/w Conveyance Deed dated 29.06.2010 reg. doc. No. 10218. **Paras Arora** have agreed to sell the said Property to **Ram Yadav** & said **Ram Yadav** agreed to create a mortgage in favour of our clients **IDFC First Bank Ltd, ITO Branch,** any person/s having claim against the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, lien or otherwise howsoever, are hereby intimated to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below **within 7days** from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned and our client shall proceed with the disbursement of loan and subsequent creation of mortgage in respect thereof.

Vishal Diwan (Advocate)
For Diwan and Company LLP
H. No.2 (LGF), NRI Complex New Delhi-19
Mobile No. 9818399999

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Akansha Sharda D/o Mr. Vinod Kumar Sharda Ex-wife of Mr. Hitesh Arora, R/o C-168, L.G.F, Sarvodaya Enclave, Malviya Nagar, SO South Delhi-110017, declare that I got divorce from my husband vide court Decree no./Petition No.22/662 dated 04/05/2022. Further I re-married Mr. Satya Prakash Pathak S/o Mr. Surya Narayan Pathak vide marriage certificate No.90730000182914 dated 03-01-2024. Further I have changed the name of my minor son namely Master VIHAN ARORA aged 9 years to VIHAAN SHARDA PATHAK. I also declare that the name of the father of my minor son may be known as Mr. SATYA PRAKASH PATHAK in future for all purposes. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

It is for general information that I, TAMANNA D/o SHOBIT KUMAR , R/o N-41, B-282, J J Camp Suraj park, Badli P O Samaipur Distt North West Delhi, Delhi-110042, declare that name of My father has been wrongly written as VICKY in my 10th and 12th class Documents, Pen Card No, SYDPS7412F and O.B.C certificate no 90500001190430.The actual name of my father is SHOBIT KUMAR respectively, which may be amended accordingly.
PD(734)C

It is for general information that I, SHEETAL D/o SHOBIT KUMAR , R/o N-41, B-282, J J Camp Suraj park, Badli P O Samaipur Distt North West Delhi, Delhi- 110042, declare that name of My father has been wrongly written as VICKY in my 10th and 12th class Documents, Pen Card No, SYDPS7412F and Voter card No, AFQ2632420. The actual name of my father is SHOBIT KUMAR respectively, which may be amended accordingly.
PD(732)C

I hitherto known as Sanjay Kumar Pandey S/o Jagadish Pandey, Permanent R/o Parsa Town/ Vill- Parsa, Anchal Jhanjharpur, Distt. Madhubani Bihar-847109, Present R/o House No A-37/2, Raja Vihar Badli, North West Delhi, Delhi-110042, have changed my name and shall hereafter be known as Kanchan Pandey.
PD(733)C

इंडियन ओवरसीज बैंक

कृभको, नोएडा शाखा
(पता: ए 8-10, कृभको भवन सेक्टर-1, नोएडा,
फोन नंबर: 0120-2538576 और ईमेल आईडी: iob1725@iob.in)

कब्जा नोटिस (नियम 8(1))

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (अचल संपत्तियों हेतु)

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम के प्रवर्तन इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे दिए गए विवरण के अनुसार एक डिमांड नोटिस जारी किया है, जिसमें उधारकर्ता को उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर नोटिस में उल्लिखित राशि चुकाने के लिए कहा गया है।

कर्जदार राशि का प्रतिभुगतान करने में असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार/बंधककर्ता/गारंटर्स को तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी इसमें नीचे वर्णित संपत्ति का सांकेतिक कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियम 2002 के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत दिनांकों को ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदार/बंधककर्ता/गारंटर्स तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन ओवरसीज बैंक, के प्रभार वास्ते नीचे दिए गए खाते में उल्लिखित राशियों तथा उस पर ब्याज इत्यादि सहित के अधीन होगा।

कर्जदार/बंधककर्ता/गारंटर्स का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	कर्जदार/बंधककर्ता/गारंटर्स का नाम एवं पता	अचल सम्पत्तियों का विवरण	मांग सूचना की तिथि : 19.03.2024
1	मैसर्स श्वेता सिंह, मकान नं. 731 दूसरी मंजिल, सेक्टर-1 वसुंधरा, गाजियाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, 201012 (इसके बाद 'उधारकर्ता' के रूप में संदर्भित), अविनाश, पंकज, मकान नं. 731 दूसरी मंजिल सेक्टर 1 वसुंधरा गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201012.	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि फ्लैट नं. 1/731 सर्वे सं. सेक्टर-1/सिटी या नगर सर्वे नं. -वसुंधरा, उप-जिला गाजियाबाद और जिला गाजियाबाद में पंजीकृत, चौहद्दी: उत्तर में – प्लॉट सं. 1/730 दक्षिण में – प्लॉट सं. 1/732 पूरब में – प्लॉट सं. 1/766 पश्चिम में – सड़क 6.00 मी. चौड़ी	मांग नोटिस की तिथि पर बकाया ऋण रु. 15,29,077.99 साथ में संविदात्मक दरों पर ब्याज सहित और सहमति के अनुसार शेष राशि, प्रभार कब्जे की तिथि: 05.09.2024 सांकेतिक कब्जे की तिथि पर बकाया ऋण – रु. 15,44,101.99 साथ में संविदात्मक दरों पर ब्याज सहित और सहमति के अनुसार शेष राशि, प्रभार

दिनांक: 06.09.2024
स्थान: नोएडा

हस्ता/– प्राधिकृत अधिकारी
इंडियन ओवरसीज बैंक

इंडियन ओवरसीज बैंक

सेक्टर 46–फरीदाबाद शाखा
(पता: एसीओएफ 63, सैक्टर–46 – फरीदाबाद, फरीदाबाद
फोन: 0129–2438938 और ईमेल: iob@1836@iob.in)

सांकेतिक कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु) ((नियम 8(1))

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम के प्रवर्तन इंडियन ओवरसीज बैंक, **सैक्टर–46, फरीदाबाद शाखा** के प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियो के अंतर्गत कर्जदार/बंधककर्ता/गारंटर श्री/मैसर्स
1. मैसर्स ओएसएम प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. (उधारकर्ता)
2. श्री लोकेश शर्मा (निदेशक)
3. श्री सुरेन्द्र शर्मा (निदेशक/बंधककर्ता/गारंटर)
4. श्री दिनेश शर्मा (निदेशक/गारंटर)
5. श्री मुनेश शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
6. श्रीमती पूनम शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
7. श्री अजय विक्रम सिंह (बंधककर्ता/गारंटर)
8. श्री सुशील शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
9. श्रीमती सुमन शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
10. श्री ओम प्रकाश शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
11. श्री विपिन शाडिल्य (बंधककर्ता/गारंटर)
12. श्री रमेश चंद शर्मा (गारंटर)

(इसके बाद "कर्जदार/गारंटर/बंधककर्ता" के रूप में संदर्भित) को मांग सूचना दिनांक 20-05-2024 को जारी किया था जिसमें सूचना में उल्लेखित राशि **रु. 31,20,35,423.71 (रु. इकतीस करोड़ बीस लाख पैंतीस हजार चार सौ तेईस और पैसे इकत्तर) दिनांक 17.05.2024 तक बैंक गांरटी सहित और संविदात्मक दर पर ब्याज, प्रभार इत्यादि सहित पूर्ण चुकौती की तिथि तक,** उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।

(1) कर्जदार राशि का प्रतिभुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियम 2002 के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत दिनांक **06 सितम्बर, 2024** को लिया है।

(2) विशेष रूप से कर्जदार तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन ओवरसीज बैंक, के प्रभार वास्ते **रु. 31,90,46,838.06 (रु. इकतीस करोड़ नब्बे लाख छियालीस हजार आठ सौ अड़तीस और पैसे छह) दिनांक 31.08.2024 तक अप्राप्त बैंक गांरटी सहित और संविदात्मक दर पर ब्याज और अर्जित प्रभार, लागत इत्यादि सहित** के अधीन होगा। जिसमें मांग नोटिस में उल्लिखित उपरोक्त तारीख से भुगतान की तारीख तक अनुबंध दरों और सहमति के अनुसार शेष राशि, शुल्क, लागत आदि पर ब्याज शामिल होगा, जिसमें मांग नोटिस जारी होने के बाद किए गए पुनर्भुगतान, यदि कोई हो, को घटाया जाएगा। दिनांक 31.08.2024 तक देय बकाया राशि रु. 31,90,46,838.06 **(रु. इकतीस करोड़ नब्बे लाख छियालीस हजार आठ सौ अड़तीस और पैसे छह)** जिसमें भुगतान की तिथि तक संविदात्मक दरों पर अतिरिक्त ब्याज और शेष, शुल्क आदि के साथ देय अप्राप्त बैंक गारंटी शामिल है।

(3) कर्जदार का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

औद्योगिक सम्पत्ति– प्लॉट नं. 90, सैक्टर–58, अरबन ईस्टेट, फरीदाबाद, यह सम्पत्ति श्री ओम प्रकाश शर्मा पुत्र श्री राम जी लाल शर्मा के नाम पर है।
टाईटल डीड के अनुसार सम्पत्ति का क्षेत्रफल 265 वर्ग मी.

सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि प्लॉट/फ्लैट नं. 90, सर्वे सं. 90/सिटी या टॉउन सर्वे नं./खसरा नं. उप-जिला बल्लभगढ़ और जिला फरीदाबाद (हरियाणा) के अंतर्गत पंजीकृत, चौहद्दी: उत्तर में – सड़क
दक्षिण में – अन्य की संपत्ति
पूरब में – प्लॉट सं. 89
पश्चिम में – प्लॉट सं. 91

दिनांक: 11.09.2024
स्थान: फरीदाबाद

हस्ता/– प्राधिकृत अधिकारी
इंडियन ओवरसीज बैंक

इंडियन ओवरसीज बैंक

सेक्टर 46–फरीदाबाद शाखा
(पता: एसीओएफ 63, सैक्टर–46 – फरीदाबाद, फरीदाबाद
फोन: 0129–2438938 और ईमेल: iob@1836@iob.in)

सांकेतिक कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु) ((नियम 8(1))

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम के प्रवर्तन इंडियन ओवरसीज बैंक, **सैक्टर–46, फरीदाबाद शाखा** के प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियो के अंतर्गत कर्जदार/बंधककर्ता/गारंटर श्री/मैसर्स
1. मैसर्स ओएसएम प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. (उधारकर्ता)
2. श्री लोकेश शर्मा (निदेशक)
3. श्री सुरेन्द्र शर्मा (निदेशक/बंधककर्ता/गारंटर)
4. श्री दिनेश शर्मा (निदेशक/गारंटर)
5. श्री मुनेश शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
6. श्रीमती पूनम शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
7. श्री अजय विक्रम सिंह (बंधककर्ता/गारंटर)
8. श्री सुशील शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
9. श्रीमती सुमन शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
10. श्री ओम प्रकाश शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
11. श्री विपिन शाडिल्य (बंधककर्ता/गारंटर)
12. श्री रमेश चंद शर्मा (गारंटर)

(इसके बाद "कर्जदार/गारंटर/बंधककर्ता" के रूप में संदर्भित) को मांग सूचना दिनांक 20-05-2024 को जारी किया था जिसमें सूचना में उल्लेखित राशि **रु. 31,20,35,423.71 (रु. इकतीस करोड़ बीस लाख पैंतीस हजार चार सौ तेईस और पैसे इकत्तर) दिनांक 17.05.2024 तक बैंक गांरटी सहित और संविदात्मक दर पर ब्याज, प्रभार इत्यादि सहित पूर्ण चुकौती की तिथि तक,** उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।

(1) कर्जदार राशि का प्रतिभुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियम 2002 के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत दिनांक **06 सितम्बर, 2024** को लिया है।

(2) विशेष रूप से कर्जदार तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन ओवरसीज बैंक, के प्रभार वास्ते **रु. 31,90,46,838.06 (रु. इकतीस करोड़ नब्बे लाख छियालीस हजार आठ सौ अड़तीस और पैसे छह) दिनांक 31.08.2024 तक अप्राप्त बैंक गांरटी सहित और संविदात्मक दर पर ब्याज और अर्जित प्रभार, लागत इत्यादि सहित** के अधीन होगा। जिसमें मांग नोटिस में उल्लिखित उपरोक्त तारीख से भुगतान की तारीख तक अनुबंध दरों और सहमति के अनुसार शेष राशि, शुल्क, लागत आदि पर ब्याज शामिल होगा, जिसमें मांग नोटिस जारी होने के बाद किए गए पुनर्भुगतान, यदि कोई हो, को घटाया जाएगा। दिनांक 31.08.2024 तक देय बकाया राशि रु. 31,90,46,838.06 **(रु. इकतीस करोड़ नब्बे लाख छियालीस हजार आठ सौ अड़तीस और पैसे छह)** जिसमें भुगतान की तिथि तक संविदात्मक दरों पर अतिरिक्त ब्याज और शेष, शुल्क आदि के साथ देय अप्राप्त बैंक गारंटी शामिल है।

(3) कर्जदार का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

व्यवसायिक सम्पत्ति – ओएसएम प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का कार्यालय, प्लॉट नं. 53, प्रगति विहार– सेक्टर 59 औद्योगिक एस्टेट फरीदाबाद, यह सम्पत्ति मैसर्स ओएसएम प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लि. के नाम पर है,
टाइटल डीड के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल – 285.85 वर्ग गज

संपत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जिसमें सर्वे नं. 53/सिटी या टाउन सर्वे नं./खसरा नं. प्लॉट नं./फ्लैट नं. 53 शामिल, उप-जिला बल्लभगढ़ और जिला फरीदाबाद (हरियाणा) के अंतर्गत पंजीकृत, चौहद्दी: उत्तर में – प्लॉट नं. 52
दक्षिण में – प्लॉट नं. 54
पूरब में – अन्य की संपत्ति,
पश्चिम में – 60'' चौड़ी रोड

दिनांक: 11.09.2024
स्थान: फरीदाबाद

हस्ता/– प्राधिकृत अधिकारी
इंडियन ओवरसीज बैंक

इंडियन ओवरसीज बैंक

सेक्टर 46–फरीदाबाद शाखा
(पता: एसीओएफ 63, सैक्टर–46 – फरीदाबाद, फरीदाबाद
फोन: 0129–2438938 और ईमेल: iob@1836@iob.in)

सांकेतिक कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु) ((नियम 8(1))

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम के प्रवर्तन इंडियन ओवरसीज बैंक, **सैक्टर–46, फरीदाबाद शाखा** के प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियो के अंतर्गत कर्जदार/बंधककर्ता/गारंटर श्री/मैसर्स
1. मैसर्स ओएसएम प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. (उधारकर्ता)
2. श्री लोकेश शर्मा (निदेशक)
3. श्री सुरेन्द्र शर्मा (निदेशक/बंधककर्ता/गारंटर)
4. श्री दिनेश शर्मा (निदेशक/गारंटर)
5. श्री मुनेश शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
6. श्रीमती पूनम शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
7. श्री अजय विक्रम सिंह (बंधककर्ता/गारंटर)
8. श्री सुशील शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
9. श्रीमती सुमन शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
10. श्री ओम प्रकाश शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
11. श्री विपिन शाडिल्य (बंधककर्ता/गारंटर)
12. श्री रमेश चंद शर्मा (गारंटर)

(इसके बाद "कर्जदार/गारंटर/बंधककर्ता" के रूप में संदर्भित) को मांग सूचना दिनांक 20-05-2024 को जारी किया था जिसमें सूचना में उल्लेखित राशि **रु. 31,20,35,423.71 (रु. इकतीस करोड़ बीस लाख पैंतीस हजार चार सौ तेईस और पैसे इकत्तर) दिनांक 17.05.2024 तक बैंक गांरटी सहित और संविदात्मक दर पर ब्याज, प्रभार इत्यादि सहित पूर्ण चुकौती की तिथि तक,** उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।

(1) कर्जदार राशि का प्रतिभुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियम 2002 के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत दिनांक **06 सितम्बर, 2024** को लिया है।

(2) विशेष रूप से कर्जदार तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन ओवरसीज बैंक, के प्रभार वास्ते **रु. 31,90,46,838.06 (रु. इकतीस करोड़ नब्बे लाख छियालीस हजार आठ सौ अड़तीस और पैसे छह) दिनांक 31.08.2024 तक अप्राप्त बैंक गांरटी सहित और संविदात्मक दर पर ब्याज और अर्जित प्रभार, लागत इत्यादि सहित** के अधीन होगा। जिसमें मांग नोटिस में उल्लिखित उपरोक्त तारीख से भुगतान की तारीख तक अनुबंध दरों और सहमति के अनुसार शेष राशि, शुल्क, लागत आदि पर ब्याज शामिल होगा, जिसमें मांग नोटिस जारी होने के बाद किए गए पुनर्भुगतान, यदि कोई हो, को घटाया जाएगा। दिनांक 31.08.2024 तक देय बकाया राशि रु. 31,90,46,838.06 **(रु. इकतीस करोड़ नब्बे लाख छियालीस हजार आठ सौ अड़तीस और पैसे छह)** जिसमें भुगतान की तिथि तक संविदात्मक दरों पर अतिरिक्त ब्याज और शेष, शुल्क आदि के साथ देय अप्राप्त बैंक गारंटी शामिल है।

(3) कर्जदार का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

रिहायशी सम्पत्ति – फ्लैट नं. 602, छठी मंजिल, रियाल्टो टॉवर, ब्लॉक नं. 8, ओमेक्स हाइट्स, सैक्टर –86, फरीदाबाद, यह सम्पत्ति श्री सुरेंद्र शर्मा पुत्र श्री रमेश चंद शर्मा के नाम पर है।
टाइटल डीड के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल – 145.11 वर्ग मी.

सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि प्लॉट/फ्लैट नं. 602, छठी मंजिल, सर्वे सं. 602, छठी मंजिल/सिटी या टॉउन, सर्वे नं./खसरा नं. उप-जिला फरीदाबाद और जिला फरीदाबाद (हरियाणा) के अंतर्गत पंजीकृत,
चौहद्दी: उत्तर में – अन्य का फ्लैट
दक्षिण में – खुला स्थान
पूरब में – कॉरिडोर
पश्चिम में – खुला स्थान

दिनांक: 11.09.2024
स्थान: फरीदाबाद

हस्ता/– प्राधिकृत अधिकारी
इंडियन ओवरसीज बैंक

इंडियन ओवरसीज बैंक

सेक्टर 46–फरीदाबाद शाखा
(पता: एसीओएफ 63, सैक्टर–46 – फरीदाबाद, फरीदाबाद
फोन: 0129–2438938 और ईमेल: iob@1836@iob.in)

सांकेतिक कब्जा सूचना
(अचल संपत्ति हेतु) ((नियम 8(1))

जबकि
अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम के प्रवर्तन इंडियन ओवरसीज बैंक, **सैक्टर–46, फरीदाबाद शाखा** के प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियो के अंतर्गत कर्जदार/बंधककर्ता/गारंटर श्री/मैसर्स
1. मैसर्स ओएसएम प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. (उधारकर्ता)
2. श्री लोकेश शर्मा (निदेशक)
3. श्री सुरेन्द्र शर्मा (निदेशक/बंधककर्ता/गारंटर)
4. श्री दिनेश शर्मा (निदेशक/गारंटर)
5. श्री मुनेश शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
6. श्रीमती पूनम शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
7. श्री अजय विक्रम सिंह (बंधककर्ता/गारंटर)
8. श्री सुशील शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
9. श्रीमती सुमन शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
10. श्री ओम प्रकाश शर्मा (बंधककर्ता/गारंटर)
11. श्री विपिन शाडिल्य (बंधककर्ता/गारंटर)
12. श्री रमेश चंद शर्मा (गारंटर)

(इसके बाद "कर्जदार/गारंटर/बंधककर्ता" के रूप में संदर्भित) को मांग सूचना दिनांक 20-05-2024 को जारी किया था जिसमें सूचना में उल्लेखित राशि **रु. 31,20,35,423.71 (रु. इकतीस करोड़ बीस लाख पैंतीस हजार चार सौ तेईस और पैसे इकत्तर) दिनांक 17.05.2024 तक बैंक गांरटी सहित और संविदात्मक दर पर ब्याज, प्रभार इत्यादि सहित पूर्ण चुकौती की तिथि तक,** उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर प्रति भुगतान करने को कहा गया था।

(1) कर्जदार राशि का प्रतिभुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी इंडियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियम 2002 के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत दिनांक **06 सितम्बर, 2024** को लिया है।

(2) विशेष रूप से कर्जदार तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन-देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन इंडियन ओवरसीज बैंक, के प्रभार वास्ते **रु. 31,90,46,838.06 (रु. इकतीस करोड़ नब्बे लाख छियालीस हजार आठ सौ अड़तीस और पैसे छह) दिनांक 31.08.2024 तक अप्राप्त बैंक गांरटी सहित और संविदात्मक दर पर ब्याज और अर्जित प्रभार, लागत इत्यादि सहित** के अधीन होगा। जिसमें मांग नोटिस में उल्लिखित उपरोक्त तारीख से भुगतान की तारीख तक अनुबंध दरों और सहमति के अनुसार शेष राशि, शुल्क, लागत आदि पर ब्याज शामिल होगा, जिसमें मांग नोटिस जारी होने के बाद किए गए पुनर्भुगतान, यदि कोई हो, को घटाया जाएगा। दिनांक 31.08.2024 तक देय बकाया राशि रु. 31,90,46,838.06 **(रु. इकतीस करोड़ नब्बे लाख छियालीस हजार आठ सौ अड़तीस और पैसे छह)** जिसमें भुगतान की तिथि तक संविदात्मक दरों पर अतिरिक्त ब्याज और शेष, शुल्क आदि के साथ देय अप्राप्त बैंक गारंटी शामिल है।

(3) कर्जदार का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल संपत्ति का विवरण

रिहायशी सम्पत्ति – फ्लैट नं. 249, सैक्टर–8, फरीदाबाद, यह सम्पत्ति सुशील शर्मा पुत्र श्री राम शर्मा के नाम पर है।
टाइटल डीड के अनुसार संपत्ति का क्षेत्रफल – 366.67 वर्ग गज

सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि प्लॉट/फ्लैट नं. 602, छठी मंजिल, सर्वे सं. 602, छठी मंजिल/सिटी या टॉउन, सर्वे नं./खसरा नं. उप-जिला फरीदाबाद और जिला फरीदाबाद (हरियाणा) के अंतर्गत पंजीकृत, चौहद्दी:
उत्तर में – रोड
दक्षिण में – अन्य की सम्पत्ति
पूरब में – सम्पत्ति नं. 248
पश्चिम में – सम्पत्ति नं. 250

दिनांक: 11.09.2024
स्थान: फरीदाबाद

हस्ता/– प्राधिकृत अधिकारी
इंडियन ओवरसीज बैंक

पेरिस पैरालंपिक

भारत का शानदार प्रदर्शन

पेरिस पैरालंपिक में भारत का शानदार प्रदर्शन भारतीय पैरा एथलीटों की दृढ़ता, साहस व अदम्य भावना का प्रतीक है। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने एक बार कहा था, 'सपने वे नहीं जो नींद में देखे जाते हैं, सपने वे होते हैं जो अपने पूरे होने तक आपको जगाए रखते हैं।' पेरिस पैरालंपिक में भारतीय टीम ने इसी भावना का परिचय दिया है। अडिग प्रतिबद्धता के साथ उन्होंने यह दिखा दिया है कि अदम्य मानवीय इच्छाशक्ति से कोई भी सपना पूरा किया जा सकता है, भले ही वह चाहे जितना बड़ा हो। भारतीय पैरा-एथलीटों के प्रदर्शन ने एक बार फिर दिखा दिया है कि भारत के बेटे और बेटियों में दुनिया की सभी विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता है। अब तक की सबसे बड़ी 84 सदस्यों वाली टीम से भारत ने अभूतपूर्व ऊंचाइयां छुई हैं और दुनिया को इस देश की खेल शक्ति पर गौर करने के लिए मजबूर किया है। यह असाधारण प्रदर्शन उनके द्वारा प्राप्त मैडलों की संख्या से आगे जाता है और खेल तथा दृढ़ता की वह भावना प्रकट करता है जो असंभव प्राप्त करने के लिए शारीरिक सीमायें तोड़ती है। पेरिस में भारत को मिले मैडल प्रतिभा और कठोर परिश्रम का परिणाम हैं। विभिन्न खेलों में मैडल प्राप्त करने से राष्ट्र गौरवान्वित हुआ है तथा भावी पीढ़ियों को प्रेरणा मिली है। इनमें एथलेटिक्स, तीरंदाजी व बैडमिंटन शामिल हैं। बिना हाथों के प्रतियोगिता में भाग लेने वाली माहिर तीरंदाज शीतल देवी ने अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता व कौशल से सारी दुनिया का ध्यान खींचा है। उन्होंने महिलाओं की संयुक्त तीरंदाजी में स्वर्ण पदक जीता है।

'ट्रैक एंड फील्ड' एथलीट हमेशा भारत का मजबूत पक्ष रहे हैं और

उन्होंने रिकार्डतोड़ प्रदर्शन किया है। सुमित अंटिल ने जेवलिन थ्रो में विश्व रिकार्ड बनाया है। रीढ़ की चोट से उबरने के बाद राइफल शूटर अवनि लेखरा ने मैडल प्राप्त करने में सफलता पाई। इससे पता चलता है कि भारत परिवर्तनशील खेलों में मजबूत हो रहा है। भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन के पीछे उसकी अदम्य भावना है। हर पैरालंपिक खिलाड़ी के व्यक्तिगत साहस और दृढ़ता की अलग गाथा है, लेकिन पेरिस में ये सारी गाथायें एकसाथ मिल कर सीमायें तोड़ने के सामूहिक प्रयास में बदल गईं। विपरीत स्थिति में पशिक्षण से लेकर सामाजिक पूर्वाग्रह तोड़ कर इन एथलीटों ने दुनिया को दिखा दिया है कि सच्ची शक्ति शारीरिक क्षमताओं में न होकर मानसिक दृढ़ता में होती है। ऊंची कूद में निषाद कुमार जैसे एथलीट वित्तीय सीमाओं के बावजूद लगातार स्वयं को प्रशिक्षित करते रहे। इसी प्रकार पोलियो के कारण पैदा समस्याओं से जूझते हुए टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल ने भारतीय टीम में अंतर्निहित संघर्ष क्षमता का परिचय दिया है। पेरिस में सफलता के पीछे बेहतरीन समर्थन और इस स्वीकार्यता की भावना है जो अंतत: पैरा-एथलीटों को मिल रही है। सरकारी पहलों, कार्पोरेट स्पांसरशिप तथा खेलों में समावेशन के प्रति बढ़ती जागरूकता ने ऐसा परिवेश बनाने में केन्द्रीय भूमिका निभाई है जहां दिव्यांग खिलाड़ी भी फल फूल सकते हैं। लेकिन पेरिस में सफलता केवल मैडल जीतने के बजाय वे सीमायें तोड़ना है जो भारत में पैरा-खेल प्राप्त कर सकते हैं। मरियप्पन थंगवेलू, देवेंद्र झज्झरिया, और अन्य एथलीटों की प्रेरणादायक कहानियां यह विचार पैदा करती हैं कि दिव्यांगता कोई बाधा नहीं है। भारतीय टीम के पैरालंपिक खिलाड़ियों ने पेरिस में प्रदर्शित कर दिया है कि समावेशन, विविधता और सबके लिए अवसर पैदा करने को राष्ट्रीय स्तर पर विचार-विमर्श का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

कृषि निर्यात बढ़ाने का मार्ग

अद्यतन खाद्य प्रसंस्करण तकनीक तथा विश्व-स्तरीय गुणवत्ता मानकों का प्रयोग कर भारत अपने कृषि-निर्यात में काफी वृद्धि कर सकता है। इसके लिए प्रमुख वैश्विक फर्मों तथा एफपीओ के बीच साझेदारी विकसित करनी चाहिए।

ए.एस. मित्तल
(लेखक, उद्योग जगत से संबद्ध हैं)

खेत से खाने की मेज तक सप्लाई श्रृंखला को गति देकर, वैश्विक व भारतीय खाद्य क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा दे कर तथा खेतों पर ही खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को बढ़ावा दे कर किसानों को बेहतर मुनाफा सुनिश्चित करने के साथ ही फसल कटने के बाद होने वाले नुकसानों से बचा जा सकता है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय इस दिशा में नेतृत्वकारी भूमिका अदा करते हुए नई दिल्ली में 19-22 सितंबर तक 'वर्ड फूड इंडिया' का आयोजन कर रहा है। इसके साथ ही 2024-25 के केन्द्रीय बजट में कृषि क्षेत्र विकास के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये का प्राविधान किया गया है। इस फंडिंग के माध्यम से जलवायु समस्याओं से निपटने तथा उत्पादकता, खोज एवं प्रसंस्कृत खाद्य निर्याता को बढ़ावा देने पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा।

यह कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ाने के लिए जरूरी है जिसमें 8 प्रतिशत गिरावट आई है। यह 2022-23 में 53.52 बिलियन डालर से घट कर 2023-24 में 48.9 बिलियन डालर रह गया। 2014-23 के बीच कृषि निर्यात औसतन केवल 2 प्रतिशत वार्षिक की गति से बढ़े। उल्लेखनीय है कि पांच उत्पाद-चावल, गेंहूं, मांस, मसाले, चीनी तथ चाय-काफी का हिस्सा कुल कृषि उत्पाद निर्यात में 50 प्रतिशत से अधिक है। कभी-कभी घरेलू मांग पूरी करने तथा मुद्रास्फीति पर नियंत्रण के लिए निर्यात पर नियंत्रण लगाना पड़ता है। हमारे कृषि निर्यातों का केवल 25 प्रतिशत प्रसंस्कृत या मूल्य-संवर्धित है। पिछले दशक में इस आंकड़े में लगभग कोई परिवर्तन नहीं आया है। हालांकि, ज्यादा टेक-आधारित आपरेशनल आकार और उत्पादन क्षमता तथा विश्व बाजार में अंतरराष्ट्रीय मानक पूरा करने को देखते हुए यह काफी है।

लेकिन 111 बिलियन प्रसंस्कृत खाद्य एवं पेय पदार्थों के निर्यातक स्विटजरलैंड की 'नेस्ले' जैसी कंपनियों की सफलता को देखते हुए स्पष्ट होता है कि तकनीक और शोध के प्रयोग से क्या संभव हो सकता है। 9 बिलियन डालर टर्नओवर वाली उल्लेखनीय भारतीय घरेलू प्रसंस्कृत कृषि उत्पाद बेचने वाली 'अमूल' आपरेशनल क्षमता, उत्पादन क्षमता तथा अंतरराष्ट्रीय मानक पूरा करने के मामले में नेस्ले से बहुत पीछे है। इसके बावजूद समुचित समर्थन और दृष्टिकोण के चलते वह भी ऐसी ही सफलता प्राप्त कर सकती है। प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों का निर्यात लगभग 1 ट्रिलियन डालर वार्षिक है जिसमें 63 बिलियन डालर के साथ जर्मनी सर्वोच्च स्थान पर है। इसके बाद 58 बिलियन डालर के साथ अमेरिका, 57 बिलियन डालर के साथ नीदरलैंड, 53 बिलियन डालर के साथ चीन तथा 50 बिलियन डालर के साथ फ्रांस का स्थान है। दक्षिणपूर्व एशिया में इंडोनेशिया, मलेशिया और थाईलैंड प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों के बड़े निर्यातक हैं।

हालांकि, मूल्य संवर्धित कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने वाली कृषि-निर्यात नीति लागू होने के बाद पिछले पांच साल में भारत के मूल्य-संवर्धित निर्यात में 6.5 बिलियन डालर की वृद्धि हुई है और यह कुल 15 बिलियन डालर तक पहुंच गया है। लेकिन इसके बावजूद इससे वैश्विक रैंक में मामूली सुधार ही हुआ है और हम 21वें स्थान से ऊपर उठ कर 17वें स्थान पर पहुंच सके हैं। इस स्थिति में निश्चित रूप से सुधार हो सकता है। 2023-24 के आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत दुनिया में फलों और सब्जियों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। 300 मिलियन टन उत्पादन के साथ यह चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। लेकिन भारत में प्रसंस्करण स्तर बहुत कम है। यह फलों के लिए 4.5 प्रतिशत, सब्जियों के लिए 2.7 प्रतिशत, दूध के लिए 21.1 प्रतिशत, मांस के लिए 34.2 प्रतिशत और मछलियों के लिए 15.4 प्रतिशत है। इसकी तुलना में चीन में प्रसंस्करण 25-30 प्रतिशत तथा पश्चिमी देशों में 60-80 प्रतिशत है।

प्रसंस्करण क्षमता में इस कमी के कारण भारत में उत्पाद का काफी हिस्सा बेकार चला जाता है। अनुमान है कि देश में फसल कटाई के बाद बरबादी का स्तर पूरी सप्लाई श्रृंखला में 18 से 25 प्रतिशत के बीच है, हालांकि फलों और सब्जियों के मामले में यह लगभग 45 प्रतिशत है। नीति आयोग का अनुमान है कि फसल कटाई के बाद लगभग 90,000 करोड़ रुपये की बरबादी होती है। इस स्थिति में सुधार के लिए खेतों पर ही समुचित छंटाई और ग्रेडिंग तथा प्रसंस्करण बढ़ाने की आवश्यकता अनुभव की जाती है। कृषि प्रोत्साहनों में परिवर्तन कर किसानों को इस बात के लिए प्रेरित करना जरूरी है कि वे खेतों तथा उसके निकट बरबादी रोकने के प्रयास करें।

2020 में केन्द्र सरकार ने एक ट्रिलियन रुपये के कृषि ढांचागत फंड की घोषणा की थी ताकि कोल्ड चेन श्रृंखला तथा फसल कटाई के बाद प्रबंधन ढांचा खेतों तथा फसल संग्रह केन्द्रों पर बनाने के लिए मध्यम से दीर्घकालीन अवधि की कर्ज फाइनेंसिंग की जा सके। तमिलनाडु द्वारा हाल ही में घोषित नई खाद्य प्रसंस्करण नीति में एक कदम आगे बढ़ कर बरबादी रोकने तथा कृषि उत्पाद का मूल्य बढ़ाने के कदम उठाए गए हैं। इस नीति में कृषि उत्पादक संगठनों-एफपीओ तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता तथा केन्द्रीय योजनाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयास किए गए हैं।

लेकिन यह उल्लेखनीय है कि पंजाब ने अब तक इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है, जबकि पड़ोसी राज्य हरियाणा में प्रतिबद्ध एग्रीबिजनेस व खाद्य प्रसंस्करण नीति बनाई गई है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव स्कीम-पीएलआईएसएफआई के लिए 2021-22 से 2026-27 के बीच 10,900 करोड़ रुपये का प्राविधान किया गया है। इसका उद्देश्य वैश्विक रूप से प्रतियोगी फर्मों को भारत में उत्पाद व कृषि निर्यात क्षेत्र में आकर्षित करना है। इस योजना का लक्ष्य प्रसंस्करण क्षमता में सुधार, भारतीय ब्रांडों को मजबूत करना, विश्व बाजार में उपस्थिति बढ़ाना, रोजगार सृजन तथा किसानों की आमदनी बढ़ाना है। मई, 2024 तक पीएलएसएफआई के 90 प्रतिशत धन का प्रयोग नहीं हुआ था। सरकार ने 158 एसएमई लाभार्थियों को केवल 1,073 करोड़ रुपये दिए थे और इस प्रकार योजना का आधा समय बीत जाने के बावजूद उसका केवल 10 प्रतिशत धन प्रयोग हुआ था। इस प्रकार पैसे के बहुत कम प्रयोग से ज्यादा केन्द्रित नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता उजागर होती है।

पीएलआई योजना का लक्ष्य वैश्वक प्रतियोगिता क्षमता तथा निर्यात बढ़ाना है। इसे देखते हुए एसएमई को वैश्विक स्तर पर स्थापित 'एंकर' फर्मों के साथ संयुक्त उद्यम बनाने चाहिए। पिछले दशक में भारत ने शत प्रतिशत एफडीआई अनुमति के बाद 500 बिलियन प्रत्यक्ष विदेशी निवेश-एफडीआई प्राप्त किया। इसे देखते हुए खाद्य प्रसंस्करण को भारत का 'सनराइज़ उद्योग' समझा जाना चाहिए जो किसानों को प्रभावी रूप से लाभ दिलाने, एमएसपी के प्रति बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने तथा मूल्य-संवर्धन और उद्योग में समन्वय स्थापित करने के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। कृषि के विकास के लिए खाद्य पसंस्करण को रणनीतिक महत्व देना जरूरी है।

दुनिया की सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश देश के नाते हम धरती पर पर्यावरण दबाव का अनुभव कर रहे हैं। इसके कारण मृदा क्षरण, जैवविविधता में कमी तथा जल संकट जैसे परिस्थितिकी मुद्दे सामने आ रहे हैं। व्यापक खाद्य व्यवस्थाओं में बरबादी रोकना जलवायु परिवर्तन के हानिकारक प्रभावों से बचने के लिए बहुत जरूरी है। इससे खेतों से लेकर खाने की मेज तक खाद्य सप्लाई बेहतर करने में सहायता मिलेगी तथा हानिकारक उत्सर्जन घटेगा। खाद्य प्रसंस्करण की अद्यतन तकनीकों के प्रयोग, वैश्विक स्तर पर स्वीकृत गुणवत्ता मानकों को मंजूर करने तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच खोलने के माध्यम से यह केन्द्रित रणनीति बड़ी वैश्विक फर्मों को आकर्षित कर हमारे लक्ष्य पूरे कर सकती है।

इलेक्ट्रानिक क्षेत्र में 'एपल' इस लक्षित दृष्टिकोण की सफलता का एक माडल है। यही माडल विभिन्न उद्योगों के लिए लागू किया जाना चाहिए। खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय को समयबद्ध कार्यक्रम बना कर प्रमुख वैश्विक फर्मों के साथ कृषि उत्पादक संगठनों-एफपीओ तथा एसएमई के बीच साझेदारियों को बढ़ावा देना चाहिए।

संतुलित जीवन के लिये विश्राम जरूरी

ध्यान, गहरी सांस लेने के व्यायाम, या यहां तक कि शांत सैर करना कुछ सरल अभ्यास हैं जो मन को साफ़ करने और संज्ञानात्मक स्पष्टता को बढ़ाने में सहायता कर सकते हैं।

रचना लखपति
(लेखिका स्वतंत्र स्तम्भकार हैं)

आज की भागदौड़ भरी दुनिया में, कई लोग मानते हैं कि आराम सिर्फ रात को अच्छी नींद लेने तक ही सीमित है। यह पूरी तरह से गलत है। वास्तविक विश्राम जटिल है। शोधकर्ता समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने में छह अलग-अलग प्रकार के आराम के महत्व पर प्रकाश डालते हैं। आराम के प्रत्येक रूप को अपनाकर, व्यक्ति अधिक संतुलित और ऊर्जावान जीवन प्राप्त कर सकते हैं। हमारा दिमाग लगातार काम, सोशल मीडिया और दैनिक जिम्मेदारियों जैसे विभिन्न स्रोतों से सूचनाओं से भरा रहता है।

इस चल रही स्थिति के साथ, मन अंतत: थकान और तनाव का शिकार हो जाएगा। मन की शांति पाने के लिए, अपने दिमाग में विचारों पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करने से खुद को अलग करना महत्वपूर्ण है। ध्यान, गहरी सांस लेने के व्यायाम, या यहां तक कि शांत सैर करना कुछ सरल अभ्यास हैं जो मन को साफ़ करने और संज्ञानात्मक स्पष्टता को बढ़ाने में सहायता कर सकते हैं। नियमित रूप से ब्रेक लेने से आपके मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, आपकी रचनात्मकता को बढ़ावा मिल सकता है और निर्णय लेने की आपकी क्षमता में सुधार हो सकता है।

इसके अतिरिक्त, इसमें आपके शरीर को शारीरिक परिश्रम से उबरने के लिए पर्याप्त समय देना शामिल है। स्वाभाविक रूप से, पर्याप्त आराम करना महत्वपूर्ण है, और यह हल्की शारीरिक गतिविधियों, स्ट्रेचिंग या मांसपेशियों के तनाव को कम करने के तरीकों के साथ अच्छी तरह से पूरक है। शारीरिक आराम विभिन्न तरीकों से प्राप्त किया जा सकता है, जिसमें सोना, योग अभ्यास करना या गर्म स्नान करना शामिल है। चोट की रोकथाम, मांसपेशियों

की रिकवरी और पूरे दिन ऊर्जा के स्तर को बनाए रखना प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है। हम अक्सर एक महत्वपूर्ण पहलू को अनदेखा कर देते हैं: हमारी भावनात्मक सीमाएं। हम अपने आस-पास के लोगों की संतुष्टि सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं। भावनात्मक आराम में अपनी भावनाओं को स्वीकार करना और ईमानदारी से संबोधित करना शामिल है। जब आप थका हुआ महसूस कर रहे हों और भावनात्मक थकावट के कगार पर हों, तो अपने शरीर को सुनना और आत्म-देखभाल को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है। अपने विचारों पर करीबी दोस्तों या चिकित्सक से चर्चा करना भावनात्मक सांत्वना पाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भावनात्मक अभिभूतता को रोकने के लिए इस प्रकार का आराम आवश्यक है और आपको अपने रास्ते में आने वाली किसी भी चुनौती का ईमानदारी से जवाब देने में सक्षम बनाता है। दूसरों के साथ बातचीत करना आवश्यक है, हालाँकि यह काफी थका देने वाला हो सकता है। मात्रा से ज़्यादा गुणवत्ता के महत्व पर ज़ोर देते हुए, सामाजिक आराम में बड़ी सभाओं से दूर रहना और व्यक्तिगत भलाई पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है।

अकेले या कुछ करीबी दोस्तों के साथ समय बिताना आपको अपने सच्चे स्व के साथ एक मज़बूत संबंध बनाए रखने में मदद कर सकता है। यह एक ऐसा माहौल बनाने के बारे में है जो भीड़-भाड़ वाली जगहों पर अक्सर होने वाली उथली बातचीत के बजाय एकांत या सार्थक बातचीत को प्रोत्साहित करता है। आध्यात्मिक आराम के पल ढूंढ़ने से हम जीवन के सार और हमें संतुष्टि देने वाली चीज़ों के साथ एक गहरा संबंध फिर से स्थापित कर पाते हैं।

कुछ व्यक्तियों के लिए, इसका धार्मिक अर्थ हो सकता है, जबकि अन्य के लिए, यह प्रकृति, ध्यान और माइंडफुलनेस पर ज़्यादा केंद्रित होता है। आध्यात्मिक आराम का अनुभव करने के लिए हमेशा एक विशिष्ट दिनचर्या या अनुष्ठान की आवश्यकता नहीं होती है। यह अपने से बड़ी किसी चीज़ से गहरा संबंध महसूस करने के बारे में है, जो शांति और सद्भाव की गहरी भावना ला सकता है। हमारे आधुनिक समाज में, किसी के लिए भी स्क्रीन और नोटिफिकेशन के ज़रिए हम पर बमबारी करने वाली भारी मात्रा में जानकारी और उत्तेजनाओं से बचना दुर्लभ है। विश्राम के लिए शांतिपूर्ण वातावरण बनाने में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से दूर रहना, रोशनी कम करना और कुछ शांति का आनंद लेना शामिल है।

अपनी इंद्रियों को तरोताजा करने के लिए शांति के क्षणों को पुन: प्राप्त करें: एक अच्छी किताब पढ़ें, प्रकृति में डूब जाएं या ध्वनि की अनुपस्थिति में आनंद लें। आँखों, कानों और तंत्रिका तंत्र पर तनाव को कम करने के लिए आराम अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण है। आराम के इन छह रूपों के बीच सामंजस्य की खोज करने से आप अपने आप को व्यापक रूप से तरोताजा कर पाएँगे, जिससे आप एक संतुलित और संतोषजनक जीवन जी पाएँगे।

आप की बात

राहुल की आदत

राजनीति में विफल रहने वाले राहुल गांधी विदेशों में भारत की छवि खराब करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते हैं। वास्तव में, राहुल की मंशा भाजपा को कोसने की रहती है, लेकिन भाजपा को कोसते-कोसते वह भारत को भी कोसना प्रारंभ कर देते हैं। इस बार अपनी अमेरिका यात्रा में वह भारत को कोसते हुए चीन की तारीफ कर रहे हैं। पिछले दस वर्षों में भारत ने अर्थव्यवस्था सहित कई क्षेत्रों में तेजी से विकास किया है और चीन को कड़ी प्रतिस्पर्धा देते हुए आर्थिक क्षेत्र में उसकी कमर तोड़ी है। भारत चीन को पीछे छोड़ कर आज दुनिया की सबसे तेज प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। लेकिन यह सब राहुल गांधी को नहीं दिखाई देता है। देश की जीडीपी में निरंतर वृद्धि हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी निरंतर प्रयासरत हैं कि आने वाले वर्षों में वह देश को विश्व की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बना देंगे। राहुल गांधी यह भी भूल जाते हैं कि स्वतंत्र भारत में सर्वाधिक समय तक उन्हीं की पार्टी और परिवार ने शासन किया है। राहुल के विदेशों में दिए इस प्रकार के बयान देशवासियों को आहत करते हैं। राहुल अपने बयानों से उन अनिवासी भारतीयों को भी आहत करते हैं जिन्होंने अमेरिका की अर्थव्यवस्था बढ़ाने में व्यापक योगदान कर भारत का झंडा दुनिया में ऊंचा लहराया है।

– **रामबाबू सोनी,** इंदौर

उपद्रवियों पर लगाम

देश भर में त्यौहारों का समय चल रहा है। लेकिन कभी रतलाम तो कभी सूरत में या देश के किसी अन्य कस्बे, शहर में कतिपय उपद्रवी तत्वों द्वारा त्यौहारों की खुशहाली में विघ्न पैदा करने के प्रयास किये जा रहे हैं। इन तत्वों के खिलाफ समय रहते कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। हालांकि, पुलिस और प्रशासन समय रहते कार्रवाई कर ऐसे तत्वों पर लगाम लगाने में सफल भी रहता है। लेकिन ऐसे तत्व संक्रामक बीमारी की तरह देश में अराजकता पैदा करने को प्रोत्साहन देते हैं। ऐसे में गांवों, कस्बों और शहरों के मुहल्लों में शांति समितियां गठित करने व खुफिया पुलिस की निगरानी बढ़ाने के साथ ही सोशल मीडिया पर फैलाने वाले भड़काऊ बयानों और फर्जी वीडियो पर लगाम लगाना सबसे ज्यादा जरूरी है। हालांकि, ऐसे तत्वों में से कुछ अति-उत्साही व अराजक तत्व हो सकते हैं जो अपने अपराध के परिणाम न समझते हों। लेकिन इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि स्थानीय स्तर पर राजनीतिक या चुनावी स्वार्थों के चलते कुछ राजनेता ऐसे तत्वों का मुखौटे या हथियार की तरह प्रयोग करें। ऐसे में इन निहित स्वार्थी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई सबसे जरूरी हो जाती है।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

अफ़जल गुरु की तारीफ़

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अफ़ज़ल गुरु को फांसी की सजा नहीं देनी चाहिए थी। उनका यह बयान अत्यन्त निंदनीय है। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर अपराधी अफ़ज़ल को फांसी न देते तो क्या उसे फूलों की माला पहनाते। उमर अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि यदि जम्मू कश्मीर सरकार से पूछा जाता तो फांसी की अनुमति कतई न दी जाती। सभा जानते हैं कि अफ़ज़ल गुरु ने देश की संसद पर हमले की साजिश रची थी। लोकतंत्र के इस मंदिर की सुरक्षा करते हुए हमारे कई सैनिक शहीद हुए थे। कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला जिस तरह अफ़ज़ल गुरु की तारीफ़ कर रहे हैं वह भी एक अपराध की श्रेणी में ही आता है। सवाल है कि क्या उमर अब्दुल्ला और उनकी पार्टी नेशनल कान्फ्रेंस क्या फिर से वैसा ही जम्मू कश्मीर बनाना चाहती हैं जहां अफ़ज़ल जैसे आतंकवादी, अलगाववादी व भारत-विरोधी तत्व पैदा हो सकें। जवाब तो कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी को भी देना चाहिए कि वे उमर अब्दुल्ला के इस बयान का समर्थन करते हैं या नहीं? लेकिन राहुल गांधी अब अमेरिका में भारत-निन्दा और चीन-प्रशंसा का एजेंडा चला रहे हैं। वैसे भयभीत उमर दो सीटों से चुनाव लड़ने वाले एकमात्र कश्मीरी नेता हैं।

– **एमएम राजावत,** शाजापुर

पैरालंपिक को प्रोत्साहन

पेरिस पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन न केवल ऐतिहासिक, बल्कि अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सभी खिलाड़ियों की प्रशंसा की है। भारत ने कुल 29 मेडल जीते जिसमें साथ स्वर्ण सिल्वर और 13 ब्रोंज मेडल है तथा कुल मिलाकर उसने 18वां स्थान प्राप्त किया। पैरालंपिक में दिव्यांग खिलाड़ी दुनिया भर के खिलाड़ियों से प्रतियोगिता करते हैं, जिनमें से अनेक को बेहतर सुविधायें मिलती हैं। इसे देखते हुए भारत की उपलब्धि बेमिसाल है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों को भी इन सभी खिलाड़ियों को उचित प्रोत्साहन राशि देनी चाहिए। लेकिन विडंबना है कि जहां ओलिंपिक खिलाड़ियों को 2 करोड़ से लेकर 6 करोड़ की राशि सरकारें देती हैं, दिव्यांग खिलाड़ियों को इतनी राशि नहीं दी जा रही है। यह विसंगति दूर की जानी चाहिए। इसके साथ ही दिव्यांग खिलाड़ियों को सरकारी और निजी क्षेत्र में नौकरियां भी प्राथमिकता पर दी जानी चाहिए। जिला स्तर से दिव्यांग खिलाड़ियों को मिलने वाले प्रोत्साहन से समाज में दिव्यांगता के प्रति व्याप्त पूर्वाग्रह समाप्त करने में सहायता मिलेगी।

– **वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

पीएम मोदी ग्रेटर नोएडा में आज करेंगे सेमीकॉन इंडिया 2024 का शुभारंभ

● दुनिया भर के बायर्स और विजिटर्स लेंगे हिस्सा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ ग्रेटर नोएडा

बुधवार से ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने जा रहे सेमीकॉन इंडिया 2024 को देखते हुए मंगलवार शाम को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आयोजन स्थल इंडिया एक्सपो मार्ट का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान सीएम योगी ने प्रदर्शनी से लेकर आगंतुकों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने कार्यक्रम में पीएम मोदी की सहभागिता को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध करने के लिए भी निर्देशित किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने गौतम विश्वविद्यालय में जनप्रतिनिधि और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की।

उल्लेखनीय है कि ग्रेटर नोएडा स्थित एक्सपो मार्ट में बुधवार से सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को समर्पित प्रदर्शनी सेमीकॉन इंडिया 2024 का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे दुनिया भर के बायर्स और विजिटर्स हिस्सा लेंगे। इसका शुभारंभ स्वयं पीएम मोदी करेंगे। इसी वेन्यू पर उत्तर

सीएम योगी ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण सुरक्षा के कड़े प्रबंध करने के दिए निर्देश

प्रदेश 25 से 29 सितंबर के बीच इंटरनेशनल ट्रेड शो के दूसरे संस्करण का आयोजन करने जा रहा है।

मंगलवार शाम को सीएम योगी ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट पहुंचे। यहां पर उन्होंने प्रदर्शनी स्थल से लेकर विभिन्न स्टॉल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न सत्रों के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। अधिकारियों ने उन्हें पूरे कार्यक्रम स्थल को मैप के माध्यम से भी दिखाया। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लिए यह कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है, जिसमे दुनिया भर के उद्यमी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा की आगंतुकों को किसी तरह किंकोई समस्या नहीं होनी चाहिए, ताकि उनके सामने उत्तर प्रदेश की एक बेहतर छवि प्रस्तुत हो।

इस अवसर पर सीएम योगी के साथ मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास

वैश्विक बाजार में यूपी की बढ़ती धाक का बनेगा माध्यम

लखनऊ/ ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत योगी सरकार वैश्विक बाजार में अपनी बढ़ती धाक को और प्रशस्त करने के लिए सेमीकॉन इंडिया 2024, इलेक्ट्रॉनिका इंडिया 2024 के साथ ही प्रोडक्ट्रॉनिका इंडिया 2024 का भी आयोजन करने जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट व प्रोडक्शन के इंटरनेशनल ट्रेड फेयर के तौर पर ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 11 से 13 सितंबर के बीच यह आयोजन होने जा रहा है। कुल 35,000 स्क्वेयर मीटर क्षेत्र में अवस्थित विभिन्न पवेलियंस के माध्यम से यह आयोजन अद्भुत छटा बिखेरेगा जिसमें दुनियाभर के 589 एग्जिबिटर्स हिस्सा ले रहे हैं। इस आयोजन में भी प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के बढ़ते महत्व पर योगी सरकार का विशेष फोकस होगा और योगी सरकार प्रदेश के निवेश परक माहौल, गुड गवर्नेंस के साथ ही सेक्टर फेवरेबल पॉलिसीज के प्रमोशन को सबसे ज्यादा महत्व दे रही है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश मोबाइल विनिर्माण उद्योग में अग्रणी है और इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग में भी विशिष्ट योगदान रखता है।

सदैव स्मरणीय रहेंगे आंतरिक सुरक्षा के लिए गोविंद वल्लभ पंत के किए गए कार्यः योगी

● मुख्यमंत्री ने पंत जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अर्पित की श्रद्धांजलि

● कहा-जेल की यातना सही लेकिन आजादी के आंदोलन से कभी विचलित नहीं हुए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री और देश के गृहमंत्री रहे भारत रत्न, पंडित गोविंद वल्लभ पंत की 137वीं जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पंडित गोविंद वल्लभ पंत ने अविभाजित उत्तर प्रदेश के लिए और देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए जो कार्य किए वह सदैव स्मरणीय रहेंगे। उत्तर प्रदेश में विकास के कार्यों की आधारशिला रखने के लिए भारत के ऐसे महान सपूत की स्मृतियों को नमन करते हुए उनकी पावन जयंती पर प्रदेश सरकार और प्रदेश की जनता की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। सीएम योगी ने पंडित गोविंद वल्लभ पंत की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल अत्यंत ही यशस्वी रहा। उन्होंने कहा कि पंडित गोविंद वल्लभ पंत एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर उन्होंने अपनी अच्छी खासी प्रैक्टिस छोड़ दी और आजादी के आंदोलन से जुड़ गए। उन्होंने आंदोलन में भाग लिया, जेल की यातना सही, लेकिन आजादी के उस आंदोलन से कभी विचलित नहीं हुए।

यही कारण था कि आजादी के आंदोलन के दौरान उनके द्वारा किए गए योगदान, लगातार किए गए संघर्षों के कारण उन्हें स्वतंत्र भारत में देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का उत्तरदायित्व सौंपा गया। उन्होंने 1954 तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दीं। उस समय के उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए, जनता को बुनियादी सुविधाएं प्राप्त हों इसके लिए, शिक्षा, स्वास्थ्य और उस समय के अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर देने के लिए उन्होंने एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की, जिस पर आज का हमारा उत्तर प्रदेश आधारित है।

अलीगढ़ रेंज के आईजी व 8 जिलों के एसपी सहित 17 आईपीएस अफसर स्थानांतरित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश शासन ने मंगलवार को एक आईजी, एक डीआईजी और आठ जिलों के पुलिस कप्तानों सहित 17 आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए।

इस फेरबदल में अलीगढ़ रेंज के आईजी सलभ माथुर को हटाते हुए डीजीपी मुख्यालय में आईजी स्थापना के पद पर तैनाती प्रदान की गई है। उनके स्थान पर डीआईजी स्थापना प्रभाकर चौधरी को अलीगढ़ रेंज की कमान सौंपी गई है। इसके अलावा झांसी के एसएसपी राजेश एस को शाहजहांपुर का एसपी, 47 वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद के सेनानायक सुधा सिंह को झांसी का एसएसपी बनाया गया है। सोनभद्र के एसपी डॉ. यशवीर सिंह को रायबरेली का एसपी, उन्नाव के एसपी सिद्धार्थ शंकर मीना को डीसीपी प्रयागराज कमिश्नरेट, औरैया की एसपी चारु निगम को गाजियाबाद 47 वीं वाहिनी पीएसी का सेनानायक बनाया गया है। महोबा की एसपी अपर्णा गुप्ता को डीसीपी लखनऊ, कमिश्नरेट, शाहजहांपुर के एसपी अशोक कुमार मीना को सोनभद्र का एसपी, डीसीपी प्रयागराज दीपक कुमार को उन्नाव का एसपी, रायबरेली के एसपी अभिषेक कुमार अग्रवाल को डीसीपी आगरा कमिश्नरेट, गोरखपुर के एएसपी नगर कृष्ण कुमार को सम्भल का एसपी बनाया गया है। इसी तरह सम्भल के एसपी कुलदीप सिंह मुनावत को डीसीपी प्रयागराज, डीसीपी उत्तरी लखनऊ अभिजीत आर शंकर को औरैया का एसपी नियुक्त किया गया है। अलीगढ़ के एएसपी ग्रामीण पलाश बंसल को महोबा का एसपी, कुशीनगर के एएसपी अभिनव त्यागी को एएसपी नगर गोरखपुर, अलीगढ़ के एसीपी अमृत जैन को अलीगढ़ में ही एएसपी ग्रामीण बनाया गया है।

2027 में भाजपा का सफाया तय, यूपी में बनेगी सपा की सरकारः अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सपा मुखिया ने कहा-नोटबंदी व जीएसटी से चौपट हो गया व्यापार

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि जागरूक जनता ने 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी 37 सांसद विजयी बनाकर देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। भाजपा का चार सौ पार का नारा हवा हो गया। भाजपा की अहंकारी राजनीति पर नियंत्रण लग गया है। 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से भाजपा का सफाया होना तय है क्योंकि आगामी उपचुनाव में ही भाजपा सभी सीटें हारने जा रही है।

अखिलेश यादव ने यह बात मंगलवार को समाजवादी पार्टी मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कही। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी, यह 2024 के लोकसभा चुनाव से ही सुनिश्चित हो चुका है। भाजपा की गलत नीतियों के कारण उत्तर प्रदेश विकास के क्षेत्र में बहुत पीछे चला गया है। भाजपा सरकार ने अपने सात वर्ष के कार्यकाल में छात्र, नौजवान, व्यापारी, किसान, मजदूरों का शोषण किया है।

यादव ने कहा कि भाजपा के डीएनए में ही है कि भूल से भी किसी का भला नहीं होने पाए। नोटबंदी, जीएसटी से व्यापार चौपट हो गया। किसानों की आय दुगनी करने का वादा करके पूरा नहीं किया। भाजपा अपने कार्यकाल में एक भी यूनिट बिजली का उत्पादन न करने वाली भाजपा सरकार ने बिजली का बिल बढ़ाकर लोगों का शोषण कर रही हैं शिक्षा-स्वास्थ्य के क्षेत्र में सिर्फ घपला घोटाला ही चल रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश में महिलाओं-बच्चियों के प्रति अपराधों में सबसे ऊपर है। पुलिस हिरासत में मौते नहीं थम रही है। एनकाउण्टरों का भी रिकार्ड कायम हो गया है। थाना, तहसील स्तर पर भ्रष्टाचार चरम पर है। अन्याय, अत्याचार पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। निर्दोषों के उत्पीड़न को भाजपा अपनी उपलब्धि समझती है।

यादव ने कहा कि भाजपा ने लोकतांत्रिक व्यवस्था का चेहरा बदरंग कर दिया है अब पीडीए ही एक मात्र विकल्प है जो लोगों को खुशहाल जिंदगी दे सकता है। पीडीए ही एक मात्र राजनीतिक विकल्प है जो भाजपा की नकारात्मक राजनीति से छुटकारा दिला सकता है। समाजवादी पार्टी पीडीए की ताकत से 2027 के विधानसभा चुनाव में स्वच्छ छवि वाली सरकार बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं का आवाहन करती हैं कि घर-घर गांव-गांव जाकर मतदाताओं के साथ बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाएं।

नोएडा को 'डायनामिक सिटी' बनाने के लिए गठित होगा टास्क फोर्स

● केवल औद्योगिक ही नहीं एडवांस्ड अर्बन एमिनिटीज वाले आधुनिक शहर के तौर पर भी पहचान को किया जाएगा मजबूत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ नोएडा

योगी सरकार ने नोएडा क्षेत्र के कलेवर को बदलने के लिए एक विस्तृत रूपरेखा पर कार्य करना शुरू कर दिया है।

सीएम योगी का विजन है कि नोएडा को डायनामिक सिटी के रूप में पहचान मिले और केवल औद्योगिक ही नहीं बल्कि एडवांस्ड अर्बन एमिनिटीज वाले आधुनिक शहर के तौर पर उसकी ब्रांडिंग और मजबूत हो सके। इस क्रम में नोएडा में वाइब्रेंट कल्चरल स्पेस को चिह्नित कर उनके विकास प्रक्रिया को गति देने के लिए बाकायदा एक टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने इस क्रम में प्रक्रिया शुरू करते हुए नॉलेज पार्टनर के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है जिसके पूरा होने से टास्क फोर्स के गठन प्रक्रिया को गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि टास्क फोर्स में प्राधिकरण व जिला स्तर के विभिन्न अधिकारी भी शामिल होंगे और यह टास्क फोर्स विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर जारी कार्य की प्रोग्रेस रिपोर्ट, मॉनिटरिंग, डीटेल्स के संकलन से डाटाबेस निर्माण, निवेश के अवसर तलाशने, टूरिस्ट अट्रैक्शंस को डेवलप करने और क्षेत्र की रचनात्मकता बढ़ाने जैसे कार्यों को पूरा किया जाएगा।

नोएडा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो औद्योगिक विकास और वैश्विक व्यापार को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने कई लाभ के बावजूद, नोएडा को उभरते शहरों या 'नियोजित शहरों' से जुड़ी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में, इसकी चुनौतियों को दूर करके से एक जीवंत, आत्मनिर्भर और रहने योग्य शहरी समुदाय के तौर पर ब्रांडिंग की जाएगी जो जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि पर फोकस्ड होगा।

राज्य कर विभाग ने जीएसटीआर में संशोधन करने की सुविधा प्रदान की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश राज्य कर विभाग ने व्यापारियों के द्वारा दाखिल किए जाने वाले जीएसटीआर में संशोधन करने की सुविधा प्रदान किया है। जीएसटी व्यवस्था के अंतर्गत करदाताओं को उनके द्वारा पूर्व में दाखिल जीएसटीआर-1 रिटर्न को संशोधित किये जाने की सुविधा फॉर्म जीएसटीआर 1ए के माध्यम से प्रारंभ की गयी है। यह जानकारी राज्य कर आयुक्त नितिन बंसल ने दी। उन्होंने बताया कि फॉर्म जीएसटीआर-1ए एक करदाता द्वारा किसी कर अवधि के लिए दाखिल किए गए फॉर्म जीएसटीआर-1 का एक संशोधन रिटर्न है जिसके द्वारा किसी माह विशेष के जीएसटीआर-1 में दाखिल किए गए किसी रिकॉर्ड में हुई गलती अथवा रिपोर्ट करने से छूटे विवरण को उसी अवधि हेतु निर्धारित जीएसटीआर-1ए में संशोधित किया जा सकता है। बंसल ने बताया कि जीएसटीआर-1ए करदाता को जीएसटीआर-1 दाखिल करने की तिथि, के बाद उपलब्ध होगा। जीएसटीआर- 1ए को समान कर अवधि हेतु जीएसटीआर 3 बी दाखिल करने से पहले किसी भी समय दाखिल किया जा सकता है। फॉर्म जीएसटीआर-1ए एक वैकल्पिक सुविधा है और इसे एक विशेष कर अवधि के लिए केवल एक बार दाखिल किया जा सकता है। जीएसटीआर-1ए में किए गए बदलाव करदाता जीएसटीआर 3 बी में स्वत: दर्ज हो जाएंगे। उन्होंने उदाहरण के तौर पर बताया कि यदि अगस्त 2024 महीने के लिए करदाता द्वारा जीएसटीआर-1 दाखिल करने की तिथि 10 सितंबर 2024 निर्धारित है, यदि करदाता ने माह अगस्त 2024 के जीएसटीआर-1 में दो गलतियां की हैं और एक रिकॉर्ड की रिपोर्ट करने से चूक गया है तो अब ऐसी दशा में करदाता जीएसटीआर-1 की नियत तारीख के बाद (यानी 11 सितंबर) से अग्रतर उक्त गलत रिकॉर्ड में संशोधन कर सकेगा।

सुल्तानपुर एनकाउंटर की न्यायिक जांच के लिए अजय राय ने राज्यपाल को लिखा पत्र

लखनऊ। विगत दिनों सुल्तानपुर सर्राफा लूट कांड के आरोपी मंगेश यादव की एनकाउन्टर में मौत हो गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि सारी परिस्थितियां एन्काउन्टर के फर्जी होने की तरफ इशारा कर रही हैं और पुलिस की जांच में कई कमियां सामने आ रही हैं। उक्त घटना का संज्ञान लेते हुए अजय राय 9 सितम्बर, 2024 को स्वयं स्व. मंगेश यादव के परिजनों से मिलने उनके जौनपुर स्थित आवास पर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि जिस दौरान परिजनों से बात करके यह पता चला कि पुलिस ने 2 सितम्बर की रात मंगेश यादव को उनके घर से उठाया था और घर वालों से कहा था कि वे सुबह तक वापस आ जायेंगे। मगर 2 दिन बाद मंगेश की एन्काउन्टर में मौत हो गयी। मामले की न्यायिक जांच उच्च न्यायालय के किसी सिटिंग जज से कराने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने राज्यपाल को पत्र लिखकर आग्रह किया है।

चकबंदी कार्यों में लेटलतीफी व अनियमितता पर चार अफसर निलंबित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● कई के खिलाफ की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई

सीएम योगी के निर्देश पर चकबंदी संबंधी मामलों के निपटारे में लेटलतीफी, लापरवाही, अनियमितता पर दो चकबंदी अधिकारियों समेत चार को निलंबित कर दिया गया है। इसके साथ ही कई के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई समेत आरोप पत्र जारी किये गये हैं।

चकबंदी आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर महाराजगंज के ग्राम बैठवलिया में प्रारंभिक चकबंदी योजना तैयार करने में अनियमितता पर सहायक चकबंदी अधिकारी अखिलेश चंद्र श्रीवास्तव को निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही उप संचालक चकबंदी को अनियमितताओं को दुरुस्त करने तथा लंबित निगरानियों का ग्राम अदालत के माध्यम से शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिये गये हैं। इसी तरह बांदा के ग्राम सिलेहटा में अनियमितताओं पर चकबंदी अधिकारी शैलेन्द्र श्रीवास्तव को निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है। इसी ग्राम के संबंध में अनियमितताओं के लिए पूर्व में निलंबित सहायक चकबंदी अधिकारी अरुण नारायण सिंह के खिलाफ अतिरिक्त आरोप पत्र जारी करने और तत्कालीन चकबंदीकर्ता कामता प्रसाद, संप्रति सहायक चकबंदी अधिकारी को अनियमितता के लिए निलंबित करते हुए अनुशासनिक कार्रवाई के निर्देश दिये गये। वहीं चकबंदी लेखपाल विकास सिंह, जो पूर्व से इसी ग्राम में अनियमितताओं के लिए निलंबित हैं, उनके खिलाफ अतिरिक्त आरोप पत्र जारी करने के निर्देश दिये गये हैं। इसी तरह चकबंदी अधिकारी राणा प्रताप (जो पूर्व से ही निलम्बित हैं), उनके खिलाफ भी अतिरिक्त आरोप पत्र निर्गत करने के निर्देश दिये गये। चकबंदी आयुक्त ने बताया कि बिजनौर में चल रही चकबंदी में अनियमितता को लेकर विभिन्न गांव के किसानों ने शिकायत की थी। इस पर जिलाधिकारी की जांच रिपोर्ट के बाद निदेशालय स्तर पर समिति गठित कर जांच कराई गई। जांच में चकबंदी के दौरान अनियमितता की शिकायत सही मिलने पर तत्कालीन बंदोबस्त अधिकारी विजय कुमार, सम्प्रति बंदोबस्त अधिकारी चकबन्दी मुजफ्फरनगर को निलंबित करते हुए अनुशासनिक कार्रवाई के निर्देश दिये। साथ ही उप संचालक चकबन्दी को अनियमितताओं को दूर करने के निर्देश दिये गये। इसके अलावा गोंडा के बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी देवेंद्र सिंह को वादों के निस्तारण न करने एवं शिथिल पर्यवेक्षण पर अनुशासनिक कार्रवाई के लिए शासन को पत्र भेजा गया है। उन्होंने बताया कि लखनऊ नगर निगम के अपर नगर आयुक्त ने अपने यहां संबद्ध मीरजापुर के चकबंदी लेखपाल राजेंद्र कुमार यादव द्वारा अनियमितताओं की शिकायत की थी। इस पर सम्बद्धीकरण तत्काल प्रभाव से समाप्त करते हुए मीरजापुर के बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी को लेखपाल के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई के निर्देश दिये गये। आजमगढ़ जिलाधिकारी की आख्या के आधार पर चकबन्दी कार्यों के शिथिल पर्यवेक्षण एवं कार्य में शिथिलता के दोषी चकबन्दी अधिकारी (से.नि.) शैल राजीव कमल, सहायक चकबंदी अधिकारी (से.नि.) मोहन लाल श्रीवास्तव, राधेश्याम वर्मा, चक्रधर त्रिगुनायत और जैनेंद्र प्रताप के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई के निर्देश दिये गये। मुजफ्फरनगर में चकबंदी कार्यों में अनियमितता पर चकबन्दी अधिकारी तत्कालीन वीरेन्द्र प्रकाश सम्प्रति सहायक चकबन्दी अधिकारी के खिलाफ पिछले दस वर्ष से चल रही जांच रिपोर्ट अब तक निदेशालय को न दिये जाने पर जांच अधिकारी उप संचालक चकबंदी से स्पष्टीकरण तलब किया गया है।

राहुल गांधी के नाटक से सतर्क रहने की जरूरत : मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा मायावती ने अमेरिका में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के आरक्षण को लेकर दिए गए बयान पर निशाना साधा है। मायावती ने कहा है कि कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के षडयंत्र में है। राहुल गांधी के नाटक से सतर्क रहने की जरूरत है।

मंगलवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिखा कि केंद्र में काफी लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए कांग्रेस पार्टी की सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लागू नहीं किया और ना ही देश में जातीय जनगणना कराने वाली यह पार्टी अब इसकी आड़ में सत्ता में आने के सपने देख रही है। इनके इस नाटक से सचेत रहें, जो आगे कभी भी जातीय जनगणना नहीं करा पाएगी। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस पार्टी के सर्वेसर्वा राहुल गांधी के इस नाटक से भी सर्तक रहें, जिसमें उन्होंने विदेश में यह कहा है कि भारत जब बेहत्तर स्थिति में होगा तो हम अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी का आरक्षण खत्म कर देंगे। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस वर्षों से इनके आरक्षण को खत्म करने के षडयंत्र में लगी है। इन वर्गों के लोग कांग्रेसी नेता राहुल गांधी के दिए गए इस घातक बयान से सावधान रहें, क्योंकि यह पार्टी केन्द्र की सत्ता में आते ही अपने इस बयान की आड़ में इनका आरक्षण जरूर खत्म कर देगी। मायावती ने कहा कि ये लोग संविधान व आरक्षण बचाने का नाटक करने वाली इस पार्टी से जरूर सजग रहें जबकि सच्चाई में कांग्रेस शुरू से ही आरक्षण विरोधी सोच की रही है। केंद्र में रही इनकी सरकार में जब इनका आरक्षण का कोटा पूरा नहीं किया गया तब इस पार्टी से इनको इंसाफ ना मिलने की वजह से ही बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने कानून मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

कोविड महामारी के दौरान बंद हुई भारत नेपाल सीमा पर्यटकों के लिए खोली गई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को मिलेगी मजबूतीः जयवीर सिंह

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि भारत और नेपाल के मध्य अंतर्राष्ट्रीय सीमा को पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए खोल दी गयी है। यह अंतर्राष्ट्रीय सीमा कोविड-19 के प्रकोप के दौरान बंद कर दी गयी थी। पर्यटन के दृष्टिकोण से यह अंतर्राष्ट्रीय सीमा भारत और नेपाल के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस सीमा के खुलने से पर्यटक भारत तथा नेपाल के प्राकृतिक एवं रमणीक स्थलों का भ्रमण कर सकेंगे, इससे दोनों देशों को लाभ मिलेगा। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूती मिलेगी। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि भारत नेपाल के बीच स्थित धनगढ़ी और गौरीफंटा क्रासिंग दो वर्षों से बंद थी। गौरीफंटा-धनगढ़ी सीमा को फिर से खोला जाना प्रकृति प्रेमियों के लिए विशेष महत्व है। यह मार्ग विभिन्न परिदृश्यों तथा विविध वन्य जीवन तक सीधी पहुंच प्रदान करता है। यूपी के लखीमपुर जनपद में स्थित दुधवा राष्ट्रीय उद्यान संरक्षित वन क्षेत्र है। घने जंगलों से घिरा यह इलाका रॉयल बंगाल टाइगर के लिए सबसे उपयुक्त क्षेत्र है। हर साल बड़ी संख्या में वन्य जीव प्रेमी यहां पहुंचते हैं। यह राष्ट्रीय उद्यान नेपाल के धनगढ़ी शहर से लगा हुआ है।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि भारत की ओर से नेपाल जाने के इच्छुक पर्यटकों को बर्दिया राष्ट्रीय उद्यान खासा आकर्षित करता है। नेपाल की सैर पर जाने वालों को बर्दिया उद्यान में बाघों और एक सींग वाले गैंडों की वृहद आबादी देखने को मिलती है। शुक्ला फांटा राष्ट्रीय पार्क लुभावने दृश्य और जैव विविधता का जीता-जागता उदाहरण है। यह एशिया का दूसरा सबसे बड़ा घास का मैदान है। वहीं, नेपाल में चितवन राष्ट्रीय उद्यान, जिसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी है, पर्यटकों की पहली पसंद है। यह घने जंगलों, वन्यजीव सफारी और अद्भुत जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है। लंबे समय बाद भारत और नेपाल के पर्यटकों को एक-दूसरे देश में फिर से जाने और घूमने का अवसर मिलेगा।

नेपाल में मौजूद पर्यटन स्थल न केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग समान है, बल्कि दोनों (भारत और नेपाल) देशों के बीच आध्यात्मिक साधकों के लिए एक प्रवेश द्वार भी है। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि गौरीफंटा-धनगढ़ी अंतर्राष्ट्रीय सीमा का एक बार फिर खुलना बौद्ध पर्यटकों के लिए खुशखबरी है। यह मार्ग नेपाल से आने पर्यटकों को उत्तर प्रदेश के विभिन्न वन्य जीव अभ्यारण्यों तथा सारनाथ, कुशीनगर जैसे पवित्र बौद्ध स्थलों की यात्रा का अवसर प्रदान करता है। वहीं, बौद्ध सर्किट के अंतर्गत आने वाले डेस्टिनेशन की रोमांचक यात्रा को प्रेरित करता है।

इस द्विपक्षीय प्रवेश द्वार से निकट भविष्य में भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूती मिलेगी। दोनों देशों के आपसी संबंधों में प्रगाढ़ता के साथ प्राकृतिक और ऐतिहासिक विरासत की गहरी समझ विकसित होने की उम्मीद है।

चिंतन शिविर के बाद एक्शन शिविरः असीम अरुण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय चिंतन शिविर का समापन मंगलवार को आगरा के एक निजी होटल में हुआ। समापन सत्र में केंद्रीय मंत्री, डॉ. वीरेंद्र कुमार द्वारा केंद्र और राज्य की सामूहिक भागीदारी के माध्यम से लक्ष्य को प्राप्त करने पर बल दिया। उन्होंने समापन सत्र में विभिन्न राज्यों से हुए परामर्श एवं चिंतन के परिणामों को धरातल पर लागू कर अंतिम पायदान पर स्थित व्यक्तियों के कल्याण पर जोर दिया गया। उन्होंने छात्रवृत्ति योजनांतर्गत उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण द्वारा छात्रवृत्ति योजनांतर्गत प्रस्तुति को सार रूप में उद्धृत करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य मिल कर काम करेंगे तकनीकी कारणों से छात्रवृत्ति पाने से कोई भी छात्र वंचित न रह जाए।

बाढ़ में गुडवर्क के लिए मिली शाबाशी जिलाधिकारी ने किया सम्मानित

● एसडीएम, तहसीलदार, आरआई, लेखपाल, गोताखोर, नाविक, आपदा मित्र को मिला सम्मान

लखीमपुर खीरी। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में मंगलवार की शाम कलेक्ट्रेट सभागार में जिले में बाढ़ के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियो, वॉलिंटियर्स को प्रशस्ति पत्र वितरण कार्यक्रम हुआ। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एडीएम संजय कुमार सिंह की मौजूदगी में एसडीएम (पलिया) कार्तिकेय सिंह, तहसीलदार (धौरहरा) आदित्य विशाल, तहसील निघासन के राजस्व निरीक्षक आलोक रंजन मौर्य और लेखपाल अजय कुमार, गोताखोर, नाविक धर्मपाल और मुन्नाए आपदा मित्र अंकित कुमार राज को राहत आयुक्त की ओर से उपलब्ध कराए गए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम के अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने जनपद खीरी में भारी वर्षा व बाढ़ के दृष्टिगत पीड़ितों को राहत पहुँचाने हेतु सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने तथा राहत कार्य में विशिष्ट योगदान देने हेतु सम्मान प्राप्त करने वालों की भूरि.भूरि प्रशंसा की। कहा कि आशा ही अपितु पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप इसी प्रकार उत्कृष्ट क्षमता का परिचय देते हुए अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते रहेंगे। बताते चले कि बाढ़ प्रबंधन व राहत कार्यो में लगे अधिकारियों, कर्मचारियोंए वालन्टियर्स आदि को उनकी उत्कृष्ट सेवा के मूल्यांकन के आधार पर राहत आयुक्त की ओर से प्रशंसा पत्र भेजा गया।

मरीज लेकर जा रही एम्बुलेंस पलटी मरीज की मौत, परिजन घायल

संवाददाता। राठ(हमीरपुर)

बाइक की टक्कर से घायल हुए किसान को झांसी ले जाते एंबुलेंस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। इस हादसे में घायल किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि घायल के दो भतीजों को मामूली चोटें आई हैं। दूसरी एंबुलेंस से घायल किसान को झांसी मेडिकल कालेज ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मझगवां थाने के बकरई गांव निवासी लाखन सिंह ने बताया कि उसका छोटा भाई 50 वर्षीय महेंद्र पाल सिंह राजपूत सोमवार की शाम पैदल शौच के लिए जा रहे थे। तभी गांव से आधा किलोमीटर दूर तेज रफ्तार बाइक सवार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन.फानन में सीएचसी ले गए। जहां चिकित्सक ने मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया।

उरई से झांसी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। बताया कि 108 एंबुलेंस से भतीजे शिवकुमार रविन्द्र लेकर झांसी जा रहे थे। तभी झांसी कानपुर हाइवे के पास कैथरी गांव के पास एंबुलेंस अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे उसका भाई व भतीजे घायल हो गए। मौके पर पहुंची दूसरी एंबुलेंस ने घायलों को झांसी पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने भाई महेंद्र को मृत घोषित कर दिया। जबकि भतीजे शिवकुमारए रविन्द्र को मामूली चोटें आई हैं। मृतक के भाई ने बताया कि महेन्द्र के पास एक एकड़ जमीन थी। खेती कर परिवार का भरण.पोषण करता था। मृतक अभी अविवाहित था।

जिलाधिकारी ने की स्वच्छता ही सेवा अभियान व जिला स्वच्छता समिति की बैठक, दिये निर्देश

● इस वर्ष अभियान की थीम स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह की अध्यक्षता में स्वच्छता ही सेवा अभियान व जिला स्वच्छता समिति की बैठक मॉ मुक्तेश्वरी देवी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्वच्छता ही सेवा अभियान को लेकर विभिन्न दिशा निर्देश जिला पंचायतीराज अधिकारी व अधिशाषी अधिकारी नगर निकाय को दिये। जिलाधिकारी ने बताया कि इस वर्ष अभियान की थीम स्वच्छता ही सेवा, स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता है। यह अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलेगा। अभियान के अन्तर्गत ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में सभी सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख सड़कों, चौराहों, धार्मिक स्थलों, नगरों, गावों, वार्डों आदि में अभियान चलाकर साफसफाई, झाड़ियों की कटाई, नालियों की सफाई, एन्टीलार्वा छिड़काव किया जायेगा। अधिकारियां को निर्देश दिये कि शासन द्वारा दिये गये निर्देशों व थीमों के अनुरूप कार्ययोजना बनाकर गतिविधियॉ सम्पन्न करायीं जायें। डीएम को पंचायतीराज अधिकारी ने अवगत कराया कि अभियान के अन्तर्गत गांव में साफसफाई के साथ स्वच्छता कर्मियों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जायेगा, इसके साथ ही अच्छा कार्य करने वाले स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित भी किया जायेगा। जिलाधिकारी ने नगरीय क्षेत्रों के प्रमुख सड़कों, शौचालयों, कूड़ा कलेक्शन सेन्टर के आस.पास सफाई कराने के निर्देश दिये। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत चयनित ग्रामोंध् ग्राम पंचायतों में हुई प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि मॉडल गांव की संकल्पना के तहत जो लक्ष्य शासन द्वारा निर्धारित किया गया हैए उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जिम्मेदार अधिकारी पूरी निष्ठा के साथ कार्य करें। मॉडल गांवों में साफसफाईए ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाये।

लम्बित मामले से छुटकारा पाने का स्वर्णिम अवसर है: अनिल पंडित

पालिका कार्यालय से प्रचार वाहन को रवाना करते ईओ।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। दिनांक 14 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने एवं नागरिकों को जागरूक करनें के उददेश्य से अधिसाषी अधिकारी ने कर्मियों के साथ पालिका कार्यालय से प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना। स्थानीय नपाप में प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करनें के उपरान्त अधिसाषी अधिकारी अनिल पंडित ने कहा कि त्वारित, सस्ता, सुलभ न्याय प्रत्येक भारतीय का नैतिक अधिकार है। लोक अदालत तहसील न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय स्तर तक किसी भी न्यायालय अथवा विभागीय मामलों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित किये जाने हेतु आवेदन पत्र देकर अंतिम आदेश व निर्णय प्राप्त कर सदैव के लिये लम्बित मामले से छुटकारा पानें का स्वर्णिम अवसर है। लोक अदालत में दीवानी/फौजदारी एवं राजस्व न्यायालय में लम्बित मुकदमों के साथ प्री-लिटिगेशन, मोटर वाहन अधि. से संबंधित वाद, बिजली एवं जल के बिल सं संबन्धी शमनीय वाद, बैंक रिकबरी वाद एवं वैवाहिक विवादों का समाधान भी सुलह समझौते के माध्यम से कराया जायेगा।

महाराणा प्रताप चौराहा से जाना जाएगा जयराम नगर चौराहा

● हंगामें के बीच सम्पन्न हुई नगर पालिका बोर्ड की बैठक ● सभासदों के रखे गए प्रस्तावों को सर्वसम्मति से किया पारित

फतेहपुर। नगर पालिका बोर्ड की बैठक में मंगलवार को हंगामे के बीच कई प्रस्तावों पर मुहर लगी। शहर के जयरामनगर चौराहा को महाराणा प्रताप चौराहे के रूप में तब्दील किया जाएगा। इसके अलावा मलिन बस्ती का कायाकल्प, जलनिकासी के लिए नाला एवं पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कई वार्डों में नए नलकूप स्थापित करने के लिए सहमति बनी। नपा कार्यालय के सभागार में पालिकाध्यक्ष राजकुमार मौर्य की अध्यक्षता में बोर्ड की बैठक शुरू हुई। सभासदों द्वारा रखे गए प्रस्तावों पर सर्वसम्मति से पारित किया गया। हालांकि बैठक के दौरान कई सभासदों ने हंगामा भी किया। कई सभासदों ने वार्ड में विकास न होने तो किसी ने सफाई व्यवस्था को लेकर हंगामा किया।

सभासदों के प्रस्ताव पर तय किया गया कि नगर के सभी 34 वार्डों में 20-20 लाख के निर्माण कार्य कराए जाएंगे। वहीं 15वां वित्त आयोग से 500 स्ट्रीट लाइट में सभी सभासदों को 13-13 लाइट दिए जाने का फैसला लिया गया। अध्यक्ष के कोटे में 58 लाइट रहने का प्रस्ताव पास हुआ। राजवित्त आयोग से शहर के पत्थरकटा चौराहा से पटेल नगर चौराहे तक फुटपाथ पर इंटरलाकिंग लगाने, प्रत्येक वार्ड में पांच लाख रुपये से पेयजल व्यवस्था, जल निकासी समेत अन्य तमाम प्रस्तावों पर सर्वसम्मति से मुहर लगी।

सभासद आशुतोष सिंह ने जयराम नगर चौराहे का महाराणा प्रताप चौराहा नाम से नामकरण एवं चौराहे का निर्माण कराए जाने का प्रस्ताव रखा गया जिसमें अध्यक्ष राजकुमार मौर्य समेत सभी सभासदों ने ध्वनिमत से प्रस्ताव को स्वीकार किया गया। इसके अलावा पेयजल व्यवस्था के लिए एक से दो करोड़, जलनिकासी व्यवस्था के लिए एक से दो करोड़ के बीच कार्य कराए जाने को लेकर सहमति बनी। बोर्ड की बैठक में अधिशासी अधिकारी रविंद्र कुमार समेत सभासद विनय कुमार तिवारी, मो. आरिफ गुड्डू, विवेक सिंह, नेहा, अतीश कुमार, सुनीता, मो. साबिर, अरुण कुमार यादव, शमा बेगम, विद्या देवी, शबिया बेगम, माया पटेल, आबदा बेगम, शादाब अहमद, वसीम खां, सुनील कुमार गुप्ता, पूजा देवी, मो. अयाज, शहजाद अनवर, संजय लाला, मो. अयाज सहित अन्य वार्डो के सभासद शामिल रहे। दूषित जलापूर्ति पर हंगामा: बोर्ड की बैठक में वार्ड नम्बर 34 अहमदगंज के सभासद मो. आरिफ गुड्डू ने जलकल विभाग के जेई विजय प्रकाश के ऊपर आरोप लगाते हुए हंगामा काटा। इनका कहना रहा कि जेई के लापरवाही से अहमदगंज, मसवानी, ज्वालागंज आदि वार्डो में बालूयुक्त पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। जिससे लोगों में बीमारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है तो वहीं लोगों के घरों की मोटर खराब हो रही हैं। जिस पर अध्यक्ष ने समस्या को दूर कराने का आश्वासन दिया गया।

क्विक न्यूज

डीएम की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार फतेहगढ़ में किया गया। जनपद की रैंकिंग खराब होने पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी जताई गई। समीक्षा में चिकित्सा विभाग की एम्बुलेन्स सेवा, समाज कल्याणए पंचायती राज विभाग, कृषि विभाग, जलजीवन मिशन, बेसिक शिक्षा विभाग, लोक निर्माण विभाग, पशु चिकित्सा, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन विभाग, एनआरएलएम का कार्य अत्यंत खराब पाया गया। डीएम द्वारा सीडीओ को रैंक खराब होने के लिये जिम्मेदार अधिकारियों को चिन्हित कर उनके खिलाफकार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

मेला के पैसे नही दिये तो पत्नी ने किया आत्महत्या का प्रयास

राठ (हमीरपुर)। गांव में लगे मेला देखने के पति द्वारा रुपए न देने पर पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया है। स्वजन इलाज के लिए सीएचसी ले गए। जहां चिकित्सक ने मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया है। जरिया थाने के पथखुरी गांव निवासी बलराम ने बताया कि गांव उसके मेला लगा हुआ है। मंगलवार को उसकी पत्नी 24 वर्षीय हेमलता ने मेला देखने के लिए रुपए मांगे। जब उसने रुपए देने से मना कर दिया तो उसकी पत्नी ने कमरे में फांसी लगा ली। उसे सीएचसी ले गए। जहां चिकित्सक ने मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया है।

अलग-अलग मार्ग दुर्घटनाओं में पांच घायल, एक गंभीर

कायमगंज फर्रुखाबाद। जनपद शाहजहांपुर के थाना परौर निवासी रणबीर अपनी मां राममूर्ति व पुत्र अभी के साथ बाइक से कायमगंज आ रहा था। तभी अचानक काकर नगला के पास साइकिल सवार को बचाने में उसकी मोटरसाइकिल रपट गई। जिसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने आसपास के लोगों ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां उनका इलाज किया गया। जनपद एटा के थाना राजा के रामपुर के गांव का गढ़वा निवासी वाजिद अली बाइक से कंपिल आ रहे थे। तभी गांव समोदिया के पास बुजुर्ग अली हसन उसकी बाइक से टकरा गया। आसपास के लोगों ने दोनों को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां अली हसन को प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर हालत में लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

पति पत्नी के झगड़े में पति ने अपने पेट में घोपा चाकू

कायमगंज। थाना नवाबगंज क्षेत्र के गांव पहाड़पुर अटसैनी निवासी आशीष कुमार ;36द्ध को घायल हालत मे परिजन सीएचसी लाये जहां घायल की मां गुड्डी देवी ने बताया कि घर पर आये दिन आशीष की पत्नी स्वेता से लडाई होती है आज मंगलवार को भी पति पत्नी में किसी बात को लेकर लड़ाई हुई जिससे नाराज होकर आशीष ने गुस्से में अपने पेट में चाकू मार लिया डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज के बाद आशीष को लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

दो लोगों को सांप ने डंसा एक की हालत गंभीर

कायमगंज। अलग अलग स्थानों पर जनपद एटा के थाना अलीगंज के गांव पचपुरा निवासी विनीता देवी व कम्पिल क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर तेहईया निवासी चंद्रपाल को जहरीले सांप ने डस लिया गंभीर हालत मे परिजन सीएचसी लाये जहां डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज के बाद विनीता को लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

युवक ने पिया कीटनाशक पदार्थ हालत गंभीर

कायमगंज। क्षेत्र के गांव शिवरई मठ निवासी प्रमोद कुमार ने संदिग्ध हालत मे कीटनाशक पदार्थ पी लिया, प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टर ने उसे लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

हाईवे पर हुआ हादसा, महिला के शव पर गुजरे दर्जनों वाहन

फतेहपुर। जिले में रूह कंपा देने वाली एक घटना सामने आई है। हाईवे पार कर खेत जा रही महिला सड़क हादसे का शिकार हो गई। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस दौरान हाईवे से गुजर रहे दर्जनों वाहन शव को कुचलते हुए निकल गए। शव के बिखरे टुकड़ों से सड़क लाल हो गई। थरियांव थाना क्षेत्र के भरतपुर गांव निवासी हरिप्रसाद के कानपुर-प्रयागराज हाईवे के दूसरी तरफ खेत हैं। 46 वर्षीय पत्नी माया देवी मंगलवार को तड़के करीब 4 बजे घर से खेत जाने की बात कहकर निकली थी। इस बीच जैसे ही महिला हाईवे स्थित भरतपुर मोड़ पहुंचकर सड़क पार करने लगी। तभी तेज रफ्तार अनियंत्रित वाहन की चपेट में आ गई। माया की मौत हो गई।

संदिग्ध परिस्थितियों में हुई गर्भवती महिला की मौत, पुलिस ने शव का कराया पोस्टमॉर्टम

संडीला (हरदोई)। एक गर्भवती महिला की संदिग्ध स्थितियों में हुई मौत के बाद मृतका के परिजन ने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लौली निवासी विनोद कुमार पुत्र रामदुलारे की पुत्री किर का विवाह ग्राम छिकुलिहा थाना अतरौली निवासी सोनू पुत्र रमेश के साथ हुआ था। किरन के पिता विनोद कुमार के अनुसार कुछ समय पूर्व किरन ने उन्हें फोन कर बताया था कि ससुराल में उसका उत्पीड़न हो रहा है और उसे वहां से ले जाएं लेकिन आवश्यक कार्य में व्यस्त होने के कारण वे किरन की ससुराल नहीं पहुंच सके। इसी बीच किरन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। परिजन की तहरीर पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

महिला ने फॉसी लगाकर आत्महत्या की

रसूलाबाद कानपुर देहात। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत महिला ने घर के अंदर कुंडे में साड़ी का फंदा डालकर आत्महत्या कर ली सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। रसूलाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत मित्रसेनपुर कहिंजरी का मजरा उसरी निवासी शिवदत्त उर्फ छोटू राजपूत की पत्नी अनुराधा उम्र लगभग 23 वर्ष ने सोमवार देर रात कमरे में फांसी लगा ली मृतक महिला का पति बाहर नौकरी करने गया था। रात में जब डेढ साल की मृतक की बेटी के रोने की आवाज आई तब परिजनों को घटना की जानकारी हुई। परिजनों में कोहराम मच गया स विमला ससुर कारण व अन्य पारिवारिक जनों का हाल बेहाल हो गया। मृतक महिला के मायके में सूचना दी जानकारी होते हैं मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे। वहीं परिजनों ने डायल 112 को सूचना दी सूचना पाकर कोतवाली प्रभारी रसूलाबाद अनिल कुमार व चौकी इंचार्ज योगेश शर्मा फॉरेंसिक टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे जांच पड़ताल करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि इस मामले की अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है तहरीर मिलने व पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

समाज में व्यापारी देने वाला है मांगने वाला नही: विश्नोई

● मेधावी छात्र छात्राओ व उनके माता पिता को किया सम्मानित, किशन गुप्ता का सीए में हुआ चयन

समारोह में भाग लेते छात्र व उनके अभिभावक

कुरारा (हमीरपुर)। स्थानीय किशोरी धाम में अखिल भारतीय दृढोमर वैश्य समाज के तत्वाधान में आंचलिक प्रतिभा सम्मान मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान एवं युवक युवती परिचय सम्मलेन कार्यक्रम आयोजित किया गया। बतौर मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद व प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा सलिल विश्नोई मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। इसके बाद आए हुए आगंतुकों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इसके बाद समाज के मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान किया गया। कस्बा की विशाखा एसेजल किशन कुमार गुप्ता को सी ए में चयनित होकर नाम रोशन किया है। सुंदरम गुप्ता ने इंटर मीडिएट में अच्छे अंक प्राप्त किए हैं।कार्यक्रम संयोजक रवि गुप्ता पूर्व सभासद ने बताया पैंसठ मेधावी छात्र छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उनके माता पिता को सम्मानित किया गया है।इस अवसर पर मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद सलिल विश्नोई ने समाज के लोगो को संबोधित करते हुए कहा है। इस तरह के कार्यक्रम प्रतिवर्ष समाज के लोगो को एक साथ लाने के लिए आयोजित किए जाने चाहिए। अपने बच्चो को व्यापार में लगाए लेकिन पहले शिक्षा अति आवश्यक है।बच्चो को शिक्षा दिलाए।सभी लोग एक जुट रहे तथा गरीब भाई की सब मिलकर आर्थिक रूप से मदद करे। समाज में व्यापारी समाज की अलग पहचान है। हम लोग देने वाले है मांगने वाले नही है। सभी लोग मिलजुलकर रहे। तथा समाज की उन्नति में अपना योगदान दे। राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रजकिशोर गुप्ता सर्राफ ने भी समाज के लोगो को बच्चो की शिक्षा व व्यापार व राजनीति में भी आगे आने का आवाहन किया।पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डा रामगोपाल गुप्ता,महोबा जिला अध्यक्ष भाजपा अवधेश गुप्ता,पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा जालौन नागेंद्र गुप्ता, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा हमीरपुर ने भी संबोधन किया।

डीएम ने अफसरों संग परिषदीय विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण, परखी व्यवस्थाएं

● अनुपस्थित शिक्षक.अनुदेशक का वेतन व मानदेय रोका, अनुपस्थित होने पर हुई कार्रवाई

● सब्जीयुक्त दाल ना बनवाने पर प्रधानाध्यापक को फटकारा, स्पष्टीकरण तलब

लखीमपुर खीरी। मंगलवार सुबह डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अफसरों की टीम संग ब्लॉक नकहा अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय हरौंवा व बाजूडीह और संविलियन विद्यालय सिरैंचा सहित आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर पठन.पाठन की गुणवत्ताए साफसफाईए छात्र.छात्राओंए शिक्षकों की उपस्थिति व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान बीएसए प्रवीण तिवारीए डीपीआरओ विशाल सिंहए डीपीओ .आईसीडीएस भारत प्रसादए बीडीओ प्रदीप कुमार चौधरी मौजूद रहे।

सर्वप्रथम डीएम 08.40 बजे प्राथमिक विद्यालय हरौंवा पहुंचीए जहां उन्होंने रसोई कक्ष देखा, जहां रसोईया द्वारा दाल.चावल तैयार किया जा रहा था। सब्जीयुक्त दाल न बनाये जाने पर नाराजगी जाहिर की। पूछने पर बताया कि जब सब्जी मिल जाती है, तब डाल देते हैं। 'सब्जीयुक्त दाल न बनाए जाने पर प्रधानाध्यापक विजय प्रकाश वर्मा का स्पष्टीकरण तलब किया। निरीक्षण के दौरान बिना सूचना के सहायक अध्यापक शिल्पी अग्रवाल अनुपस्थित मिली। डीएम ने उनका वेतन रोकने के निर्देश दिए।' उन्होंने बच्चों की किताबें देखी और वाटिका पुस्तक पढ़वाकर रीडिंग स्किल भी जांची। निरीक्षण में पाया कि शिक्षकों को कक्षा व विषय आवंटित नहीं है। निर्देश दिए कि शिक्षकों को कक्षा और विषय आवंटित किया जाए।

बच्चों से संवाद के दौरान डीएम ने छात्र आदेश राज के हाथ में स्किन संबंधी दिक्कत दिखीए तत्काल चिकित्सक से इलाज कराने हेतु संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया। जाना कि स्वास्थ्य विभाग की आरबीएसके टीम कब आई थी। सीएमओ को निर्देशित किया कि आरबीएसके टीम नियमानुसार स्कूलों का विजिट अवश्य करें। डीएम ने उपस्थिति पंजिका से बच्चों की उपस्थिति का सत्यापन भी किया। इस दौरान 110 नामांकित छात्रों के सापेक्ष 70 बच्चे मौजूद मिले। इसके बाद डीएम 09.02 बजे पीएस बाजूडीह पहुंची, जहां उन्होंने रसोईकक्षा देखाए रसोईया रामप्यारी लौकी डालकर दाल तैयार करती मिली। डीएम ने रसोई कक्ष में साफसफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने को कहा। क्लास में पहुंचकर बच्चों की पुस्तक देखी। निर्देश दिए कि क्लास में जिस विषय को पढ़ाया जा रहा तो शिक्षक सुनिश्चित करें कि उस दौरान बच्चे उस विषय की किताब अवश्य खोल कर बैठे। उन्होंने बच्चों से पुस्तक भी पढ़वाई।

कक्षा चार की क्लास में शिक्षिका अर्चना सिंह मैथ्स पढ़ाती मिली। डीएम ने बच्चों से जाना कि मैथ्स की बुक सबके पास है। बच्चों ने पुस्तक के हाथ में उठाकर पुस्तक होने की पुष्टि की। बच्चों की गणित में समझ को भी जांचा, परखा। निर्देश दिए की कमजोर बच्चों को आगे बैठकर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रधानाध्यापक से जाना कि सफाई कर्मी आते हैं। जवाब मिला मैम कोई फिक्स दिन नहीं है मगर आते है।

डीएम ने किया आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण, परखी व्यवस्थाएं

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने हरौंवा व सिरैंचा विद्यालय परिसर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्री पढ़ाती मिली। उपस्थित बच्चो से रंगो की पहचान जानी। यहां नन्हें.मुन्ने विद्यार्थियों से मिलकर उन्हें खूब पढ़ने और आगे बढ़ने का आशीवाद दिया। उन्होंने बच्चों से जाना कि उन्हें फल और दूध मिलता है। जवाब मिला जी मैम। डीएम ने केंद्र की पंजिकाओ का अवलोकन कर संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकत्री से आंगनबाड़ी केंद्र में कुल नामांकित बच्चों की संख्या, हॉट कुक, नए पंजीकरण की जानकारी भी ली।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस आज, देश में हर साल बढ़ रहे आत्महत्या के मामले

बांदा। उप्र के चित्रकूट धाम मंडल में आज रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज के सीनियर उक मानसिक चिकित्सा अमरीश कुमार मिश्रा असिस्टेंट प्रोफेसर ने एक कार्यशाला करते हुए बताया राजस्थान के कोटा से 3 गुना अधिक हुए इस राज्य में सुसाइड सामने आई ये सच्चाई 18 वर्ष से कम उम्र की लड़कियां कर रहीं सुसाइड के आंकड़ों में कुछ चौंकाने वाले तथ्य भी हैंण् रिपोर्ट के अुसार 60 साल से अधिक उम्र के पुरुष और महिलाएं भी आत्महत्या कर रहीं हैं, इसमें 2022 की रिपोर्ट के अनुसार 11 हजार 712 पुरुष तो 3 हजार 627 महिलाओं ने सुसाइड किया हैण् इसी तरह से सबसे ज्यादा आत्महत्या के आंकड़ों को देखें तो 2022 में 30 से 45 वर्ष की आयु वाले पुरुष और महिला दोनों ने सुसाइड किया हैण् सामाजिक कार्यकर्ता विजय गोयल कहते हैं कि वर्ष 2022 में 42 हजार 29 पुरुष ने तो 12 हजार 317 महिलाओं ने सुसाइड किया हैण् इसके पीछे का कारण गृह क्लेश और रोजगार मानी जा सकती हैण् इतना ही नहीं 18 वर्ष से कम उम्र के सुसाइड के आंकड़ों में लड़कियों की संख्या ज्यादा है, साल 2022 में 18 साल से कम उम्र के सुसाइड के आंकड़ों में जबरदस्त उछाल आई है सबसे ज्यादा आत्महत्या के किस्से पुरुष की अपेक्षा महिलाओं में 10 गुना वृद्धि हुई है 13 साल से लेकर 17 साल के बीच की बच्चियों सबसे ज्यादा आत्महत्या कर रही है लड़के भी आत्महत्या हैं कर रहे हैं इनको समझने का प्रयास किया जा रहा है इनमें सहनशीलता खत्म हो चुकी है मिलावटी खाद्य मोबाइल का प्रचलन इंटरनेट के चलते बच्चों में पढ़ाई का प्रेशर कंप्लीट नींद ना लेना नशे की आधी हो जाना तरह के ड्रग्स इंजेक्शन इसमें स्नेक कुकिंग अफीम अल्कोहल स्मोकिंग आदि से भी डिप्रेशन को दूर करने का प्रयास किया जाता है लेकिन इससे डिप्रेशन और 10 गुना बढ़ता है। अमरीश कुमार मिश्रा ने कार्यशाला के दौरान बच्चियों को और बच्चों को तथा बुजुर्गों को बुजुर्ग महिलाओं को आत्महत्या न करने के लिए समझाया किस तरह से आप इनसे दूर रहकर आत्महत्या से बच सकते हैं।

साइबर अपराधों से निपटने के लिए एआई का उपयोग करें एजेंसियां : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को साइबर सुरक्षा एजेंसियों से आग्रह किया कि वे साइबर अपराधों से निपटने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करें। लोगों की गाढ़ी कमाई को ठगने, फर्जी खबरें फैलाने और महिलाओं व बच्चों के साथ ऑनलाइन दुर्व्यवहार करने वाले अपराधियों के अपराध करने के तौर-तरीकों की पहचान के लिए एजेंसियां एआई का सहारा लें। यहां भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक डिजिटल लेन-देन में भारत की लगभग 46 प्रतिशत या लगभग आधी भागीदारी है, जिससे इन एजेंसियों का काम चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

2018 में स्थापित आई4सी गृह मंत्रालय के अंतर्गत एक विभाग है। इसका काम देश में साइबर अपराध से संबंधित सभी मुद्दों को हल करने के लिए एक राष्ट्रीय स्तर का समन्वय केंद्र स्थापित करना है। गृह मंत्री ने कहा, मैं आपसे आग्रह करूंगा कि आप एआई का उपयोग करके अपराधियों द्वारा अपनाए गए तौर-तरीकों की पहचान करें...इससे आपको साइबर अपराधों से लड़ने के नए तरीके खोजने में मदद मिलेगी। उन्होंने कुछ आंकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि देश में इंटरनेट और साइबर पहुंच किस प्रकार बढ़ी है। शाह ने कहा, 31 मार्च तक देश में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 95 करोड़ रही, जबकि 2014 में इसी अवधि के दौरान यह संख्या 25 करोड़ थी।

साइबर अपराधों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए आई4सी द्वारा बुधवार से शुरू किए जा रहे विशेष अभियान के दौरान राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन टेलीफोन नंबर 1930 को लोकप्रिय बनाने की जरूरत है। हमें इसके (साइबर अपराध के) खिलाफ और अधिक प्रयास करने की जरूरत है... हम एक बिंदु पर पहुंच गए हैं, लेकिन लक्ष्य अभी बहुत दूर है। साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा बताते हुए शाह ने कहा कि देश की प्रगति साइबर सुरक्षा के बिना संभव नहीं है। साइबर अपराध की कोई सीमा नहीं होती और इसलिए यह जरूरी है कि सभी पक्ष मिलकर इस समस्या से निपटें। प्रौद्योगिकी के बढ़ते इस्तेमाल से कई तरह के खतरे भी पैदा हो रहे हैं। यही वजह है कि साइबर सुरक्षा अब सिर्फ डिजिटल दुनिया तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी अहम पहलू बन गई है। सरकार भारत में साइबर अपराधों से निपटने के लिए अगले पांच साल में 5,000 साइबर कमांडो को प्रशिक्षित करने और उन्हें तैयार करने की योजना बना रही है।

कर्नाटक के गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा, फिलहाल मुख्यमंत्री बदलने का सवाल ही नहीं

बेंगलुरु। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की स्थिति में कांग्रेस के कुछ नेता मुख्यमंत्री पद के लिए दावा कर सकते हैं, लेकिन इस समय मुख्यमंत्री बदलने का कोई सवाल ही नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने एमयूडीए भूखंड आवंटन मामले में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के राज्यपाल के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। इस बीच ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस नेता नेतृत्व परिवर्तन की स्थिति में मुख्यमंत्री बनने की दौड़ में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं, तथा उनमें से कई ने खुले तौर पर अपनी इच्छा व्यक्त भी की है। जब परमेश्वर से पूछा गया कि क्या पार्टी में मुख्यमंत्री पद के लिए खींचतान चल रही है, तो उन्होंने कहा, हर कोई सक्षम है, इसीलिए वे इस बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन इस समय मुख्यमंत्री बदलने का सवाल ही कहां उठता है?

कोई सरकार कानून बनाए और दूसरी उसे निरस्त कर दे तो क्या कोई अनिश्चितता नहीं होगी : न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को पंजाब सरकार से सवाल किया कि क्या तब कोई अनिश्चितता नहीं होगी जब एक सरकार किसी विवि के लिए कानून लेकर आती है और अगली सरकार उसे निरस्त कर देती है। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने यह सवाल पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई करते हुए किया जिसने खालसा विवि (निरसन) अधिनियम, 2017 को रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी थी।

पीठ ने पंजाब की ओर से पेश वकील से पूछा,"क्या तब अनिश्चितता नहीं होगी जब एक राजनीतिक दल सत्ता में आने पर विवि के लिए कानून बनाए और जब कोई अन्य राजनीतिक दल सत्ता में आए तो वह उसे (अधिनियम को) निरस्त कर दे?

पीठ ने याचिकाकर्ताओं और राज्य सरकार की ओर से पेश वकीलों की दलीलें सुनने के बाद याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। खालसा विश्वविद्यालय और खालसा कॉलेज चैरिटेबल सोसाइटी ने उच्च न्यायालय के नवंबर 2017 के फैसले को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया है। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि खालसा विश्वविद्यालय अधिनियम, 2016 के तहत खालसा विश्वविद्यालय का गठन किया गया तथा सोसायटी द्वारा पहले से चलाए जा रहे फार्मेसी कॉलेज, शिक्षा कॉलेज और महिला कॉलेज को विश्वविद्यालय में मिला दिया गया।

अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि 30 मई, 2017 को खालसा विश्वविद्यालय अधिनियम को निरस्त करने के लिए एक अध्यादेश जारी किया गया था और तत्पश्चात निरसन अधिनियम, 2017 पारित किया गया था। उच्चतम न्यायालय के समक्ष दलीलें पेश किए जाने के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने कहा कि निरसन अधिनियम "मनमाना है और पूरी कार्वाई संविधान के अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) का उल्लंघन करती है। पंजाब की ओर से पेश वकील ने कहा कि इसमें कुछ भी मनमाना नहीं है। राज्य के वकील ने कहा कि तत्कालीन राज्य सरकार ने 2016 में कानून बनाया था और 2017 में नई सरकार के सत्ता में आने के बाद उसने इस कानून को निरस्त कर दिया। शिरोमणि अकाली दल-भाजपा सरकार ने 2016 में खालसा विश्वविद्यालय अधिनियम बनाया था और कैप्टन अमरिंदर सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने इसे निरस्त कर दिया था। न तो किसी छात्र और न ही विश्वविद्यालय के किसी शिक्षक ने 2017 के अधिनियम को चुनौती दी है।

न्यायमूर्ति गौरी, चार अन्य को मद्रास हाईकोर्ट का स्थाई न्यायाधीश नियुक्त की सिफारिश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने मद्रास उच्च न्यायालय के स्थाई न्यायाधीश के तौर पर न्यायमूर्ति लक्ष्मण चंद्र विक्टोरिया गौरी और चार अन्य अतिरिक्त न्यायाधीशों के नामों की मंगलवार को सिफारिश की। पिछले साल न्यायमूर्ति गौरी की उच्च न्यायालय की अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया था। अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में उनकी नियुक्ति से पहले, बार के कई सदस्यों ने भारत के प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर उनके कथित नफरती भाषणों और भारतीय जनता पार्टी से जुड़ाव की बात कही थी। पिछले साल सात फरवरी को शीर्ष अदालत ने गौरी को मद्रास उच्च न्यायालय की अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने से रोकने के अनुरोध वाली याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि नियुक्ति के लिए कॉलेजियम द्वारा उनके नाम की सिफारिश करने से पहले एक परामर्श प्रक्रिया हुई थी।

मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बी आर गवई की तीन सदस्ईय उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने अदालत के स्थाई न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए तीन महिलाओं सहित पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों के नामों की सिफारिश करते हुए प्रस्ताव पारित किया। कॉलेजियम ने जिन पांच न्यायाधीशों के नामों को मंजूरी दी, वे हैं न्यायमूर्ति लक्ष्मण चंद्र विक्टोरिया गौरी, न्यायमूर्ति पिल्लईपक्कम बहुकुटुम्बी बालाजी, न्यायमूर्ति कंधासामी कुलंदावेलु रामकृष्णन, न्यायमूर्ति रामचंद्रन कलाईमथी और न्यायमूर्ति के. गोविंदराजन तिलाकावडी। शीर्ष अदालत के तीन न्यायाधीशों ने मद्रास उच्च न्यायालय कॉलेजियम के 29 अप्रैल, 2024 के प्रस्ताव पर गौर किया, जिसमें इन पांच अतिरिक्त न्यायाधीशों के नामों की स्थाई न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति की सिफारिश की गई थी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने सिफारिश से सहमति जताई है।

प्रस्ताव में कहा गया है, उपर्युक्त प्रस्ताव के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए, कॉलेजियम का मानना है कि अतिरिक्त न्यायाधीश (1) न्यायमूर्ति लक्ष्मण चंद्र विक्टोरिया गौरी, (2) न्यायमूर्ति पिल्लईपक्कम बहुकुटुम्बी बालाजी, (3) न्यायमूर्ति कंधासामी कुलंदावेलु रामकृष्णन, (4) न्यायमूर्ति रामचंद्रन कलाईमथी और (5) न्यायमूर्ति के. गोविंदराजन तिलाकावडी, स्थाई न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने के लिए उपयुक्त हैं। एक अन्य प्रस्ताव में, शीर्ष अदालत के तीन सदस्ईय कॉलेजियम ने मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए तीन न्यायिक अधिकारियों के नामों की भी सिफारिश की।

तेईस अप्रैल, 2024 को मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने अपने दो वरिष्ठतम सहयोगियों के परामर्श से इन न्यायिक अधिकारियों की पदोन्नति की सिफारिश की। प्रस्ताव में कहा गया, उपरोक्त के मद्देनजर, कॉलेजियम यह सिफारिश करने का संकल्प लेता है कि न्यायिक अधिकारियों (1) आर. पूर्णिमा, (2) एम. जोतिरमण और (3) डॉ. ऑगस्टीन देवदास मारिया क्लेटे, को मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया जाए। 23 अप्रैल, 2024 के प्रस्ताव में कुछ वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों की सिफारिश नहीं की गई है और उनके नामों की सिफारिश नहीं करने के लिए उच्च न्यायालय के कॉलेजियम द्वारा ठोस कारण दर्ज किए गए हैं। तीन सदस्ईय शीर्ष अदालत के कॉलेजियम ने प्रस्ताव में कहा, इसलिए, हम उन्हें नजरअंदाज करने के लिए उच्च न्यायालय कॉलेजियम से सहमत हैं।

छह वरिष्ठ अधिवक्ता एएसजी नियुक्त

नई दिल्ली। सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए छह वरिष्ठ अधिवक्ताओं को अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) नियुक्त किया है। जारी कैबिनेट की नियुक्ति समिति के आदेश के अनुसार, एएसजी की नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए की गई है। इनमें एस. द्वारकानाथ, अर्चना पाठक दवे, सत्य दर्शी संजय, बृजेंद्र चाहर, राघवेंद्र पी. शंकर और राजकुमार भास्कर ठाकरे (राजा ठाकरे) शामिल हैं। एएसजी सर्वोच्च न्यायालय तथा विभिन्न उच्च न्यायालयों में सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आदमखोर भेड़ियों के झुंड का पांचवा सदस्य पकड़ा गया, अब अल्फा की तलाश

भाषा। बहराइच

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के करीब 50 गांवों में आतंक का पर्याय बने आदमखोर भेड़ियों के झुंड में शामिल पांचवे भेड़िए को मंगलवार तड़के वन विभाग की टीम ने पकड़ लिया। अब वन विभाग को अल्फा नामक भेड़िए की तलाश है। बहराइच के प्रभागीय वन अधिकारी अजीत प्रताप सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया कि आदमखोर भेड़ियों के झुंड में शामिल एक भेड़िए को आज तड़के करीब सवा छह बजे महसी तहसील के सिसैया चूणामणि गांव के हरबख्शसिंह पुरवा से पकड़ा गया। यह मादा भेड़िया है। यह पिछले करीब डेढ़ महीने से महसी तहसील के 50 गांव में आतंक का पर्याय बने छह भेड़ियों के झुंड का पांचवां सदस्य है। सिंह ने कहा कि अब इस झुंड का आखिरी भेड़िया बचा रह गया है और वह अल्फा भेड़िया हो सकता है जिसे जल्द ही पकड़े जाने की उम्मीद है। इससे पहले, वन विभाग की टीम ने गत 29 अगस्त को झुंड में शामिल

चौथे भेड़िए को पकड़ा था। सिंह ने बताया, सोमवार शाम करीब छह बजे चक मार्ग पर हमें दो भेड़ियों के पैरों के निशान दिखे। वहीं, कौवों का झुंड भी दिखा। इसी बीच खबर आई कि पास के नथुवापुर गांव से एक पालतू बकरी गायब है। इससे यह तय हो गया था कि भेड़िए ने बकरी को उठाकर खाया है, और अब इनका जोड़ा यहीं कहीं आराम कर रहा होगा। उन्होंने कहा, यह करते-करते देर शाम हो गई। शाम या रात में अभियान संभव नहीं था, इसलिए हम जाल, पिंजरा, खाबड़ (लकड़ी के फ्रेम वाला जाल), साधारण व थर्मल ड्रोन लेकर वहीं इनके मूवमेंट के इंतजार में बैठ गए। उन्होंने बताया, मंगलवार सुबह पांच बजे हमने अभियान शुरू किया। हमने कांबिंग शुरू की, पटाखे चलाए और भेड़िए को जाल की तरफ ले जाने में कामयाब हो गए। करीब सवा छह बजे एक भेड़िया हमारे जाल में फंस गया। उसे हमने पिंजरे में कैद कर लिया। यह एक मादा भेड़िया है। उसका जोड़ीदार नर भेड़िया मौके से भाग निकला है। जो भाग निकला है, शायद वही इस झुंड का मुख्य भेड़िया अल्फा है।

इस बीच अल्फा भेड़िए के लंगड़े होने की बात से अब वन विभाग पीछे हो रहा है। सिंह ने कहा, अभियान के बीच में कहीं पर झुंड में एक लंगड़ा भेड़िया होने की बात आ गई होगी लेकिन अब तक की गतिविधियों पर गौर करें तो लंगड़े भेड़िए की थ्योरी आधार हीन लग रही है। इन दिनों धान के खेतों में पानी भरा है, ऐसे में पांव उठाकर रखने में एक पैर का दबाव अधिक हो सकता है। इसी वजह से संभवत: शुरुआत में कहीं से लंगड़े भेड़िए की बात आई होगी। उन्होंने कहा कि जब तक झुंड में शामिल आखिरी भेड़िया नहीं पकड़ लिया जाता तब तक मुश्किल खत्म नहीं होगी।

प्रदेश की प्रमुख वन संरक्षक रेनू सिंह ने पत्रकारों से कहा कि आज पकड़ी गई मादा भेड़िया को किसी चिड़ियाघर में भेजने की कोशिश की जाएगी। पकड़ी गई मादा भेड़िया आदमखोर है अथवा नहीं, इस सवाल के जवाब में सिंह ने कहा कि अवश्य ही आदमखोर होगी क्योंकि एक भेड़िए के आदमखोर होने पर पूरा झुंड ही मानवभक्षी हो जाता है। उन्होंने कहा, फिर भी वह आदमखोर है या नहीं इस सवाल पर अंतिम निष्कर्ष इसके व्यवहार को देखकर ही निकाला जा सकेगा। बहराइच की महसी तहसील के 50 गांव में आतंक का कारण बने छह भेड़ियों के झुंड को पकड़ने के लिए पिछली 17 जुलाई से ऑपरेशन भेड़िया चल रहा है। इन भेड़ियों के हमले में अब तक कम से कम छह लोगों की मौत हो चुकी है जबकि दो अन्य लोगों की मौत का कारण भी भेड़ियों का हमला ही बताया जा रहा है। हालांकि अभी इसकी पुष्टि होना बाकी है।

प्रधानमंत्री पर टिप्पणी

सर्वोच्च न्यायालय ने शशि थरूर के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर को राहत देते हुए उनकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए की गई एक कथित टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ दर्ज मानहानि के मुकदमे में एक निचली अदालत में कार्यवाही पर मंगलवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति आर माधवन की पीठ ने मामले में दिल्ली सरकार और शिकायतकर्ता एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता राजीव बब्बर को नोटिस जारी किया। थरूर को दिल्ली उच्च न्यायालय के एक आदेश के अनुसार मंगलवार को यहां एक निचली अदालत में पेश होना था। पीठ ने कहा, नोटिस जारी किया जाता है और चार सप्ताह में जवाब देने को कहा जाता है। इस बीच, आगे की कार्यवाही पर रोक लगाई जाती है।

थरूर ने उनके खिलाफ मानहानि की कार्यवाही निरस्त करने से इनकार करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ 29 अगस्त को शीर्ष न्यायालय का रुख किया था। सुनवाई के दौरान थरूर की ओर से पेश वकील मोहम्मद अली खान ने कहा कि मामले में शिकायतकर्ता को पीड़ित पक्ष नहीं कहा जा सकता और राजनीतिक दल के सदस्यों को भी पीड़ित पक्ष नहीं कहा जा सकता। खान ने कहा कि थरूर की टिप्पणी मानहानि कानून के प्रतिरक्षा खंड के तहत संरक्षित है, जो यह निर्धारित करता है कि अच्छी सोच के साथ दिया गया बयान आपराधिक नहीं है। उच्च न्यायालय ने अस्वीकार्य सीमाओं तक मानहानि के किसी मामले में पीड़ित व्यक्ति की परिभाषा का विस्तार किया है। वकील ने कहा कि थरूर ने टिप्पणी करने से छह साल पहले कारवां पत्रिका में प्रकाशित एक लेख का संदर्भ दिया था।

शीर्ष न्यायालय ने हैरानी जताई कि 2012 में यह बयान अपमानजनक नहीं था जब लेख मूल रूप से प्रकाशित हुआ था। न्यायमूर्ति रॉय ने सुनवाई के दौरान कहा, आखिरकार यह एक रूपक है। मैंने समझने की कोशिश की है। यह उस व्यक्ति (मोदी) की अजेयता को दर्शाता है। मुझे नहीं पता कि यहां किसी ने आपत्ति क्यों जताई है। उच्चतम न्यायालय उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ थरूर के याचिका पर सुनवाई करने के लिए सोमवार को राजी हो गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मानहानि की शिकायत में तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद थरूर के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर 16 अक्टूबर 2020 को रोक लगा दी थी और पक्षकारों को 10 सितंबर को निचली अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था।

थरूर के खिलाफ कार्यवाही को रद्द करने से इनकार करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा था कि प्रथम दृष्टया, प्रधानमंत्री के खिलाफ शिवलिंग पर बिच्छू जैसे आरोप घृणित एवं निंदनीय हैं। उसने कहा था कि प्रथम दृष्टया, टिप्पणी से प्रधानमंत्री, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के साथ-साथ इसके पदाधिकारियों और सदस्यों की मानहानि हुई है। निचली अदालत में लंबित मानहानि की कार्यवाही को रद्द करने का अनुरोध करने वाली थरूर की याचिका को खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा था कि न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष भारतीय दंड संहिता की धारा 500 (मानहानि के लिए दंड) के तहत उन्हें तलब करने के लिए पर्याप्त सामग्री मौजूद है।

थरूर ने निचली अदालत के 27 अप्रैल, 2019 के आदेश को निरस्त किए जाने का अनुरोध किया था। निचली अदालत ने थरूर को राजीव बब्बर द्वारा दायर आपराधिक मानहानि शिकायत पर आरोपी के रूप में तलब किया था। उन्होंने दो नवंबर, 2018 को दायर की गई शिकायत को भी रद्द करने का अनुरोध किया था। बब्बर ने थरूर के खिलाफ निचली अदालत में आपराधिक शिकायत दायर की थी और दावा किया था कि कांग्रेस नेता के बयान से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। अक्टूबर 2018 में, थरूर ने दावा किया था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक अनाम नेता ने प्रधानमंत्री मोदी की तुलना शिवलिंग पर बैठे बिच्छू से की थी।

दलित लड़की का शील भंग करने की कोशिश में तासीन और शालिम गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर के सिखेड़ा क्षेत्र में 16 वर्षीय दलित लड़की का शील भंग करने की कोशिश के आरोप में दो मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी रूपाली राव ने मंगलवार को बताया कि पीड़िता के पिता द्वारा सिखेडा पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कराए जाने के बाद सोमवार को तासीन और शालिम को गिरफ्तार किया गया। दोनों की उम्र 20 वर्ष के आसपास बताई जा रही है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि दोनों आरोपियों ने गत आठ सितंबर को नाबालिग लड़की का शील भंग करने की कोशिश की और उसके खिलाफ जातिवादी टिप्पणी भी की। राव ने बताया कि आरोपियों ने लड़की को धमकी भी दी कि वह घटना के बारे में किसी को न बताए अन्यथा उसे गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 (महिला का शील भंग करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग), 78 (पीछा करना), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और बाल यौन अपराध संरक्षण (पॉक्सो) कानून तथा एससीएसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

अधिवक्ता मोहिनी हत्याकांड के सभी छह आरोपी गिरफ्तार

भाषा। कासगंज

उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में एक महिला वकील को कथित तौर पर अगवा करने और उसकी हत्या करने के मामले में दो और अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में अब तक सभी छह आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि महिला वकील मोहिनी तोमर (40) पिछली तीन सितंबर को जिला अदालत से लापता हो गई थीं और एक दिन बाद उनका शव रेखपुर माइनर नहर से बरामद किया गया था। इस मामले में उनके पति बृजेंद्र ने छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

उन्होंने बताया कि कासगंज थाने में वकील मुस्तफा कामिल, उसके तीन बेटों असद मुस्तफा, हैदर मुस्तफा और सलमान मुस्तफा और दो सहयोगियों मनाजिर रफी तथा केशव मिश्रा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 103 (हत्या), 140 (1) (हत्या के इरादे से अपहरण या अपहरण), 62 (1) (आपराधिक साजिश) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि वकील मुस्तफा कामिल और उसके तीन बेटों को पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया गया था, जबकि दो अन्य रफी और केशव को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि कामिल और उसके दो बेटे हैदर और सलमान वकील हैं, जबकि असद अलीगढ़ में एलएलबी का छात्र है।

मोहिनी के पति बृजेंद्र के मुताबिक उनकी पत्नी को एक मुकदमे की पैरवी नहीं करने के लिए कामिल से धमकियां मिल रही थीं। पिछली तीन सितंबर को बृजेंद्र ने अपनी पत्नी को जिला न्यायालय में छोड़ दिया था, जहां से उन्हें आरोपियों ने अगवा कर लिया और बाद में उनकी हत्या कर दी। बृजेंद्र ने यह भी बताया कि उनकी पत्नी ने हत्या के एक मामले में आरोपी मनाजिर रफी की जमानत का विरोध किया था। इसमें वह पीड़ित पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रही थीं। मोहिनी की हत्या से अधिवक्ताओं के बीच आक्रोश फैल गया था और वकीलों ने न्याय की मांग करते हुए कासगंज-बरेली राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया था। वकीलों ने पीड़ित परिवार के सदस्यों के लिए एक करोड़ रुपए के मुआवजे की भी मांग की है।

पेज 1 का शेष

हरियाणा ...

पटौदी (एससी) विधायक सत्य प्रकाश और गनौर विधायक निर्मल रानी को भी टिकट नहीं दिया गया है। अमित चंद मेहता ऐलनाबाद से चुनाव लड़ेंगे, जहां से इनेलो के वरिष्ठ नेता अभय सिंह चौटालाचुनाव लड़ रहे हैं। निवर्तमान विधायक और हरियाणा भाजपा प्रमुख मोहन लाल बडोली ने स्पष्ट कर दिया कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे और इसके बजाय पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे, जिसके बाद राई विधानसभा क्षेत्र से कृष्ण गहलावत को मैदान में उतारा गया है। सत्तारूढ़ पार्टी ने गनौर, पटौदी, हथीन और होडल सीटों से मौजूदा विधायकों को भी टिकट देने से इनकार कर दिया है। असंध से योगेंद्र राणा, गनौर से देवेंद्र कौशिक और बड़ौदा से प्रदीप सांगवान को मैदान में उतारा गया है।

आईएएफ...

के अधिकारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई ह। मामले में चल रही जांच की पुष्टि करते हुए, वायु सेना अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि बडगाम पुलिस स्टेशन ने मामले की जांच के लिए संबंधित वायु सेना स्टेशन से संपर्क किया है। वायु सेना जांच में सहयोग कर रही है। महिला अधिकारी ने अपनी शिकायत में कहा कि यह घटना 31 दिसंबर, 2023 की रात को श्रीनगर के वायु सेना स्टेशन पर नए साल की पार्टी के दौरान हुई थी। महिला ने कहा कि पार्टी के बाद स्टेशन पर विंग कमांडर ने उससे पूछा कि क्या उसे उपहार मिला है। इसके जवाब में मैंने कहा कि कोई उपहार नहीं मिला है। उन्होंने मुझे अपने कमरे में आने के लिए कहा, जहां उन्होंने सभी उपहार रखे थे। वह उनके साथ उनके कमरे में चली गई। महिला अधिकारी ने विंग कमांडर पर अपने कमरे में उसका यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। पुलिस शिकायत में उसने कहा, वह इस घटना के बारे में दो महिला अधिकारियों को बताया। उन्होंने उसे शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी थी। वह इस माहौल में नई होने के कारण मानसिक सदमे में चली गई। इस हद तक शर्मिंदा और टूटी हुई थी कि रिपोर्ट करने की हिम्मत नहीं जुटा पाई। वह अविवाहित लड़की होने के मानसिक दर्द को शब्दों में बयां नहीं कर सकती, जिसने सेना में शामिल होने के बाद इस तरह के व्यवहार का सामना किया। चूंकि इस घटना और बुरे सपनों ने मुझे इस दुविधा में डाल दिया कि इस बारे में बात करूं या चुप रहूं, इसलिए आखिरकार लड़ने का फैसला किया। उसने आरोप लगाया कि उसे एओसी (एयर ऑफिसर कमांडिंग) को शिकायत दर्ज कराने में भी परेशानी हुई और एक कर्नल को घटना की जांच करने का आदेश दिया और आरोपी को उसके साथ बैठाया गया। उसने आरोप लगाया कि आंतरिक जांच को ठीक से नहीं किया गया।

जीएनएसएस...

संबंध में एक पायलट अध्ययन कर्नाटक में एनएच-275 के बेंगलुरु-मैसूर खंड और हरियाणा में एनएच-709 के पानीपत-हिसार खंड पर किया गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि कर्नाटक में एनएच-275 के बेंगलुरु-मैसूर खंड और हरियाणा में एनएच-709 के पानीपत-हिसार खंड पर जीएनएसएस आधारित उपयोगकर्ता शुल्क संग्रह प्रणाली के संबंध में एक पायलट अध्ययन किया गया है।

बारामूला....

2017 के आतंकी वित्तपोषण मामले में गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से रशीद 2019 से जेल में है। वह तिहाड़ जेल में बंद है। अदालत ने उसकी नियमित जमानत याचिका पर अपना आदेश कल तक के लिए सुरक्षित रख लिया है। रशीद का नाम कश्मीरी व्यवसाई जहूर वटाली के खिलाफ जांच के दौरान सामने आया था, जिसे एनआईए ने कश्मीर घाटी में आतंकवादी समूहों और अलगाववादियों को कथित रूप से वित्तपोषित करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। एनआईए ने इस मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक, आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद और हिजबुल मुजाहिदीन के प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन समेत कई लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। मलिक को आरोपों में दोषी ठहराए जाने के बाद 2022 में एक निचली अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

मस्जिद विवाद: हिंदू समूहों के बंद के आह्वान के बाद हिमाचल के संजौली में निषेधाज्ञा लागू

शिमला (भाषा)। संजौली इलाके में मस्जिद में अवैध निर्माण को लेकर बढ़ते तनाव और हिंदू संगठनों के बंद के आह्वान के मद्देनजर मंगलवार को निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। शिमला जिला प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की है जिसमें बिना अनुमति के पांच से अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने और लाठी, खंजर, डंडे, भाले और तलवार सहित घातक हथियार लेकर चलने पर रोक लगाने का प्रावधान है।कुछ हिंदू संगठनों ने मस्जिद में अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त करने और राज्य में आने वाले बाहरी लोगों के पंजीकरण की मांग को लेकर बुधवार को बंद का आह्वान किया था। हिंदू दक्षिणपंथी संगठनों ने बृहस्पतिवार को यहां चौड़ा मैदान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया था और संजौली क्षेत्र में स्थित अवैध मस्जिद को गिराने की मांग की थी। शिमला के जिलाधिकारी अनुपम कश्यप ने बताया कि संजौली क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की मौजूदा स्थिति तथा सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका के कारण निषेधाज्ञा लागू की गई है। आदेश में कहा गया कि सार्वजनिक रैली, बिना अनुमति के जुलूस और भूख हड़ताल, धरना, सार्वजनिक स्थानों पर नारेबाजी, सड़कों, राजमार्गों, फुटपाथ और यातायात की सामान्य आवाजाही में बाधा उत्पन्न करना तथा किसी भी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह द्वारा सार्वजनिक स्थान, सड़क और पूजाप्रार्थना स्थलों पर ज्वलनशील वस्तुओं को ले जाना भी प्रतिबंधित है। यह आदेश बुधवार को सुबह सात बजे से रात 11 बजकर 59 मिनट तक पूरे संजौली क्षेत्र में प्रभावी रहेगा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने यहां पत्रकारों से कहा कि इस मुद्दे को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है।

विहिप की सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की बैठक मे वाराणसी, मथुरा मंदिर विवाद, वक्फ विधेयक पर चर्चा

नई दिल्ली(भाषा)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) द्वारा यहां आयोजित सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की बैठक में वाराणसी और मथुरा में मंदिरों से संबंधित विवाद, वक्फ (संशोधन) विधेयक, धर्मांतरण और अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। विहिप के कानूनी प्रकोष्ठ द्वारा सोमवार को आयोजित बैठक में उच्चतम न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों के कम से कम 30 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी मौजूद थे। मेघवाल ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज मैंने विश्व हिंदू परिषद के कानूनी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित न्यायाधीश मिलन कार्यक्रम में भाग लिया और विकसित भारत के निर्माण के लिए न्यायिक सुधारों से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने एक्स पर कार्यक्रम की तस्वीरें भी पोस्ट करते हुए कहा, इस अवसर पर विहिप के अध्यक्ष आलोक कुमार की उपस्थिति में सेवानिवृत्त न्यायाधीश, अन्य न्यायविद, वरिष्ठ वकील और अन्य प्रख्यात बुद्धिजीवी उपस्थित थे। यह विहिप के कानूनी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक आंतरिक बैठक थी, जिसमें वाराणसी और मथुरा के मंदिरों से संबंधित विवाद, वक्फ (संशोधन) विधेयक, गोहत्या और धर्मांतरण सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई।

वैज्ञानिक समुदाय के लिए संसाधनों की कोई कमी नही : प्रधानमंत्री

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को नवगठित अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) की शासी निकाय की पहली बैठक की अध्यक्षता की जिसमें उन्होंने देश के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में बाधाओं की पहचान करने और उन्हें दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया।साथ ही, उन्होंने देश के वैज्ञानिक समुदाय को विश्वास दिलाया कि उनके प्रयासों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी।प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक बैठक में भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिदृश्य और अनुसंधान और विकास कार्यक्रमों के पुनर्डिजाइन के बारे में चर्चा पर ध्यान केंद्रित किया गया।बयान के मुताबिक मोदी ने कहा,

प्रधानमंत्री ने देश के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में बाधाओं की पहचान करने और उन्हें दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बड़े लक्ष्य तय करने, उन्हें हासिल करने पर ध्यान देने और पथप्रदर्शक शोध करने की बात कही। उन्होंने कहा कि शोध में मौजूदा समस्याओं के नए समाधान खोजने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि समस्याएं वैश्विक प्रकृति की हो सकती हैं लेकिन उनका समाधान भारतीय जरूरतों के अनुसार स्थानीय स्तर पर होना चाहिए।पीएमओ के अनुसार प्रधानमंत्री ने संस्थानों के उन्नयन और मानकीकरण की आवश्यकता पर चर्चा की और विशेषज्ञता के आधार पर डोमेन विशेषज्ञों की एक सूची तैयार करने का सुझाव दिया।उन्होंने एक डैशबोर्ड विकसित करने के बारे में भी बात की, जहां देश में हो रहे अनुसंधान और विकास से संबंधित जानकारी को आसानी से ट्रैक किया जा सकता है।पीएमओ के मुताबिक प्रधानमंत्री ने अनुसंधान और नवाचार के लिए संसाधनों के उपयोग की वैज्ञानिक निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया।बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के वैज्ञानिक समुदाय को विश्वास होना चाहिए कि उनके प्रयासों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी। अटल टिंकरिंग लैब्स के सकारात्मक प्रभावों पर चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि इन प्रयोगशालाओं की ग्रेडिंग की जा सकती है।उन्होंने पर्यावरण परिवर्तन के नए समाधान खोजने, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी सामग्री, प्रयोगशाला में विकसित हीरे जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान पर भी चर्चा की।बैठक के दौरान, शासी निकाय ने हब एंड स्पोक मोड में एक कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया, जिसमें उन विश्वविद्यालयों को जोड़ा जाएगा जहां अनुसंधान प्रारंभिक चरण में है। शासी निकाय ने एएनआरएफ के रणनीतिक हस्तक्षेपों के कई क्षेत्रों पर भी चर्चा की जिसमें प्रमुख क्षेत्रों में भारत की वैश्विक स्थिति, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ अनुसंधान एवं विकास को आगे बढ़ाना, समावेशी विकास को बढ़ावा देना, क्षमता निर्माण, वैज्ञानिक प्रगति और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को चलाना और अकादमिक अनुसंधान और औद्योगिक अनुप्रयोगों के बीच की खाई को पाटना शामिल है। एनआरएफ, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) गतिशीलता, उन्नत सामग्री, सौर सेल, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य और चिकित्सा प्रौद्योगिकी, सतत कृषि और फोटोनिक्स जैसे चुनिंदा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में मिशन मोड में समाधान-केंद्रित अनुसंधान पर कार्यक्रम शुरू करेगा।बयान के मुताबिक गवर्निंग बॉडी ने ज्ञान की उन्नति के लिए मौलिक अनुसंधान को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया और मानविकी और सामाजिक विज्ञान में अंत:विषय अनुसंधान का समर्थन करने के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया।पीएमओ ने कहा, इस बात पर भी सहमति हुई कि अनुसंधान करने में आसानी प्राप्त करने के लिए हमारे शोधकर्ताओं को लचीले और पारदर्शी वित्त पोषण तंत्र के साथ सशक्त बनाने की आवश्यकता है।

वाहनों के लिए उम्र के बजाय प्रदूषण के आधार पर कबाड़ नीति लाने पर विचार: सचिव

भाषा। नई दिल्ली

सरकार वाहनों की उम्र के बजाय उनसे फैलने वाले प्रदूषण के आधार पर उन्हें कबाड़ में बदलने की नीति पर काम कर रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन ने यहां वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के वार्षिक सम्मेलन में वाहन उद्योग से प्रदूषण जांच के कार्यक्रम को भरोसेमंद बनाने में सरकार की मदद करने को कहा। जैन ने कहा, जब आप 15 साल पुराने वाहन को कबाड़ में बदलना अनिवार्य करने वाली नीति लेकर आते हैं तो लोगों का एक सवाल होता है कि अगर उन्होंने अपने वाहन का अच्छी तरह से रखरखाव किया है, तो उनके वाहन को कबाड़ में क्यों बदला जाना चाहिए। आप इसे अनिवार्य नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थितियों पर विचार करने के लिए सरकार इसका अध्ययन केवल प्रदूषण के लिहाज से कर रही है। उन्होंने कहा, सरकार इसके लिए एक नीति पर काम कर रही है। क्या हम बीएस-2 से पहले का जिक्र कर सकते हैं? हम उम्र की बात नहीं कर रहे हैं।... क्या हम वाहन प्रदूषण के लिए कोई सीमा तय कर सकते हैं? हालांकि, उन्होंने उद्योग से यह सुनिश्चित करने को कहा कि इस स्थिति में भी प्रदूषण जांच भरोसेमंद हो। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग सचिव ने कहा, मैं आप सभी से अनुरोध करूंगा कि प्रदूषण जांच का कार्यक्रम तय करने में हमारी मदद करें। हमें पता है कि अभी किस तरह प्रमाण पत्र प्राप्त करते हैं। ऐसे में प्रदूषण प्रमाण पत्र को भरोसेमंद होना चाहिए।

राहुल गांधी हार की हताशा में विदेशों में भारत को बदनाम कर रहे हैं : शिवराज

भाषा। रांची

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भाजपा नीत केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में की गई कथित टिप्पणी को लेकर मंगलवार को उन पर निशाना साधा और उन पर चुनावों में बार-बार हार की हताशा में विदेशों में भारत को बदनाम करने का आरोप लगाया। भाजपा के झारखंड चुनाव प्रभारी चौहान इस महीने होने वाली पार्टी की परिवर्तन रैली के सिलसिले में एक बैठक में शामिल होने के लिए आज रांची पहुंचे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी के कथित बयान को लेकर उन पर निशाना साधते हुए चौहान ने कहा, केवल एक कुंठित व्यक्ति ही देश को बदनाम कर सकता है और विदेशों में इसकी छवि खराब कर सकता है। अब वह न केवल सरकार बल्कि निर्वाचन आयोग पर भी सवाल

उठा रहे हैं। उन्होंने यहां भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, अपने ही देश की दूसरे देश में आलोचना करना देशभक्ति का काम नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं और यह जिम्मेदारी का पद होता है। चौहान ने कहा कि जब नरसिम्हा राव देश के प्रधानमंत्री थे तो अटल बिहारी वाजपेई विपक्ष के नेता थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, अटल जी ने विदेश में देश का प्रतिनिधित्व किया था, लेकिन राहुल गांधी देश को बदनाम करने के अलावा और कुछ नहीं कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया, लगातार हार के कारण राहुल निराश व हताश हैं और अपनी हताशा विदेश में निकाल रहे हैं। राहुल गांधी वर्तमान में अमेरिका की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। शनिवार से शुरू हुई उनकी यात्रा का पहला पड़ाव डलास था और वह सोमवार को वाशिंगटन पहुंचे। अमेरिका के प्रतिष्ठित जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय और वाशिंगटन के वर्जीनिया के एक उपनगर हर्नडॉन में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव में सभी को समान अवसर उपलब्ध नहीं कराए गए। उन्होंने कहा, मैं इसे स्वतंत्र चुनाव नहीं मानता हूं। मैं इसे काफी हद तक नियंत्रित चुनाव मानता हूं। कांग्रेस नेता ने दावा किया, निर्वाचन आयोग वही कर रहा था जो वे चाहते थे। पूरा प्रचार अभियान ऐसे बनाया गया कि (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी देशभर में अपना एजेंडा चला सकें। इस बीच, झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा हमला करते हुए चौहान ने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार चरम स्तर पर पहुंच गया है, कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है और झारखंड में हो रहा जनसांख्यिकीय परिवर्तन भयावह है। उन्होंने आरोप लगाया, सरकार ने पिछले पांच साल में अपना कोई भी वादा पूरा नहीं किया। इसने महिलाओं को 2,000 रुपए चूल्हा खर्च (खाना पकाने की लागत) देने का वादा किया था। अब चुनाव से पहले सरकार केवल वोट के लिए 1,000 रुपए दे रही है।

अब तो विपक्षी नेता भी कश्मीर में बर्फ से खेलते हैं : भाजपा

भाषा। नई दिल्ली

पूर्व गृह मंत्री सुशील शिंदे की एक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की सुरक्षा इतनी मजबूत है कि विपक्षी नेता भी बिना किसी डर के कश्मीर में बर्फ से खेलते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शिंदे ने अपने संस्मरण के विमोचन के मौके पर सोमवार को कहा था कि वह मंत्री रहते एक बार जम्मू-कश्मीर के लाल चौक जाने से डर गए थे। शिंदे की टिप्पणी पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस शासन के दौरान देश के गृह मंत्री भी कश्मीर जाने से डरते थे। उन्होंने कहा, लेकिन अब, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्र की सुरक्षा इतनी मजबूत है कि विपक्षी नेता भी बिना किसी डर के कश्मीर में बर्फ से खेलते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि पूर्व गृह मंत्री ने स्वीकार किया है कि उन्हें जम्मू-कश्मीर जाने से डर लगता था लेकिन कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस केंद्र शासित प्रदेश को फिर से आतंक के दिनों में ले जाना

चाहती है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज राहुल गांधी आराम से कश्मीर में भारत जोड़ो यात्रा और स्नो फाइट करते नजर आए। लेकिन नेकां और कांग्रेस जम्मू-कश्मीर को आतंक के दिनों में वापस ले जाना चाहते हैं। भाजपा के सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त करने से कश्मीर में लोगों का जीवन बदल गया, जमीनी स्तर पर लोकतंत्र मजबूत हुआ और भ्रष्ट अब्दुल्ला तथा मुफ्ती परिवारों का प्रभाव कम हुआ।उन्होंने कहा, चीजें नाटकीय रूप से बदल गई हैं ... यहां तक कि बालक बुद्धि और उनकी बहन को बर्फ के गोलों से खेलते देखा गया था। उन्होंने कहा, हाल ही में, तीसरी बार असफल राहुल गांधी देर रात एक आइसक्रीम पार्लर गए थे। लाल चौक और डल झील उन स्थानों में शामिल हैं जहां सबसे अधिक बार लोग गए।

असम ट्रांजिट कैंप में म्यांमा के शरणार्थियों ने भूख हड़ताल शुरू की

गुवाहाटी। असम के ग्वालपाड़ा ट्रांजिट कैंप में म्यांमा के रोहिंग्या और चिन शरणार्थियों ने कथित अनिश्चितकालीन हिरासत के विरोध में भूख हड़ताल शुरू कर दी है। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को दी। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) अजय तिवारी ने बताया कि जेल महानिरीक्षक और गृह सचिव को बंदियों से बात करने के लिए शिविर में भेजा गया है और हमें उम्मीद है कि मामला जल्द ही सुलझ जाएगा। शरणार्थियों ने सोमवार शाम को भूख हड़ताल शुरू कर दी।

वाम मोर्चा आरएसएस एक महत्वपूर्ण संगठन नहीं मानता है: भाकपा

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने मंगलवार को कहा कि वाम मोर्चा केरल विधानसभा के अध्यक्ष ए एन शमसीर के इस बयान से सहमत नहीं है कि आरएसएस एक महत्वपूर्ण संगठन है और शमसीर को इस तरह का बयान देने से बचना चाहिए। शमसीर ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक पदाधिकारी के साथ एडीजीपी (कानून व्यवस्था) एम आर अजित कुमार की विवादास्पद मुलाकात का बचाव करते हुए सोमवार को कहा कि इसमें कोई बड़ी बात नहीं है और दक्षिणपंथी संगठन देश का महत्वपूर्ण संगठन है। भाकपा के प्रदेश सचिव बिनय विस्वाम ने मंगलवार को कहा कि विधानसभा अध्यक्ष ऐसा बयान देने से बच सकते थे। उन्होंने एक टेलीविजन चैनल से कह कि वाम मोर्चा इस बात से सहमत नहीं है कि देश के भविष्य, विकास, राजनीतिक प्रगति और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती पैदा करने वाला आरएसएस एक महत्वपूर्ण संगठन है। विस्वाम ने कहा कि वाम मोर्चा को सार्वजनिक रूप से दिए जा रहे अपने बयानों में सावधानी बरतनी चाहिए।

असम में पहली बार दिखे गोवंशीय पशु मिथुन: हिमंत

भाषा। गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राज्य में पहली बार गोवंशीय पशु मिथुन देखा गया है। मिथुन का वैज्ञानिक नाम बोस फ्रंटालिस हैं। वह अरुणाचल प्रदेश एवं नगालैंड का राजकीय पशु है तथा यह मणिपुर एवं मिजोरम की पहाड़ियों में भी पाया जाता है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, असम ने अपनी जैव विविधता में एक और जीव को शामिल कर लिया है। हमने दीमा हसाओ के पहाड़ी क्षेत्रों में मिथुन (बोस फ्रंटलिस) को देखा है जो हमारे जीव-जगत की विविधता में एक और खूबसूरत वृद्धि है। शर्मा ने कहा कि

अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड में हिमालय की तराई में पाई जाने वाली उन प्रजातियों ने अब असम को अपना नया घर बना लिया है जिनका जिक्र महाभारत में भी है। उन्होंने कहा, हमारे अमूल्य वनों की सुरक्षा, संरक्षण और प्रबंधन के उत्कृष्ट कार्य के लिए असम वन विभाग को बधाई। हाल में पशु चिकित्सा विशेषज्ञों ने मध्य असम के दीमा हसाओ जिले के दूरदराज के तीन इलाकों - लाइसोंग, लैंगटिंग और थाईजुवारी में मिथुन को देखा। जिला पशुपालन एवं पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि इन क्षेत्रों में जेमे नगा लोग निवास करते हैं तथा इन तीन सुदूर क्षेत्रों में 200 से अधिक मिथुन की उपस्थिति दर्ज की गई है। अधिकारी ने कहा कि पीढ़ियों से गोवंशीय पशुओं का पालन कर रहे किसानों को सहायता की आवश्यकता है, क्योंकि ए पशु खुरपका-मुंहपका तथा अन्य बीमारियों से ग्रसित होते हैं। उन्होंने कहा कि असम में मिथुन का मिलना राज्य की कृषि विविधता में एक नया अध्याय जोड़ता है। मिथुन अपने मांस, दूध, भार वहन क्षमता के लिए बहुमूल्य माने जाते हैं तथा पूर्वोत्तर के कई जनजातीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कोर्ट में लोकतंत्र की कमी, न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए नहीं है लोकतांत्रिक प्रणाली: कुशवाहा

भाषा। नई दिल्ली

राज्यसभा सदस्य उपेंद्र कुशवाहा ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए नामों की सिफारिश करने वाली कॉलेजियम प्रणाली पर मंगलवार को हमला किया और आरोप लगाया कि यह पिछड़े समूहों के लोगों को उच्च न्यायपालिका में नियुक्त होने से रोकती है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि न्यायपालिका में लोकतंत्र की कमी उन मुद्दों में से एक होगा, जिसे वह संसद में उठाएंगे। उन्होंने हाल ही में बिहार से राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली है। कुशवाहा ने यह भी कहा कि अनुसूचित जातियों (एससी) के उप-वर्गीकरण में कोई समस्या नहीं है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अंदर भी क्रीमी लेयर की कोई अवधारणा नहीं होनी चाहिए। कुशवाहा ने कहा, न्यायपालिका में लोकतंत्र नहीं है और

यह दुर्भाग्यपूर्ण है। हम एक लोकतंत्र हैं लेकिन यह विडंबना है कि सबसे बड़ी संस्थाओं में से एक न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए लोकतांत्रिक प्रणाली नहीं है। उन्होंने दावा किया, आमतौर पर जिन लोगों के संपर्क होते हैं, उन्हें न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त किया जाता है। दलित और पिछड़े वर्ग के लोग कभी-कभार ही न्यायाधीश बनते हैं। कुशवाहा ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम का भी जिक्र किया, जिसे उच्चतम न्यायालय ने रद्द कर दिया था। उन्होंने कहा, हम इस मुद्दे को संसद के अंदर और बाहर, दोनों जगह उठाएंगे। हम लोगों को इस मुद्दे के बारे में जागरूक करेंगे। केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने 2014 में एनजेएसी (राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग) अधिनियम लागू किया था। एनजेएसी को न्यायिक नियुक्तियां करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी और इसमें भारत के प्रधान न्यायाधीश, उच्चतम न्यायालय के दो वरिष्ठ न्यायाधीश, केंद्रीय कानून मंत्री तथा प्रधान न्यायाधीश द्वारा नामित दो अन्य प्रख्यात व्यक्ति, प्रधानमंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल किए गए थे। हालांकि, अक्टूबर 2015 में शीर्ष अदालत ने इस कानून को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया था। अनुसूचित जातियों के उप-वर्गीकरण पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों को लेकर हाल में उठे विवाद के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, उप-वर्गीकरण होना चाहिए...।

बिहार के भागलपुर में हमले में भाजपा नेता गंभीर रूप से घायल

भागलपुर (बिहार)। बिहार की राजधानी पटना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक स्थानीय नेता की अज्ञात हमलावरों द्वारा गोली मारकर हत्या करने के कुछ घंटों बाद ही भागलपुर जिले के बबरगंज इलाके में सोमवार को अज्ञात बदमाशों ने एक और पार्टी कार्यकर्ता पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। घायल व्यक्ति की पहचान भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय वार्ड पार्षद के पति शशि मोदी के रूप में हुई है। भागलपुर जिला पुलिस द्वारा मंगलवार को जारी एक बयान के अनुसार, घटना सोमवार को रात करीब साढ़े 11 बजे बबरगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुतुबगंज महादेव तालाब के पास गणेश पूजा समारोह के दौरान हुई। कुछ अज्ञात बदमाशों ने मामूली बात पर शशि मोदी और दो अन्य व्यक्तियों पर किसी धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों ने घायल व्यक्तियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। बयान के अनुसार, मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मोदी भाजपा कार्यकर्ता हैं और इलाके में पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहते हैं। घटना सोमवार की सुबह पटना शहर के चौक इलाके में तीन अज्ञात हथियारबंद हमलावरों द्वारा स्थानीय भाजपा नेता श्यामसुंदर शर्मा की गोली मारकर हत्या करने के कुछ ही घंटों बाद हुई। घटना सोमवार को तड़के चौक इलाके में एक रेस्टोरेंट के बाहर हुई थी। भाजपा की बिहार इकाई के प्रमुख दिलीप जायसवाल ने शर्मा की हत्या पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, यह घटना बहुत दुखद है। शर्मा पार्टी के सक्रिय सदस्य थे... मैंने घटना के तुरंत बाद जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से बात की... और मुझे विश्वास है कि आरोपी जल्द गिरफ्तार कर लिए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने शर्मा की हत्या पर टिप्पणी करते हुए सोमवार को संवाददाताओं से कहा था, यह घटना चौंकाने वाली है और गंभीर चिंता का विषय भी है।

सरकार का दो वर्षों में ऋण गारंटी के जरिए अतिरिक्त पांच लाख करोड़ देने का लक्ष्य

नई दिल्ली। सरकार का अगले दो वर्षों मे सीजीटीएमएसई योजना के जरिए सूक्ष्म और लघु उद्यमों को दी जाने वाली क्रेडिट गारंटी को पांच लाख करोड़ रुपए तक बढ़ाने का लक्ष्य है। अतिरिक्त सचिव और विकास आयुक्त (सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम) रजनीश ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होने बताया कि पिछले दो वर्षो मे सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) के जरिए चार लाख करोड़ रुपए की ऋण गारंटी दी गई। रजनीश ने यहां फिक्की के एक कार्यक्रम में कहा, 22 वर्षो मे सीजीटीएमएसई ने कुल 2.6 लाख करोड़ रुपए की ऋण गारंटी दी। लेकिन, पिछले दो वर्षो मे हम चार लाख करोड़ रुपए की ऋण गारंटी देने मे सक्षम रहे है और अगले दो वर्षो मे हम इसे पांच लाख करोड़ रुपए तक बढ़ाने का इरादा रखते हैं। उन्होंने आगे बताया कि सरकार ने पिछले कुछ वर्षो मे एमएसएमई के औपचारिकीकरण मे एक बड़े अंतर को पाट दिया है। उद्यम पंजीकृत एमएसएमई की कुल संख्या एक साल पहले के 1.65 करोड़ इकाई से बढ़कर पांच करोड़ इकाई हो गई है।

मात्र 25 मिलीसेकंड में बिजली लाइन की गड़बड़ियां ढूंढेगा एआई ड्रोन

इंदौर (मध्यप्रदेश)। इंदौर के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) ने दुर्गम क्षेत्रों में स्थित ढांचों की पैनी निगरानी के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) से लैस ड्रोन विकसित किया है। यह ड्रोन बिजली की हाईटेंशन लाइनों और गैस पाइपलाइनों से लेकर भवनों और सड़कों की दरारों और अन्य ढांचागत गड़बड़ियों का महज 25 मिलीसेकंड के भीतर पता लगा सकता है। आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर अभिरूप दत्ता ने बताया कि करीब डेढ़ साल मे विकसित इस ड्रोन की तकनीक मानव रहित विमान (यूएवी) को एआई और मशीन लर्निंग के साथ जोड़ती है। दत्ता ने कहाकि इस ड्रोन ने उन्नत एआई उपकरणों का उपयोग करके अलग-अलग ढांचो की दरारो और अन्य गड़बड़ियों का केवल 25 मिलीसेकंड के भीतर पता लगाने और संबंधित डेटा को सुव्यवस्थित रूप से पेश करने मे 98.70 प्रतिशत की ऊंची सफलता दर हासिल की है। उन्होंने बताया कि अगर विशिष्ट अनुसंधान किया जाए, तो एआई ड्रोन को रेल पटरियो की दरारें और अन्य गड़बड़ियो का पता लगाने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। दत्ता ने एआई ड्रोन के अनुसंधान की अगुवाई की। अनुसंधान दल मे आईआईटी के छात्र कुमार शेषांक शेखर और संस्थान की पीएचडी शोधार्थी हर्षा अविनाश तांती भी शामिल थी।

तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देने की योजना

नई दिल्ली। मोबाइल तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में मोटोरोला ने अपने बहुप्रतीक्षित स्मार्टफोन मोटोरोला रेजर 50 के लॉन्च के साथ फिर से फोल्डेबल स्मार्टफोन सेगमेंट में हलचल मचाई है, जो रेज़र फ्रैंचाइज़ी में एक नया और महत्वपूर्ण जोड़ है। रेजर फ्रैंचाइज़ में इस नवीनतम पेशकश से स्मार्टफोन तकनीक में निरंतर प्रगति देखने को मिलती है, जिसमें सेगमेंट का सबसे बड़ा 3.6 इंच एक्सटर्नल डिस्प्ले शामिल है, जो सीधे गूगल जेमिनी एक्सेस प्रदान करता है। मोटो एआई द्वारा संचालित प्रभावशाली 50 एमपी कैमरा सिस्टम के साथ, जिसमें ओआईएस और इंस्टेंट ऑल पिक्सल फोकस शामिल है, रेजर 50 अत्याधुनिक तकनीक प्रदान करता है। । इसके अलावा, फोटोज को व्यक्तिगत इमोजी और स्टिकर में बदलने के लिए फोटोमोजी जैसे टूल्स उपयोग किए जा सकते हैं, जो संदेशों में एक दृश्य आकर्षण जोड़ते हैं। लॉन्च के अवसर पर, टी.एम. नरसिम्हन, प्रबंध निदेशक, मोटोरोला इंडिया ने कहा, फ्लिप फोन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अग्रणी होते हुए, हमने एक बार फिर से रेजर 50 के लॉन्च के साथ इस सेगमेंट में एक नया मानक स्थापित किया है।

क्विक न्यूज

बिजली वितरण कंपनियों को अवैध ई-रिक्शा चार्जिंग के कारण हर साल 120 करोड़ रुपए का नुकसान

नई दिल्ली। शहर की बिजली वितरण कंपनियों को अवैध ई-रिक्शा चार्जिंग सुविधाओं के कारण सुरक्षा जोखिम के अलावा सालाना करीब 120 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दिल्ली में करीब 1.6 लाख ई-रिक्शा हैं, जिनमें से सिर्फ 50,000 ही दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग में पंजीकृत है। विभाग बिना पंजीकरण वाले ई-रिक्शा को जब्त करने और स्क्रैप (कबाड़) करने का अभियान चला रहा है। अधिकारियों ने बताया कि बिजली वितरण कंपनियां तथा बिजली विभाग ने पहले भी ई-रिक्शा की चार्जिंग में बिजली चोरी रोकने और सुरक्षा मुद्दों को सुलझाने की कोशिश की है। आम लोगों और संचालकों को करीब 4,000 वैध ई-रिक्शा चार्जिंग कनेक्शन दिए गए हैं। प्रत्येक कनेक्शन कई ई-रिक्शा को चार्ज करने में सक्षम है। एक अधिकारी ने कहा, राजस्व हानि के अलावा, अवैध चार्जिंग और घटिया बैटरी से सुरक्षा को भी बड़ा खतरा है। हाल ही में शहर में खराब चार्जिंग सुविधा के कारण आग लगने और करंट लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। पिछले सप्ताह उत्तर-पूर्वी दिल्ली में ई-रिक्शा चार्ज करते समय एक व्यक्ति की करंट लगने से मौत हो गई थी। उन्होंने कहा, यह बिजली चोरी का एक नया तरीका है जो आजकल देखा जा रहा है। अनुमान है कि 60 प्रतिशत से अधिक ई-रिक्शा बिजली चोरी में संलिप्त है, जिसके परिणामस्वरूप शहर भर में 15-20 मेगावाट की हानि हो रही है। यह करीब 120 करोड़ रुपए का वार्षिक नुकसान है। दिल्ली बिजली नियामक आयोग (डीईआरसी) ने वैध कनेक्शन को प्रोत्साहित करने के लिए ई-रिक्शा चार्जिंग के लिए 4.50 रुपए प्रति यूनिट की दर से एक विशेष शुल्क श्रेणी शुरू की है।

सीबीआई ने रिश्वतखोरी के सिलसिले में उपायुक्त (आईसीडी) और अन्य को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने यहां आयात के एक खेप को सीमाशुल्क संबंधी अनापत्ति प्रदान करने के एवज में कथित रूप से रिश्वत लेने को लेकर एक सीमाशुल्क उपायुक्त एवं उनके दो सहयोगियों को अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी-तुगलकाबाद) के उपायुक्त ओम प्रकाश बिष्ट, अधीक्षक अमित कुमार, चतुर्थ वर्गीय कर्मी बिजेंद्र कुमार, कस्टम हाउस एजेंट (सीएचए) अशोक यादव और उसके कर्मी रविकांत मिश्रा को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने प्राथमिकी में सात व्यक्तियों पर मामला दर्ज किया है। यह प्राथमिकी इन आरोपों पर आधारित है कि सीमाशुल्क अधिकारी मुंबई की कंपनी राधा मार्केटिंग पर जुर्माना कम करने के एवज में अशोक यादव से रिश्वत ले रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि आरोप है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी खेपों को सीमाशुल्क अनापत्ति प्रदान करने के लिए आपस में नियमित संपर्क में थे और वे विभिन्न निजी पक्षों से रिश्वत ले रहे थे। उन्होंने बताया कि रिश्वत की रकम कथित रूप से ब्रजेंद्र कुमार अपने बैक खाते लेता था और फिर उसे बिष्ट तक पहुंचा देता था। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने कहा, आरोप है कि नौ अगस्त 2024 को आरोपी सीएचए (अशोक यादव) ने डीसी (बिष्ट) से संपर्क किया और उनसे मुंबई स्थित फर्म (राधा मार्केटिंग) के बिलों पर न्यूनतम जुर्माना लगाने को कहा। डीसी ने उसे आश्वासन दिया कि वह 70,000 रुपए का जुर्माना लगाएंगे और इसके लिए उन्होंने सीएचए से रिश्वत की मांग की। अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई ने जाल बिछाया और राधा मार्केटिंग पर जुर्माना कम करने के लिए 72,000 रुपए की रिश्वत लेते समय बिष्ट, ब्रजेन्द्र और अशोक यादव को गिरफ्तार कर लिया। उन्होने बताया कि सीबीआई ने अधीक्षक अमित कुमार को भी गिरफ्तार किया जिसने पहले कथित रूप से 50000 रुपए रिश्वत ली थी। प्रवक्ता ने कहा, दिल्ली, मुंबई, फरीदाबाद, गुरुग्राम, रायगढ़ और किन्नौर (हिमाचल प्रदेश) मे आरोपियो से संबंधित नौ स्थानो पर तलाशी ली गई, जिससे आपत्तिजनक दस्तावेज और 19.25 लाख रुपए (लगभग) नकद बरामद हुए।

न्यायालय ने उत्तराखंड मेडिकल कॉलेज को एमबीबीएस छात्रों के मूल दस्तावेज लौटाने को कहा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 91 छात्रों को राहत देते हुए उत्तराखंड मे एक मेडिकल कॉलेज को उनके मूल दस्तावेज लौटाने को कहा है जिसे बकाया फीस का भुगतान नही करने के कारण संस्थान ने रोककर रखा था। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने डॉक्टरों की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील गौरव अग्रवाल और वकील तन्वी दुबे की दलीलो पर गौर किया। वकीलो ने दलील दी थी कि मूल दस्तावेज नही होने के कारण ए छात्र न तो एक डॉक्टर के रूप मे खुद को पंजीकृत करा पाएंगे और न ही वे उच्च शिक्षा के लिए परीक्षा मे बैठ सकेंगे। पीठ मे न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। पीठ ने उत्तराखंड के देहरादून मे स्थित श्री गुरु राम राय इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड हेल्थ साइंसेस कॉलेज को 7.5 लाख रुपए के भुगतान पर उन छात्रो को उनके मूल दस्तावेज लौटाने का आदेश दिया जिन्होंने एमबीबीएस की पढ़ाई और अपेक्षित इंटर्नशिप पूरी कर ली है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को कहा कि छात्रों को एक हलफनामा देना होगा कि वे बकाया फीस का भुगतान कर रहे है। मेडिकल कॉलेज ने इससे पहले अखिल भारतीय कोटे के तहत प्रवेश पाने वाले छात्रों के लिए पांच लाख रुपए वार्षिक फीस को बढ़ाकर 13.22 लाख रुपए कर दिया था। कॉलेज ने राज्य कोटा के तहत दाखिला लेने वाले छात्रों के लिए चार लाख रुपए वार्षिक फीस को बढ़ाकर 9.78 लाख रुपए कर दिया था। फीस मे बढ़ोत्तरी पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू की गई है। अपनी एमबीबीएस की पढ़ाई और एक साल का इंटर्नशिप पूरा कर चुके छात्रो ने कॉलेज के उस निर्णय की वैधता को चुनौती दी थी, जिसमे उनसे उनके मूल दस्तावेज प्राप्त करने के लिए अत्यधिक बकाए का भुगतान करने को कहा गया था। दुबे ने कहा, बिना वास्तविक दस्तावेज के ए डॉक्टर घर पर बैठने को मजबूर हो जाएंगे। वे न तो नीट-पीजी के काउंसलिंग मे हिस्सा ले पाएंगे और न ही वे अस्पताल मे अपना प्रशिक्षण शुरू कर पाएंगे। पिछले कुछ साल से इस मामले मे कई याचिकाएं सामने आई है और नैनीताल उच्च न्यायालय में पूर्वप्रभावी फीस वृद्धि के खिलाफ एक याचिका भी लंबित है। वकील ने बताया कि छात्रो ने करीब 38 लाख रुपए का भुगतान करने के आदेश को चुनौती दी थी। छात्रो के वकील ने दलील दी कि यह निर्णय मनमाना और उन पर जबरन थोपा गया है, क्योंकि वे पहले ही एक पाठ्यक्रम की पढ़ाई पूरी कर चुके है। वकील ने कहा, अगर उन्हें पहले से पता होता तो वे उत्तराखंड के कॉलेज को कभी नही चुनते क्योंकि उन्हे अपने गृह राज्यो मे कम फीस पर कॉलेज मिल रहे थे। उच्च न्यायालय ने छात्रों को नौ किस्तो मे पूरी राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया था। कॉलेज ने एक नोटिस जारी किया था जिसमे कहा गया था कि जब तक भुगतान नही किया जाता, इंटर्नशिप शुरू नही हो सकती। कॉलेज की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि अक्सर ऐसे परिदृश्य मे कॉलेजों के लिए छात्रों के दस्तावेज जारी होने के बाद उनके लंबित बकाए का हिसाब रखना मुश्किल हो जाता है। कुछ छात्र गायब हो जाते है और कुछ मामलों मे फीस के बकाए के लिए दिए गए चेक बाउंस हो जाते है।

वर्ल्ड ईवी डे पर इको फ्रेंडली परिवहन की मांग

प्रयागराज। नए-नए तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों बनाने वाली प्रमुख कंपनीए गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने वर्ल्ड ईवी डे पर ई.ब्लू सिटी को लॉन्च किया है। ऑटो के आकार का यह नया ई.रिक्शा शहरों में यात्रा करने के अंदाज को बदलने के लिए तैयार है। इसकी एक्स.शोरूम कीमत 1ए99ए999 रुपये है। ई.ब्लूसिटी को शहरों में यात्रा करने के लिए स्थायी और प्रभावी साधनों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। ई.ब्लू सिटी में ड्राइवर के अलावा चार लोग आराम से बैठ सकते हैं। यह भीड़भाड़ वाली शहर की गलियों में घूमने का आदर्श विकल्प है। गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के डायरेक्टर और सीईओ हैदर खान ने इस लॉन्च के बारे में कहाए श्गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स की कंपनी बिजली से चलने वाली गाड़ियों को और बेहतर बनाने की कोशिश कर रही है। उनका लक्ष्य है कि हर कोई आसानी से और प्रदूषण रहित गाड़ी चला सके। ई.ब्लू सिटी इसी कोशिश का हिस्सा है।

रूस व यूक्रेन को बातचीत करनी ही होगी: जयशंकर

● यदि वे चाहें तो भारत सलाह देने को इच्छुक

भाषा। बर्लिन

यूक्रेन संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं होने का दावा करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि रूस और यूक्रेन को बातचीत करनी ही होगी एवं यदि वे सलाह चाहते हैं, तो भारत सलाह देने का सदैव इच्छुक है। जयशंकर ने यहां जर्मन विदेश मंत्रालय के वार्षिक राजदूत सम्मेलन में सवालों का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। एक दिन पहले उन्होंने सऊदी अरब की राजधानी में भारत-खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ सार्थक वार्ता की थी। उन्होंने कहा, हमें नहीं लगता है कि इस संघर्ष का युद्ध के मैदान में कोई हल निकलने वाला है। कहीं न कहीं, कुछ बातचीत तो होगी ही। जब कोई बातचीत होगी, तो मुख्य पक्षों – रूस और यूक्रेन – को उस बातचीत में शामिल होना ही होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रूस एवं यूक्रेन यात्राओं का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने मास्को और कीव में कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। उन्होंने कहा, हमें नहीं लगता है कि आपको रणभूमि में कोई समाधान मिलने जा रहा है। हमारा मानना है कि आपको बातचीत करनी होगी .... यदि आप सलाह चाहते हैं तो हम इसके लिए सदैव इच्छुक हैं। जयशंकर ने कहा कि विभिन्न देशों के बीच मतभेद होते ही हैं लेकिन संघर्ष मतभेदों के समाधान का तरीका नहीं है। अपने संवाद के दौरान उन्होंने कहा

क्वाड एक सफल प्रयोग है। भारत क्वाड का सदस्य है। यह भारत, अमेरिका, जापान एवं आस्ट्रेलिया का सामरिक सुरक्षा संवाद मंच (समूह) है। चीन क्वाड को एक ऐसे गठबंधन के रूप में देखता है जिसका लक्ष्य उसके उभार पर अंकुश लगाना है। चीन इस समूह का कटु आलोचक है। जयशंकर ने कहा कि अलग-अलग छोर पर स्थित भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया ने साथ मिलकर काम करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, और इसी तरह हमने क्वाड को पुनर्जीवित किया। यह उन प्रमुख कूटनीतिक मंचों में से एक है जिसके लिए भारत प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस संगठन का जोर समुद्री सुरक्षा पर सहयोग से एचएडीआर अभियान, कनेक्टिविटी आदि विषयों पर है। जयशंकर ने यह भी संकेत दिया कि भारत चीन के साथ व्यापार करता रहेगा। उन्होंने कहा, चीन के साथ व्यापार के लिए हमारे दरवाजे बंद नहीं हैं... यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह एक प्रमुख विनिर्माता है। इसलिए, कोई भी ऐसा नहीं है जो कह सके कि मैं चीन के साथ व्यापार नहीं करूंगा। यह है कि आप किन क्षेत्रों में व्यापार करते हैं और किन शर्तों पर। इसलिए, इसका कोई सीधा-सीधा जवाब नहीं हो सकता है, क्योंकि यह बहुत ही जटिल विषय है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को यह कहते हुए तीन देशों के साथ भारत का भी नाम लिया था कि वह यूक्रेन संघर्ष के सिलसिले में उनके संपर्क में हैं और वे वाकई में इसका समाधान करने की ईमानदार कोशिश कर रहे हैं।

वियतनाम में तूफान से मरने वालों की संख्या बढ़कर 87 हुई, 70 व्यक्ति लापता: मीडिया

भाषा। हनोई

वियतनाम में तूफान यागी और उसके बाद भारी बारिश के चलते आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 87 हो गई, जबकि 70 लोग लापता हैं और सैकड़ों घायल हैं। यह जानकारी सरकारी मीडिया ने दी। तूफान यागी दशकों में वियतनाम में आने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान था। यह शनिवार को जब टकराया था तब 149 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चली थीं। इसके चलते नौ लोगों की मौत हो गई और फिर रविवार को यह कमज़ोर पड़ गया, लेकिन बारिश जारी है। वियतनाम के सरकारी प्रसारक वीटीवी ने बताया कि 87 लोगों की मौत हो गई है और 70

लोग लापता हैं। उसने बताया कि ज्यादातर मौतें बाढ़ और भूस्खलन के कारण हुई हैं। राजधानी हनोई से होकर बहने वाली रेड नदी सहित कई नदियों में जलस्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया है। प्राधिकारियों ने मंगलवार को हनोई में नदी के करीब रहने वाले परिवारों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। सोमवार को एक पुल गिर गया और एक बस बह गई, जबकि हाइफोंग जैसे उत्तरी प्रांतों में कारखाने क्षतिग्रस्त हो गए। सबसे ज्यादा प्रभावित प्रांतों में से एक काओ बैंग है, जहां पहाड़ी क्षेत्र में भूस्खलन के कारण 19 लोग मारे गए और 36 अन्य लापता हैं। सरकारी मीडिया वीएन एक्सप्रेस ने कहा कि सोमवार को काओ बैंग में भूस्खलन के कारण करीब 20 लोगों को ले जा रही एक बस बाढ़ वाली धारा में पलट गई। उसने बताया कि बस बह गई और बचाव दल केवल एक व्यक्ति को बचा पाए हैं। दो शव बरामद किए गए और अन्य लापता हैं। भारी बारिश और भूस्खलन के चलते चीन की सीमा से लगे उत्तर-पश्चिमी लाओ कै प्रांत में भी 19 लोगों की मौत हो गई।

नेपाल में मादक पदार्थों के साथ दो भारतीय नागरिक गिरफ्तार

काठमांड। पश्चिमी नेपाल में मंगलवार को मादकपदार्थों के साथ कम से कम दो भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। नेपाल पुलिस की समाचार बुलेटिन के अनुसार, उत्तर प्रदेश के बलरामपुर निवासी 24 वर्षीय दानिश अख्तर खान और 22 वर्षीय मार्कण्डेय मिश्रा को मादक पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि यह गिरफ्तारी डांग जिले के लमही नगरपालिका स्थित स्वर्गद्वारी गेस्ट हाउस से की गई। पुलिस ने बताया कि उनके पास से 520 मिलीग्राम ब्राउन शुगर जैसा पदार्थ जब्त किया गया है।

चीन के औषधि नियामक ने एमपॉक्स टीके के क्लीनिकल परीक्षण को मंजूरी दी

बीजिंग। चीन के शीर्ष औषधि नियामक ने स्थानीय दवा कंपनी सिनोफार्म द्वारा विकसित एमपॉक्स टीके के क्लिनिकल परीक्षण को मंजूरी दे दी है, जो घातक बीमारी से लड़ने के लिए देश की पहली प्रायोगिक खुराक हो सकती है। कंपनी ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि घरेलू टीका निर्माता से एमपॉक्स संक्रमण को रोकने और नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। चीन में अभी तक एमपॉक्स के उपचार में इस्तेमाल के लिए किसी टीके को मंजूरी नहीं मिली है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर अमेरिका, कनाडा, यूरोपीय संघ, जापान और रूस में कुछ टीकों को मंजूरी मिल चुकी है।

सोशल मीडिया तक बच्चों की पहुंच को लेकर न्यूनतम उम्र का प्रावधान

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया की सरकार ने मंगलवार को वादा किया कि वह सोशल मीडिया तक बच्चो की पहुंच के लिए न्यूनतम उम्र निर्धारित करने को लेकर इस वर्ष कानून बनाएगी। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि सरकार जल्द ही बच्चों को सोशल मीडिया अकाउंट खोलने से रोकने के लिए उम्र सत्यापन तकनीक का परीक्षण करेगी। कई देश और अमेरिकी राज्य बच्चो को सोशल मीडिया से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए कानून बनाने का प्रयास कर रहे है। ऑस्ट्रेलिया ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब अभिभावक अपने बच्चों के लिए ऑनलाइन सुरक्षा की मांग कर रहे है।

भारतीय उच्चायोग क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन की सह-मेजबानी करेगा

सिंगापुर। भारतीय उच्चायोग और सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (एनयूएस) का भाषा अध्ययन केंद्र इस सप्ताह के अंत में सिंगापुर मे संयुक्त रूप से क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन करेंगे। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एनयूएस के भाषा अध्ययन केंद्र की डॉ. संध्या सिंह ने बताया कि दक्षिण-पूर्व एशिया मे हिंदी: विकास की नवीन दिशाएं विषय पर आयोजित इस सम्मेलन मे दक्षिण-पूर्व एशिया और अन्य स्थानो के शिक्षाविद, शोधकर्ता और पेशेवर भाग लेगे। यह सम्मेलन 13 से 15 सितंबर तक आयोजित होगा।

अमिताव घोष 2024 के ब्रिटिश एकेडमी बुक प्राइज की दौड़ में शामिल

लंदन। प्रसिद्ध भारतीय लेखक अमिताव घोष का नाम मंगलवार को ब्रिटिश एकेडमी बुक प्राइज फॉर ग्लोबल कल्चरल अंडरस्टैंडिंग 2024 के संभावित विजेताओं मे चुना गया। यह कथेतर (नॉन फिक्शन) साहित्य के क्षेत्र में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है जिसमे 25,000 पाउंड की इनाम राशि प्रदान की जाती है। घोष की कृति स्मोक एंड एशेज: ओपियम्स हिडेन हिस्ट्रीज का मुकाबला पांच अन्य अंतरराष्ट्रीय कृतियो के साथ है। यह पुरस्कार विश्व में कहीं भी रहने वाले और किसी भी भाषा में काम करने वाले किसी भी नागरिकता वाले लेखक के लिए खुला है।

गाजा में फलस्तीनी शिविर पर इजराइली हमले में 19 लोगों की मौत

60 घायल : फलस्तीन

भाषा। देर अल-बला

गाजा में युद्ध से विस्थापित फलस्तीनियों के भीड़भाड़ वाले शिविर पर मंगलवार तड़के हुए एक इजराइली हमले में कम से कम 19 लोग मारे गए और 60 अन्य घायल हुए हैं। फलस्तीनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इजराइल ने कहा है कि उसने हमास के वरिष्ठ आतंकवादियों को लक्षित कर हमला किया।यह हमला मुवासी पर हुआ, जो गाजा तट पर स्थित है जहां तम्बुओं वाला शिविर स्थित है। इसे यरूशलम ने इजरायल-हमास युद्ध से बचने के लिए शरण लेने वाले लाखों लोगों के लिए मानव आबादी वाला क्षेत्र घोषित किया था। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उसने हमले में कम से कम 19 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। वहीं, और शव बरामद होने पर यह संख्या बढ़ सकती है। हमास संचालित सरकार के तहत काम करने वाले सिविल डिफेंस ने पहले कहा था कि हमले में 40 लोग मारे गए हैं। मंत्रालय हमास संचालित सरकार का हिस्सा है, लेकिन इसके आंकड़े आम तौर पर विश्वसनीय माने जाते हैं। यह विस्तृत रिकॉर्ड रखता है और पिछले युद्धों के इसके आंकड़े काफी हद तक स्वतंत्र शोधकर्ताओं, संयुक्त राष्ट्र और यहां तक कि इजराइली सेना के आंकड़ों से मेल खाते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय और नागरिक सुरक्षा, दोनों ने ही अपने आंकड़ों में विसंगति पर टिप्पणी के अनुरोध का अभी जवाब

नहीं दिया है। हमास आतंकवादी समूह के साथ एक अस्थाई संघर्ष विराम समझौते पर पहुंचने का अवसर समाप्त हो रहा है, जिसके बारे में उनका मानना है कि इससे लेबनान के साथ देश की अस्थिर उत्तरी सीमा पर भी अशांति आ सकती है। पत्रकारों से बात करते हुए, योआव गैलेंट ने कहा कि कम से कम छह सप्ताह का युद्ध विराम करने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं, जिसमें गाजा में बंधक बनाए गए कई लोगों की रिहाई भी शामिल होगी। हालांकि, वह लड़ाई को स्थाई रूप से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध नहीं होंगे, जैसा कि हमास ने मांग की है।

गाजा में मानव बस्ती वाले इलाके पर हमले में 40 लोगों की मौत : अधिकारी

यरुशलम। गाजा पट्टी मे एक इलाके पर इजराइल के हमले मे कम से कम 40 लोगो की मौत हो गई है और 60 अन्य घायल हो गए। अधिकारियो ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इजराइल ने जिस जगह पर हमला किया है वहां इजराइल-हमास युद्ध मे विस्थापित हुए फलस्तीनियो ने शरण ली हुई है। फलस्तीनी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने अपनी रिपोर्ट मे चिकित्सा अधिकारियो के हवाले से हमले मे मारे गए लोगो की संख्या बताई। खान यूनिस के पश्चिम मे तटीय मवासी मे हमले के बारे मे विस्तृत जानकारी अभी स्पष्ट नही है।

क्विक न्यूज

वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड लू भारत और बांग्लादेश की यात्रा करेंगे

वाशिंगटन। अमेरिका के एक वरिष्ठ राजनयिक इस सप्ताह भारत और बांग्लादेश की यात्रा करेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि राजनयिक की इस यात्रा का मकसद अमेरिकी साझेदारो के आर्थिक विकास का समर्थन करने और पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र मे स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि करना है। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू सबसे पहले नई दिल्ली जाएंगे जहां वह अमेरिका-भारत व्यापार परिषद द्वारा आयोजित इंडिया आइडियाज शिखर सम्मेलन मे विकास, सुरक्षा और महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अमेरिका और भारत के बीच सहयोग पर प्रकाश डालेंगे। लू 10 सितंबर से 16 सितंबर तक यात्रा पर रहेंगे और इस दौरान वह हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलो के लिए अमेरिकी प्रधान उप सहायक रक्षा मंत्री जेडीडिया पी रॉयल और भारत के विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के समकक्षों के साथ आठवी अमेरिका-भारत टू प्लस टू अंतर-सत्रीय वार्ता की सह-अध्यक्षता भी करेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति मे कहा कि इस वार्ता के दौरान रक्षा क्षेत्र मे सहयोग सहित अमेरिका-भारत द्विपक्षीय साझेदारी बढ़ाने के अवसरो की पहचान की जाएगी तथा हिंद-प्रशांत और उससे परे अमेरिका-भारत सहयोग का विस्तार किया जाएगा। लू ढाका मे बांग्लादेशी अंतरिम सरकार के साथ बैठकों के लिए एक अंतर-एजेंसी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा होगे। प्रतिनिधिमंडल मे अमेरिकी वित्त मंत्रालय, यूएसएआईडी (अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए अमेरिकी एजेंसी) और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

मालदीव के राष्ट्रपति बहुत जल्द भारत की यात्रा करेंगे

माले। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू बहुत जल्द भारत की आधिकारिक यात्रा करेंगे। उनकी प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रपति कार्यालय की मुख्य प्रवक्ता हीना वलीद ने मुइज्जू की यात्रा की घोषणा उस दिन की जब जनवरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों के लिए निलंबित किए गए तीन में से दो कनिष्ठ मंत्रियों ने सरकार से इस्तीफा दे दिया। निलंबित मंत्रियो मरियम शिउना तथा मालशा शरीफ ने मंगलवार को इस्तीफा दिया।ऑनलाइन समाचार पोर्टल सन की खबर के अनुसार, प्रवक्ता ने कहा कि यात्रा की सटीक तारीख अभी तय नही हुई है और दोनो पक्ष ऐसी तारीख पर चर्चा कर रहे है, जो दोनो देशो के नेताओ के लिए सुविधाजनक हो। प्रवक्ता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, राष्ट्रपति का जल्द ही भारत जाने का कार्यक्रम है। जैसा कि आप जानते है, ऐसी यात्राएं ऐसे समय निर्धारित की जाती है, जो दोनों देशो के नेताओं के लिए अधिकतम सुविधाजनक हो। इस संबंध मे चर्चा जारी है। चीन समर्थक रुख के लिए जाने जाने वाले मुइज्जू ने प्रधानमंत्री मोदी के शपथग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए 9 जून को नई दिल्ली की यात्रा की थी। द संभालने के बाद सबसे पहले नई दिल्ली की यात्रा करने वाले अपने पूर्ववर्तियो के विपरीत मुइज्जू ने सबसे पहले तुर्किए की यात्रा की और जनवरी मे अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर चीन पहुंचे थे। मोदी के शपथग्रहण समारोह में भारत के पड़ोसी और हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के प्रमुख शामिल हुए थे।

हमारी सेना ने वेस्ट बैंक में संभवतः अनजाने में अमेरिकी कार्यकर्ता को गोली मारी: इजराइल

रामल्ला। इजराइल की सेना ने मंगलवार को कहा कि पिछले हफ्ते वेस्ट बैंक में मारी गई एक अमेरिकी कार्यकर्ता को इजराइली बलों ने संभवत: अनजाने में गोली मार दी, जो किसी और को निशाना बनाने चाहते थे। गोलीबारी के गवाह रहे इजराइली प्रदर्शनकारी जोनाथन पोलाक के अनुसार, कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजराइली बस्तियों के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान शुक्रवार को सिएटल की 26 वर्षीय कार्यकर्ता एसेनूर एजगी एगी गोली लगने से मारे गए। अमेरिकी कार्यकर्ता के पास तुर्किए की नागरिकता भी थी।उसे घटना पर अत्यधिक दुख है और जांच के बाद पाया गया कि इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि कार्यकर्ता को अनजाने में सेना की गोली लगी। निशाना अमेरिकी कार्यकर्ता नहीं, बल्कि दंगा भड़काने वाला एक प्रमुख व्यक्ति था।

यूक्रेन ने दागे 140 से अधिक ड्रोन, मॉस्को सहित रूस के कई क्षेत्रों को निशाना बनाया

भाषा। मॉस्को

यूक्रेन द्वारा दागे गए 140 से अधिक ड्रोन ने रात भर में राजधानी मॉस्को सहित कई क्षेत्रों को निशाना बनाया जो रूस के खिलाफ देश के अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक है। रूसी अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने बताया कि मॉस्को के पास रामेंस्कोए शहर में ड्रोन ने दो बहु-मंजिला आवासीय इमारतों को निशाना बनाया जिससे उनमें आग लग गई। यह इस महीने रूस पर दूसरा बड़ा यूक्रेनी ड्रोन हमला था। एक सितंबर को रूसी सेना ने कहा था कि उसने एक दर्जन से अधिक रूसी क्षेत्रों में यूक्रेन द्वारा दागे गए 158 ड्रोन को मार गिराया है, जिसे

रूसी मीडिया ने युद्ध की शुरुआत के बाद से सबसे बड़ा यूक्रेनी ड्रोन हमला बताया था। रूस की जांच समिति ने एक आतंकवादी हमले के रूप में वर्णित इस हमले की आपराधिक जांच की घोषणा की थी। मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने कहा कि सोमवार को मॉस्को में हुए ड्रोन हमले का मलबा शहर के बाहरी इलाके में एक निजी घर पर जा गिरा, लेकिन इसमे कोई हताहत नहीं हुआ उन्होंने मॉस्को की ओर बढ़ रहे दर्जनों ड्रोन को देखा जिन्हें शहर के करीब आते ही सेना ने मार गिराया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने नौ रूसी क्षेत्रों में यूक्रेन द्वारा दागे गए कुल 144 ड्रोन को मार गिराया। इस बीच संयुक्त राष्ट्र के अनुसार रूस ने यूक्रेन पर मिसाइलों, ग्लाइड बमों और अपने ड्रोन से हमला किया है, जिसमें 10,000 से अधिक नागरिकों की मौत हो चुकी है यूक्रेनी अधिकारियों ने शिकायत की है कि देश के पश्चिमी भागीदारों द्वारा दिए गए हथियार यूक्रेनी सेना की ज़रूरतों के हिसाब से कम हैं और सामान्य तौर पर वादा किए जाने के काफी समय बाद आते हैं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रक्षा कंपनियों से अपना उत्पादन बढ़ाने का आग्रह किया है।

जेल में बंद इमरान खान ने सरकार के साथ बातचीत के दरवाजे किए बंद

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सरकार के साथ बातचीत के दरवाजे बंद करने का मंगलवार को ऐलान किया। एक मामले की सुनवाई के बाद रावलपिंडी की अदियाला जेल में पत्रकारों से बात करते हुए खान (71) ने सरकार पर उन्हें (उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ) धोखा देने का आरोप लगाया। खान ने कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी को किसी चर्चा में शामिल नहीं होने का निर्देश दिया था। खान ने कहा, सरकार ने हमें धोखा दिया और आज से मैं उससे तथा किसी भी अन्य दल के साथ बातचीत के दरवाजे बंद कर रहा हूं। खान ने कहा कि उन्होंने पार्टी के छह नेताओं को सरकार से बातचीत करने की अनुमति दी थी लेकिन वार्ता में शामिल होने से किसी को रोका नहीं था। चाहे अनुमति मिले या नहीं, 21 सितंबर को लाहौर में रैली की जाएगी।

ICICI Bank

शाखा कार्यालयः आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नं. 23, शाल टॉवर, तीसरी मंजिल न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005

सार्वजनिक सूचनाः
बिल्डर निरस्तीकरण

सार्वजनिक सूचनाः
आपके ध्यान में लाया जाता है कि प्रियंका सिंह/राजेश कुमार (उधारकर्ता/ओं) ने फ्लैट सं. 7026, फ्लोर सं. 2 टावर–7 पॉकेट–पी7, प्लॉट सं. जीएच–02ए, एटीएस एल्योर सेक्टर–22डी यमुना एक्सप्रेस ग्रेटर नोएडा–201307, उत्तर प्रदेश में स्थित, सुविधा समझौता सं. LBNOD00004043408 के अंतर्गत गृह ऋण सुविधा का लाभ उठाया है। उधारकर्ता/ओं समझौते के नियमों और शर्तों के अनुसार बिल्डर को संविदागत राशि का भुगतान करने में विफल रहा है।
बैंक उसकी सूचना कर्जदार को पत्र दिनांकित 02 मार्च, 2024 के माध्यम से दे चुका है, जिसमें सूचित किया गया है कि एटीएस रियल्टी प्रा. लि. ने उपरिवर्णित सम्पत्ति का आबंटन निरस्त कर दिया है। अतः आपसे अनुरोध किया जाता है कि बिल्डर के साथ यह मामला इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिन के भीतर सुलझा लें।
कृपया यह भी ध्यान दे कि उक्त संपत्ति के आबंटन निरस्त करने के पश्चात आईसीआईसीआई बैंक बिल्डर द्वारा किए गए किसी भी अन्य आवंटन के लिए बाध्य और/या उत्तरदायी नहीं होगा।
दिनांक : सितम्बर 11, 2024 — कृते आई सी आई सी आई बैंक लिमिटेड
स्थानः दिल्ली/एनसीआर — हस्ता/–

शुद्धिपत्र

ICICI Bank

शाखा कार्यालयः आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड प्लॉट नं. 23, शाल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005

ऋण खाता सं. 042305002129 हेतु सरफेसी अधिनियम के तहत मांग सूचना प्रकाशन, उधारकर्ता का नाम श्री निकुंज फ्रूट एजेंसी, परवीन कुमार, लाल मती, राधे श्याम, परवीन कुमार पुत्र श्री हुकम चंद, श्रीमती लाल मति पत्नी श्री राधे श्याम, और डिमांड नोटिस दिनांक 17 फरवरी, 2024 और प्रकाशन दिनांक 19 मार्च, 2024 को द पायनियर (अंग्रेजी और हिंदी) और प्रतीकात्मक कब्जे के नोटिस दिनांक 22 मई, 2024 को प्रकाशित हुए थे और इसका प्रकाशन दिनांक 25 मई, 2024 को द पायनियर (अंग्रेजी और हिंदी) और दैनिक उत्तम हिंदू और भौतिक कब्जे के नोटिस दिनांक 06 अगस्त, 2024 को द पायनियर (अंग्रेजी और हिंदी) और दैनिक उत्तम हिंदू में हुआ और इसका प्रकाशन दिनांक 08 अगस्त, 2024 को द पायनियर (अंग्रेजी और हिंदी) और दैनिक उत्तम हिंदू में हुआ, प्रतिभूतिकरण, वित्तीय परिसंपत्ति का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत और धारा 13 (2) और 13 (4) के तहत प्रदत्त शक्ति के तहत फर्म का नाम क्रमशः उपर्युक्त सभी नोटिस और इसका प्रकाशन है।
हम यह उल्लेख करना चाहते हैं जाने अनजाने में एक टाइपोग्राफिकल त्रुटि हुई है कि फर्म के पता में वाणिज्यिक संपत्ति/दुकान सं. ए–1037, क्षेत्रफल 180 वर्ग फीट, न्यू सब्जी मंडी के लेआउट प्लान में, आजादपुर, दिल्ली में स्थित और वाणिज्यिक संपत्ति/दुकान सं. ए–1037, क्षेत्रफल 16.72 वर्ग मी. न्यू सब्जी मंडी के लेआउट प्लान में, आजादपुर, दिल्ली में स्थित
इसलिए, हम आपसे अनुरोध करते हैं कि कृपया इसे वाणिज्यिक संपत्ति/दुकान सं. ए–1037, क्षेत्रफल 16.72 वर्ग मी. न्यू सब्जी मंडी के लेआउट प्लान में, आजादपुर, दिल्ली में स्थित पढ़ा जाएं।
दिनांक : सितम्बर 11, 2024 — प्राधिकृत अधिकारी
स्थानः दिल्ली — आई सी आई सी आई बैंक लिमिटेड

पूर्वी तिमोर में पोप फ्रांसिस की प्रार्थना सभा में जुटे लाखों लोग

भाषा। तासीतोलू (पूर्वी तिमोर)

पूर्वी तिमोर में पोप फ्रांसिस की प्रार्थना सभा में मंगलवार को समुद्र किनारे एक पार्क में करीब 6,00,000 लोग शामिल हुए जो इस दक्षिण पूर्व एशियाई देश की लगभग आधी आबादी है। इसी पार्क में सेंट जॉन पॉल द्वितीय ने इंडोनेशिया से देश की आजादी के लिए संघर्ष के दौरान प्रार्थना सभा की थी। प्रार्थना सभा में भाग लेने के लिए आई 44 वर्षीय डिर्से मारिया टेरेसा फ्रेटास ने कहा, हम बहुत खुश हैं कि पोप तिमोर आए हैं क्योंकि यह हमारे देश तथा हमारे लोगों के लिए एक आशीर्वाद है। ऐसा बताया जाता है कि इंडोनेशियाई सैनिकों ने पूर्वी तिमोर के अपने 24 साल के शासन के दौरान जिन लोगों की हत्या की थी, उनके शवों को तासीतोलू में ही दफनाया था। अब इसे पार्क ऑफ पीस के नाम से जाना जाता है और इसमें जॉन पॉल की 1989 की यात्रा की याद में उनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित है। जॉन पॉल की यात्रा ने तिमोर के लोगों की दुर्दशा पर ध्यान खींचा था। सरकारी प्राधिकारियों ने कहा कि करीब 3,00,000 लोगों ने प्रार्थना सभा में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया था लेकिन राष्ट्रपति जोस रामोस-होर्ता ने 7,00,000 और वेटिकन ने 7,50,000 लोगों के भाग लेने की उम्मीद जताई थी। फ्रांसिस सोमवार को पूर्वी तिमोर पहुंचे थे और मंगलवार सुबह वह दिव्यांग बच्चों के लिए एक धार्मिक संगठन द्वारा संचालित आश्रय गृह गए।

कुछ कड़े फैसले करने होंगे: ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टॉर्मर

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टॉर्मर के लिए मंगलवार का दिन कठिन परीक्षा वाला होगा जब सांसद उस भुगतान में कटौती के विवादास्पद निर्णय पर मतदान करेंगे जिससे लाखों पेंशनभोगियों को सर्दियों में घर को गर्म रखने के लिए होने वाले खर्च का प्रबंधन करने में मदद मिलती है। सबसे गरीब सेवानिवृत्त कर्मचारियों को छोड़कर सभी के लिए प्रति वर्ष 200 से 300 पाउंड के बीच का शीतकालीन ईंधन भत्ता हटाने का निर्णय आवश्यक है, क्योंकि पूर्ववर्ती कंजर्वेटिव सरकार सार्वजनिक वित्त की स्थिति बहुत खराब छोड़कर गई है। हालांकि जुलाई में चुनाव में भारी जीत हासिल करने के बाद सरकार के पहले आर्थिक कदमों में से एक से निश्चित आय वाले लोगों के प्रभावित होने के मद्देनजर लेबर पार्टी में बेचैनी उत्पन्न हो गई।

गुतारेस भारत की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया :राजूदत हरीश

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र में भारत के नए स्थाई प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने यहां संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस को अपना परिचय पत्र सौंपते हुए इस विश्व निकाय में बहुपक्षवाद में सुधार और इसके पुनरुद्धार के प्रति अपने देश की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। हरीश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस को अपना परिचय पत्र प्रस्तुत करते हुए बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व करना बहुत गर्व और बड़ी जिम्मेदारी की बात है। न्होंने भारत के प्रति मित्रता और समर्थन के लिए गुतारेस का आभार भी जताया।

प्रधानमंत्री का पैदा किया डर अब इतिहास: राहुल

भाषा। वाशिंगटन

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि इस बार भारत में आम चुनाव के नतीजों ने मोदी का विचार ध्वस्त कर दिया और प्रधानमंत्री द्वारा पैदा किया गया डर गायब हो गया तथा इतिहास बन गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल अभी अमेरिका की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। उन्होंने सोमवार को यहां प्रतिष्ठित जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी और वाशिंगटन डीसी के वर्जीनिया के एक उपनगर हर्नडॉन में एक अन्य कार्यक्रम को संबोधित किया। राहुल ने कहा कि लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए सभी को समान अवसर उपलब्ध नहीं थे और उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई में सत्तारूढ़ गठबंधन ध्वस्त हो गया, एकदम बीच से टूट गया। राहुल ने कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद चीजें बदल गई हैं। उन्होंने कहा, मोदी जी द्वारा पैदा किया डर एक सेकंड में गायब हो गया। उस डर को पैदा करने में कई साल लग गए, बहुत सारी योजनाएं बनाई गई और काफी पैसा लगाया गया लेकिन इसे खत्म होने में केवल एक सेकंड लगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस साल लोकसभा चुनाव के बाद लगातार तीसरी बार सरकार बनाई लेकिन भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला। मैं आपको बता दूं कि मोदी का विचार – 56 इंच का सीना, ईश्वर से सीधा जुड़ाव– सब गायब हो गया, अब यह इतिहास है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सत्तारूढ़ गठबंधन टूट गया है और बिल्कुल बीच से टूट गया है। कांग्रेस नेता ने कहा, यह महज प्रधानमंत्री के बारे में नहीं है, यह उससे कहीं अधिक गहरा है।

स्पेसवॉक को रवाना हुए इसाकमैन

केप केनावेरल। उद्योगपति जेयर्ड इसाकमैन ने मंगलवार को एक बार फिर अंतरिक्ष मे जाने का साहस दिखाया और उनकी इस अंतरिक्ष यात्रा का उद्देश्य पहली बार निजी तौर पर अंतरिक्ष मे चहलकदमी करना है।

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर–23, शाल टावर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110005

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।
कर्ज़दार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	देवेन्द्र प्रताप सिंह/दीपमाला सिंह– LBSUL00002091257	मकान नंबर 116ए, अभय खंड–III, इंद्रापुरम, गाजियाबाद/ सितंबर 07, 2024	जुलाई 26, 2016 रु. 32,48,054/–	सुल्तानपुर/ गाजियाबाद

उपरोक्त कर्ज़दार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी।
दिनांक : सितंबर 11, 2024 — भवदीय, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
स्थान : गाजियाबाद — आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता को 75 लाख

● रजत और कांस्य विजेता को 50 और 30 लाख रुपए मिले

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बांटी धनराशि

भाषा। नई दिल्ली

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल में संपन्न पेरिस पैरालंपिक खेलों में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों को मंगलवार को नकद पुरस्कार दिए जिसमें स्वर्ण पदक विजेताओं को 75 लाख, रजत पदक विजेताओं को 50 लाख और कांस्य पदक विजेताओं को 30 लाख रुपए दिए गए। तीरंदाज शीतल देवी की तरह मिश्रित टीम स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 22.5 लाख रुपए का पुरस्कार दिया गया। यहां पदक विजेताओं और पेरिस पैरालंपिक के अन्य प्रतिभागियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित समारोह में खेल मंत्री ने पदक विजेताओं को चैक सौंपे।मांडविया ने 2028 लॉस एंजिलिस पैरालंपिक में अधिक पदक जीतने के लिए पैरा खिलाड़ियों को पूर्ण समर्थन और सुविधाएं देने का भी वादा किया।उन्होंने कहा, देश पैरालंपिक और पैरा खेलों में आगे बढ़ रहा है। 2016 में 4 पदकों से, भारत ने तोक्यो में 19 पदक, पेरिस में 29 पदक जीते और 18वें स्थान पर रहा। मांडविया ने कहा, हम अपने सभी पैरा खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं प्रदान करेंगे ताकि हम 2028 लॉस एंजिल्स पैरालंपिक में और अधिक पदक तथा स्वर्ण पदक जीत सकें। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा, आपने देश का सम्मान बढ़ाया है, आपने दिखाया है कि आप जीवन की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकते हैं। उन्होंने कहा, लेकिन आपको अब रुकना नहीं चाहिए। हमें लॉस एंजिलिस पैरालंपिक (2028) में और फिर 2032 के लिए तैयारी शुरू कर देनी चाहिए और अधिक से अधिक पदक जीतने चाहिए। हमारा लक्ष्य 2036 में संभवत: भारत की मेजबानी में ओलंपिक और पैरालंपिक का आयोजन किए जाने पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होना चाहिए। भारत ने पेरिस पैरालंपिक में अपने ऐतिहासिक अभियान का समापन 29 पदकों के साथ किया जिसमें सात स्वर्ण, नौ रजत और 13 कांस्य पदक शामिल हैं जो प्रतियोगिता के इतिहास में देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल और नवदीप सिंह जैसे स्वर्ण पदक विजेताओं ने कहा कि वे लॉस एंजिल्स 2028 में अपने खिताब का बचाव करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। मंगलवार के सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में पैरा ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ियों को खेल मंत्री से चैक मिले। पैरा ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ियों ने चार स्वर्ण सहित अभूतपूर्व 17 पदक जीते।ारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझडिया ने कहा कि पैरालंपिक शक्ति के रूप में भारत का उभरना खिलाड़ियों और कोच सहित सभी संबंधित हितधारकों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। सुमित और नवदीप के अलावा ट्रैक एवं फील्ड के अन्य स्वर्ण विजेता उंची कूद के खिलाड़ी प्रवीण कुमार, क्लब थ्रो खिलाड़ी धर्मबीरऔर तीरंदाज हरविंदर को भी खेल मंत्री से चेक मिले।

पैरालंपियनों को जोरदार स्वागत

नई दिल्ली। पेरिस में हाल ही में संपन्न हुए पैरालंपिक खेलो में 29 पदक जीतने वाले भारत के पैरालंपिक पदक विजेताओ का मंगलवार को यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सैकड़ो समर्थको ने फूल-मालाओं और मिठाइयों के साथ जोरदार स्वागत किया। आज सुबह जब खिलाड़ी हवाई अड्डे से बाहर निकले तो ढोल की थाप और जयघोष के साथ उनका स्वागत किया गया। समर्थक, खेल प्रशासक और परिवार के लोग खिलाड़ियों का स्वागत करने पहुंचे। भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल ने पीटीआई से कहा, इस भव्य स्वागत के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। सुमित ने 70.59 मीटर के प्रयास के साथ खेलो का अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर एफ64 श्रेणी में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता। वह मौजूदा विश्व चैंपियन निशानेबाज अवनि लेखरा के बाद पैरालंपिक खिताब का बचाव करने वाला दूसरा भारतीय खिलाड़ी बना। अवनि ने तोक्यो खेलो में महिलाओ की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच। स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के बाद पेरिस खेलो में भी इसी स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वह अपनी स्पर्धाएं पूरी करने के बाद पिछले सप्ताह देश लौटी थी।अंतिल ने 2015 मे मोटरसाइकिल दुर्घटना में घुटने के नीचे अपना बायां पैर खो दिया था। दुर्घटना से पहले वह सक्षम खिलाड़ियों के वर्ग में पहलवान थे। दुर्घटना के बाद घुटने के नीचे उनका पैर काटना पड़ा था।

दलीप ट्रॉफीः राष्ट्रीय टीम में चुने गए खिलाड़ियों के जाने के बाद रिंकू को दूसरे दौर के लिए चुना गया

अनंतपुर। ऋषभ पंत, लोकेश राहुल और शुभमन गिल सहित बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के लिए भारतीय टीम में चुने गए अधिकतर खिलाड़ियों को 12 सितंबर से यहां शुरू हो रहे दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर से मंगलवार को आराम दिया गया। रविवार को राष्ट्रीय टीम में आकाश दीप, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल को भी जगह मिली। इन सभी को दूसरे दौर में खेलने से छूट दी गई है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल और सरफराज खान को हालांकि दलीप ट्रॉफी से नहीं हटाया गया है जिससे संकेत मिलते हैं कि वे चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय एकादश का हिस्सा नहीं होंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बयान में कहा, चयनकर्ताओं ने गिल के विकल्प के तौर पर प्रथम सिंह (रेलवे), लोकेश राहुल के विकल्प के तौर पर अक्षय वाडकर (विदर्भ) और जुरेल के विकल्प के तौर पर एसके रशीद (आंध्र) को चुना है। बयान के अनुसार, बाएं हाथ के स्पिनर शम्स मुलानी टीम में कुलदीप की जगह लेंगे जबकि आकाशदीप की जगह आकिब खान (उत्तर प्रदेश) को चुना गया है। गिल की जगह मयंक अग्रवाल को भारत ए टीम का कप्तान बनाया गया है।जायसवाल और पंत के विकल्प के तौर पर चयनकर्ताओं ने सुयश प्रभुदेसाई और रिंकू सिंह को चुना है।भारत डी टीम में अक्षर के स्थान पर निशांत संधू को जगह मिली है।तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे हल्की चोट के कारण मुकाबले से बाहर हो गए हैं।

कर्नाटक की हशिका ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल तैराकी में 13 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

मेंगलुरू। कर्नाटक की हशिका रामचंद्र ने 77वीं सीनियर राष्ट्रीय तैराकी चैम्पियनशिप मे महिलाओं के 400 मीटर फ्रीस्टाइल वर्ग मे 13 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। हशिका ने झारखंड की रिचा मिश्रा का 4 : 25 . 76 मिनट का रिकॉर्ड तोड़ते हुए चार मिनट 24 . 70 सेकंड का समय निकाला। पुरूषों के 400 मीटर मे कर्नाटक के अनीश एस गौड़ा ने 3 : 56 . 59 मिनट के साथ जीत दर्ज की। तमिलनाडु के सुरेश ने पुरूषों के 200 मीटर ब्रीस्ट स्ट्रोक मे 2 : 18 . 85 मिनट के साथ स्वर्ण पदक जीता।

जूनियर हॉकी में मध्य प्रदेश, उप्र और पंजाब जीते

जालंधर। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम और पंजाब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को यहां 14वीं पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में अपने-अपने मुकाबले जीते।दिन के पहले मैच मे मध्य प्रदेश ने छत्तीसगढ़ को 6-0 से हराया जबकि उत्तर प्रदेश ने चंडीगढ़ को 8-0 से शिकस्त दी। हिमाचल प्रदेश ने एक अन्य एकतरफा मुकाबले मे गोवा को 11-। से हराया जबकि मणिपुर को भी महाराष्ट्र के खिलाफ 7-0 की जीत दर्ज करने मे अधिक परेशानी नही हुई।दिन के अंतिम मैच में पंजाब ने बिहार को 6-। से हराया।

ईएफआई 12 से जंपिंग क्लासिक्स का आयोजन करेगा

बेंगलुरू। विश्व चैलेंज के रजत पदक विजेता पुनीत जाखड़, जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन श्रेष्ठ राजू मेनटेना जैसे प्रतिभावान युवा राइडर बृहस्पतिवार से यहां शुरू हो रही भारतीय घुड़वारी महासंघ (ईएफआई) की जंपिग चिल्ड्रन क्लासिक्स मे हिस्सा लेगे। ईएफआई का 2024 घरेलू कैलेंडर शुरू हो चुका है और बुधवार को अंडर-14 ट्रायल के साथ प्रतियोगिता की शुरुआत होगी।यहां एंबेसी इंटरनेशनल राइडिंग स्कूल में लगभग 50 प्रतिभावान राइडर तीन आयु वर्ग गोल्ड (12 से 14 वर्ष), सिल्वर (10 से 14 वर्ष) और ब्रॉन्ज (10 से 14 वर्ष) मे हिस्सा लेगे। प्रतियोगिता से चुने गए राइडर (सिल्वर और ब्रॉन्ज वर्ग) भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे और विश्व टीम रैंकिंग मे प्रतिस्पर्धा करेंगे।

एमबापे के बिना भी जीता फ्रांस, हॉलैंड ने दिलाई नॉर्वे को जीत

जिनेवा। स्टार फॉरवर्ड किलियन एमबापे को विश्राम दिए जाने के बावजूद फ्रांस ने नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट मे बेल्जियम को 2-0 से हराया। एमबापे के पेरिस सेंट जर्मेन के दो पूर्व साथियो रैंडल कोलो मुआनी और ओस्मान डेम्बेले ने फ्रांस की तरफ से गोल किए। फ्रांस अपने पिछले मैच में शुक्रवार को इटली से 3-। से हार गया था लेकिन बेल्जियम के खिलाफ जीत से उसने टूर्नामेंट में आगे बढ़ने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इटली ने सोमवार को इज़राइल को 2-। से हराया और वह चार टीमो के ग्रुप मे शीर्ष पर है।इस बीच अर्लिंग हॉलैंड के 80वें मिनट मे किए गए निर्णायक गोल की मदद से नॉर्वे ने ऑस्ट्रिया पर 2-। से जीत दर्ज की।

इजराइल के राष्ट्रगान के समय इटली के प्रशंसकों ने दिखाई पीठ

बुडापेस्ट (हंगरी)। तटस्थ स्थल हंगरी मे खेले गए नेशंस लीग फुटबॉल मैच से पहले जब इजराइल का राष्ट्रगान बज रहा था तब इटली के काले कपड़े पहने हुए लगभग 50 प्रशंसको ने इसके विरोध मे अपनी पीठ दिखाई। इटली के इन प्रशंसकों ने सोमवार को खेले गए इस मैच में अपने देश का ध्वज भी हाथ मे ले रखा था जिस पर लिबर्टा (स्वतंत्रता) लिखा हुआ था। हमास के साथ युद्ध के कारण इज़राइल अपने घरेलू मैच हंगरी में खेल रहा है।

अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे दिन भी नहीं हो सका खेल

भाषा। ग्रेटर नोएडा

आउटफील्ड ढकने के लिए शामियाने का इस्तेमाल, गीली आउटफील्ड सुखाने के लिए इलेक्ट्रिक पंखे, डीडीसीए से ग्राउंड कवर उधार और यूपीसीए से उधार पर सुपर सोपर लेने के बावजूद ग्रेटर नोएडा में अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट में दूसरे दिन का खेल नहीं होने से काफी किरकिरी हुई है। शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर में लगातार दूसरे दिन एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी जिससे इस स्टेडियम पर प्रश्नचिन्ह लगे हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी हो रही है सो अलग। दोनों टीमों के बीच पहली बार हो रहा टेस्ट सोमवार से शुरू होना था लेकिन खिलाड़ियों की सुरक्षा का हवाला देकर अंपायरों ने पहले दिन का खेल रद्द कर दिया। सोमवार को शाम को एक घंटे बूंदाबांदी को छोड़कर बारिश नहीं हुई लेकिन मंगलवार को खेल की शुरूआत पर असर पड़ा। खेल सुबह आधा घंटा पहले शुरू होना था। आसमान साफ था लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद मैदान को खेलने लायक नहीं बनाया जा सका। मैदानकर्मी अभ्यास परिसर से सूखी घास लाकर मिड आन और मिडविकेट क्षेत्र में लगाने की कोशिश कर रहे थे। आफ साइड में तीन टेबल फैन भी लगाए गए ताकि उसे सुखाया जा सके। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी भी मौजूद थे जिनकी देखरेख में काम हो रहा था। अंपायरों ने तीन बार मुआयने के बाद दूसरे दिन का भी खेल रद्द कर दिया।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफीः जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगा भारत

भाषा। हुलुनबुइर (चीन)

पहले दो मैच में जीत से उत्साहित गत चैंपियन भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट में बुधवार को यहां मलेशिया के खिलाफ होने वाले मैच में जीत का अपना सिलसिला जारी रखने के लिए उतरेगी।भारतीय टीम ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता था लेकिन तब मैदानी गोल नहीं कर पाना उसके लिए चिंता का विषय बना हुआ था। प्रतियोगिता में भारत ने 15 गोल किए थे लेकिन इनमें केवल तीन मैदानी गोल शामिल हैं। वर्तमान टूर्नामेंट में हालांकि उसके युवा स्ट्राइकरों ने उसकी इस चिंता को कुछ हद तक कम किया है।ओलंपिक के बाद संन्यास लेने वाले गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने भी इस क्षेत्र में सुधार करने की जरूरत पर जोर दिया था। उन्होंने कहा था, अगर हमें भारतीय हॉकी टीम को अगले स्तर पर पहुंचाना है और ओलंपिक में लगातार पदक जीतने हैं तो हमें अधिक मैदानी गोल करने होंगे क्योंकि हमारी रक्षापंक्ति की भी अपनी सीमाएं हैं। भारतीय रक्षापंक्ति लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। उसने ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने में अहम भूमिका निभाई और एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भी उसने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है।भारत ने पहले मैच में मेजबान चीन को 3–0 से हराकर खिताब का बचाव करने के अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी। उसने अपने अगले मैच में जापान को 5–। से हराया था।भारत ने अभी तक जो आठ गोल किए हैं, उनमें सात मैदानी गोल शामिल है ।

चिराग सेन क्वालीफायर में हारे

भाषा। हांगकांग

त्रिसा-गायत्री की जोड़ी प्री-क्वार्टर फाइनल में

भारत के चिराग सेन और मानव चौधरी को हांगकांग बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल क्वालीफिकेशन के क्वार्टर फाइनल में मंगलवार को हार का सामना करना पड़ा, जबकि त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी महिला युगल के प्री–क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) के विश्व टूर सुपर 500 स्तर के स्पर्धा में त्रिसा और गायत्री की जोड़ी ने यूक्रेन की पोलिना बुग्रोवा और एवगेनिया कांतेमिर के खिलाफ जीत के साथ अपने अभियान का आगाज किया। भारतीय जोड़ी ने अंतिम–32 के इस मुकाबले को 21–14 21–13 से अपने नाम किया।रुतापर्णा पांडा और स्वेतापर्णा पांडा को महिला युगल के अंतिम 32 मैच में हालांकि चीनी ताइपे की सीह पेई शान और हंग एन–त्जु से 11–21, 8–21 से हार का सामना करना पड़ा। चिराग सेन ने क्वालीफायर दौर में अंतिम 16 दौर के मैच में कनाडा के लाई यिन चुंग 21–12 21–10 शिकस्त दी लेकिन इसी देश के एक अन्य खिलाड़ी शेंग शियाओदोंग के खिलाफ अगली बाधा पार करने में असफल रहे। वह शियाओदोंग से 12–21 21–13 14–21 की हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गए। मानव चौधरी ने क्वालीफायर के अंतिम 16 में यूक्रेन के ओलेक्सी टिटोव को 21–14 21–19 हराया लेकिन अगले दौर में हांगकांग के चान यिन चाक के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में 6–21 10–21 से हार गए।

45वां शतरंज ओलंपियाडः भारतीय टीमों की निगाहें फिर से पदक जीतने पर

भाषा। बुडापेस्ट

डी हरिका और आर वैशाली की अगुवाई वाली शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय महिला टीम बुधवार से यहां शुरू होने वाले 45वें शतरंज ओलंपियाड में पोडियम पर पहुंचने की मजबूत दावेदार होगी जबकि डी गुकेश की अगुवाई वाली पुरुष टीम से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। कोनेरू हम्पी इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रही हैं लेकिन इससे भारत की संभावनाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए क्योंकि वैशाली ने हाल में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है। हम्पी की गैर मौजूदगी में शीर्ष बोर्ड पर ग्रैंडमास्टर डी हरिका होंगी। उनके बाद अन्य बोर्ड पर वैशाली, दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल अपनी चुनौती पेश करेंगी। तानिया सचदेव को रिजर्व खिलाड़ी के रूप में टीम में चुना गया है लेकिन उन्हें भी कुछ मैच में उतारा जा सकता है। चीन प्रतियोगिता में अपनी कमजोर टीम उतार रहा है।

राष्ट्रमंडल शतरंज प्रतियोगिता में शुभी को दोहरी सफलता

नई दिल्ली। भारत की शुभी गुप्ता ने श्रीलंका के कलुतारा मे हाल मे समाप्त हुई राष्ट्रमंडल शतरंज चैंपियनशिप मे लड़कियो के अंडर-16 वर्ग मे स्वर्ण और अंडर-20 वर्ग मे कांस्य पदक जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। महिला फिडे मास्टर और लड़कियो के अंडर-19 वर्ग मे मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन शुभी ने अंडर-16 वर्ग मे शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने इस वर्ग मे सात बाजियां जीती जबकि दो बाजी ड्रॉ कराई। शुभी ने संभावित नौ मे से आठ अंक हासिल किए तथा हमवतन मृतिका मलिक (सात अंक) और यशवी जैन (6.5 अंक) को पीछे छोड़ा जिन्होने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। शुभी ने ओपन वर्ग मे अनुभवी ग्रैंडमास्टर्स, इंटरनेशनल मास्टर्स और महिला ग्रैंडमास्टर्स के खिलाफ शानदार खेल दिखाया। भारत की इस युवा खिलाड़ी ने लड़कियो के अंडर-20 वर्ग मे 4.5 अंको के साथ तीसरा स्थान हासिल करके कांस्य पदक जीता।।

विद्यालयी कुश्ती में छात्रों ने दिखाए दांव

लखनऊ। 'जनपदीय माध्यमिक विद्यालयी कुश्ती प्रतियोगिता 2024 ' बालक वग का आयोजन राष्ट्रपिता इण्टर कॉलेज इटौंजा के तत्वाधान में प्रधानाचार्य डॉ राधमोहन मिश्र के किया गया। अर्पित भारती, शुभ प्रथम स्थान,रामसजीवन, जतिन, सतीश, आफताब ,अरमान, शिवांशु , अभिषेक यादव,सचित,साहिल गौतम , उदयराज , निर्मल, अनुप यादव ,अनमोल सिंह, अब्बास अली,सत्यम, सुमित सोनी,बलराम यादव,मोहित कुमार ,आयुष सिंह, आदर्श यादव अभिषेक ने अपने-अपने वर्गों में सफलता हासिल की।

परंपरागत खेल महोत्सव 12 सितंबर को

लखनऊ। डॉ.सुरेंद्र सिंह मेमोरियल परंपरागत खेल महोत्सव के दूसरे संस्करण का आयोजन आगामी 12 सितंबर 2024 को महानगर स्थित हॉर्नर कॉलेज में किया जाएगा। हॉर्नर कॉलेज व यूपी नॉन ओलंपिक एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में स्कूली बच्चे सिकड़ी, गुट्टक,कंचे, पोशम्पा, घोड़ा जमाल खा, पंजा कुश्ती एवम सतौलिया जैसे परंपरागत खेलों में प्रतिभाग करेंगे। इन खेलों में प्री प्राइमरी, प्राइमरी, जूनियर एवम सीनियर वर्ग में स्पर्धाएं होंगी। इस प्रतियोगिता में मेजबान हॉर्नर कॉलेज सहित सीएमएस चौक, सीएमएस गोमतीनगर, सीएमएस स्टेशन रोड महानगरए सेंट रोज पब्लिक स्कूल, करियर कॉन्वेंट, एमिकस एकेडमी,स्प्रिंगडेल कॉलेज, मदर ब्लेस स्कूल सहित विभिन्न स्कूलों के लगभग 150 से अधिक बच्चे भाग लेंगे।

एनएचबीए डालीबाग क्लब व सचिन एचबी ने जीते मुकाबले

आदिकवि वाल्मीकि टेनिस बॉल क्रिकेट

लखनऊ। वाल्मीकि विकास सेवा संस्थान के तत्वावधान में डीपी फाउंडेशन द्वारा आयोजित 23वां आदिकवि महर्षि वाल्मीकि टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में एनएचबी ने लवकुश नगर अभिराज को 47 रन से, डालीबाग क्लब ने बीएलटीसी को 49 रन से व सचिन एचबी ने केजीएमयू क्लब को 15 रन से हराकर पूरे अंक जुटाए। आज राजा राम मोहन राय वार्ड के पार्षद प्रत्याशी राकेश चौधरी ने डालीबाग बनाम बीएलटीसी के मैच में दोनों टीमों को 3100-3100 रुपए का नगद पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्द्धन किया। आयोजन समिति की ओर से लगातार तीन छक्के मारने वाले लवकुश नगर अभिराज के हिमांशु को 500 रुपए का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। बेस्ट कैच का अवार्ड लवकुश नगर अभिराज के मोहित को मिला। आज टूर्नामेंट के मैचों के संचालन में वाल्मीकि विकास सेवा संस्थान के अध्यक्ष नरेश वाल्मीकि, आयोजन समिति के संरक्षक कमल वाल्मीकि व दिलीप घावरी,अध्यक्ष वाल्मीकि अंकित घावरी, महामंत्री आशीष घावरी,उपाध्यक्ष संजय पंडित, सचिव विनय चौधरी, शुभम चौधरी व रोहित राजनए कोषाध्यक्ष राजवीर सहित विकास चौधरी, मुकुल चौधरी,मुकुल नायब,श ुभम चौधरी, राज वाल्मीकि ने अहम् भूमिका अदा की। एलडीए स्टेडियम अलीगंज पर पहले मैच में एनएचबी ने मैन ऑफ द मैच यश-4 विकेट, 8 रनकी के खेल से लवकुश नगर अभिराज को 47 रन से हराया। एनएचबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 8 विकेट पर 113 रन बनाए। अमन ने सबसे ज्यादा 32 रन का योगदान किया। लवकुश नगर अभिराज से विक्की को 5 विकेट की सफलता मिली। जवाब में लवकुश नगर 7 ओवर में 66 रन पर सिमट गया। हिमांशु ने नौ गेंदों पर 3 छक्क ों से 25 रन व अनुराग ने 18 रन बनाए। दूसरे मैच में डालीबाग क्लब ने बीएलटीसी को 49 रन से हराया। जीत में मैन ऑफ द मैच नयन ने 4 विकेट की सफलता पाई। डालीबाग क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 126 रन बनाए। अर्जुन ने 36 रन बनाए। बीएलटीसी से रितिक को 4 व सावन को 2 विकेट की सफलता मिली। जवाब में बीएलटीसी निर्धारित ओवर में 7 विकेट पर 77 रन ही बना सका। तीसरे मैच में सचिन एचबी ने केजीएमयू क्लब को 15 रन से हराया। सचिन एचबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 132 रन बनाए। मैन ऑफद मैच हर्ष ने 30 गेंदों पर 2 चौके व 7 छक्कों से 55 रन व कुणाल ने 22 रन का योगदान किया। जवाब में केजीएमयू क्लब 2 विकेट पर 117 रन ही बना सका। टीम से आशीष 45 व हर्षित 27 रन ही टिकाऊ पारी खेल सके।

तारिक क्लब की जीत

लखनऊ। मैन ऑफ द मैच फिरोज खान–3 विकेट की उपयोगी गेंदबाजी के बाद विनोद सिंह नाबाद 58 के अर्धशतक से तारिक क्रिकेट क्लब ने आठवीं नीलम टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट स्मैश क्लब को 9 विकेट से हराते हुए पूरे अंक हासिल किए। मात्र छाया ग्राउंड पर स्मैश की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.2 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 86 रन बना सकी। टीम से आशीष बिंद्रा 26, गोल्डी सिंह 12, व मुकेश 18 ही दहाई के आंकड़े में रन बना सके। तारिक क्लब से फिरोज खान व राकेश जोशी को 3.3 विकेट मिले। जवाब में तारिक क्लब ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 8.2 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 87 रन बनाकर मैच जीत लिया। जीत में विनोद सिंह ने मात्र 31 गेंदों पर 7 चौके व 3 छक्के से नाबाद 58 रन और साकेत मिश्रा ने नाबाद 15 रन का योगदान किया।

क्विक न्यूज

मौजूदा दौर के भारतीय शतरंज खिलाड़ी मौके का फायदा उठाने में माहिरः विश्वनाथ आनंद

नई दिल्ली। विश्व चैंपियन प्रतियोगी से मार्गदर्शक-सह-खेल प्रशासक के रूप मे धीरे-धीरे ढल रहे दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियो की वर्तमान पीढ़ी मौके को भुनाने के मामले में काफी माहिर है। भारत के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक 54 साल के आनंद अगले महीने लंदन मे होने वाली टेक-महिंद्रा ग्लोबल शतरंज लीग मे चुनौती पेश करने के लिए तैयार है जहां वह गंगा ग्रैंडमास्टर्स टीम का हिस्सा होंगे। पांच बार के विश्व चैम्पियन आनंद ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में बुधवार से शुरू होने वाले शतरंज ओलंपियाड में भारत की संभावनाओ, देश के ओलंपिक और पैरालंपिक खेलो के प्रदर्शन, युवा खिलाड़ियो की स्वर्णिम पीढ़ी को तैयार करने और आगे बढ़ने की योजनाओं पर अपने विचार साझा किए। अब तक के सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा जैसे खिलाड़ियों के करियर को आकार देने का श्रेय काफी हद तक आनंद को जाता है लेकिन उन्होंने कहा कि इसमे उनकी भूमिका काफी सीमित है।

हमारे हाथ में हो तो कल ही भारत . पाक द्विपक्षीय हॉकी प्रतिद्वंद्विता फिर शुरू कर दें: इकराम

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष तैयब इकराम ने मंगलवार को कहा कि अगर उनके हाथ मे हो तो वह भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय हॉकी कल ही बहाल कर दे क्योंकि इससे खेल मजबूत होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय हॉकी 18 साल से बंद है। एफआईएच अध्यक्ष इकराम ने पीटीआई से कहा , द्विपक्षीय श्रृंखला एफआईएच के हाथ में नही है। यह फैसला सरकार से मशविरे के बाद महासंघ लेते है। एफआईएच प्रतिनिधि होने के नाते मै उनके फैसले का सम्मान करता हूं। पाकिस्तान मे जन्मे इकराम ने कहा , हमारे हाथ मे हो तो हम कल ही भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय श्रृंखला शुरू कर दे। यह दोनों देशों के लिए और विश्व हॉकी के लिए अच्छा है। दोनो देशो के बीच पिछली द्विपक्षीय श्रृंखला 2006 मे खेली गई थी जिसमे पाकिस्तान 3-। से विजई रहा था। इसके बाद दोनो देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण उनका सामना सिर्फ अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटो मे ही होता है।

भारतीय चुनौती के लिए तैयार हैं बांग्लादेश के युवा तेज गेंदबाज नाहिद राणा

ढाका। पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला मे 2-0 की ऐतिहासिक जीत मे अहम भूमिका निभाने वाले बांग्लादेश के युवा तेज गेंदबाज नाहिद राणा की निगाहे अब भारत के खिलाफ होने वाली श्रृंखला पर लगी है।यह 21 वर्षीय तेज गेंदबाज निरंतर 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने मे सक्षम है। पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी मे दूसरे टेस्ट मैच मे उन्होंने 44 रन देकर चार विकेट लेकर अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई थी।बांग्लादेश क्रिकेट ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमे राणा ने कहा, निश्चित रूप से हम भारत के खिलाफ श्रृंखला के लिए अच्छी तरह से तैयार है। हमने अभ्यास शुरू कर दिया है। हम जितना अधिक अभ्यास करेंगे उतना अधिक हम मैच के लिए तैयार रहेंगे। भारत की टीम बहुत अच्छी है लेकिन जो टीम अच्छा खेल दिखाएगी उसे जीत मिलेगी। राणा ने इस साल मार्च मे श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट मे पदार्पण किया था और इस मैच मे उन्होने 150 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार निकाल कर लोगो का ध्यान खीचा था। पाकिस्तान के खिलाफ भी उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

साइ, स्टील प्लांट स्पोर्ट्स बोर्ड क्वार्टर फाइनल में

पुणे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और स्टील प्लांट स्पोर्ट्स बोर्ड ने मंगलवार को यहां चौथी हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष अंतर विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल मे जगह बनाई।साइ ने पूल ए में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को 5-। से हराकर पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के बाद दूसरा स्थान हासिल किया।साइ के लिए पंकज (38वे और 53वे मिनट) ने दो जबकि ललित नेगी (छठे मिनट), नीरज (28वे मिनट) और रजत मिन्ज (54वे मिनट) ने एक-एक गोल दागा।सीबीडीटी के लिए एकमात्र गोल 44वें मिनट में नचप्पा ने किया। स्टील प्लांट स्पोर्ट्स बोर्ड ने पूल बी में देना बैंक से 3-3 से ड्रॉ खेलने के बावजूद दूसरे स्थान पर रहते हुए नॉकआउट मे प्रवेश किया।स्टील प्लांट स्पोर्ट्स बोर्ड ने चार मैच मे सात अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) ने पूल मे शीर्ष स्थान हासिल किया। अंतिम मैच में 2-3 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड को 4-3 से हराया।

रियलमी गेमिंग का आनंद देगा

नई दिल्ली। भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय ब्रांड, रियलमी ने आज रियलमी नार्ज़ो 70 टर्बो 5जी और रियलमी बड्स एन1 का लॉन्च किया। रियलमी नार्ज़ो सीरीज़ का यह नया स्मार्टफोन और नई एआईओटी डिवाईस अपने सेगमेंट में क्वालिटी के मानकों को बदल देंगे। यह एसओसी हाई परफॉर्मेंस के साथ एनर्जी एफिशियंसी प्रदान करती है, जिससे लंबे समय तक स्मूथ हाई.फ्रेमिंग रेट के साथ स्थिर गेमिंग का अनुभव मिलता है। रियलमी नार्ज़ो 70 टर्बो 5जी में मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 एनर्जी चिपसेट है,जो तीव्र मल्टीटास्किंग और शानदार फोटोग्राफी क्षमताएं प्रदान करता है। इस एसओसी में अनेक हाईपर इंजन ऑप्टिमाईज़ेशन किए गए हैंए जिनके द्वारा प्रोसेसर गेमिंग के दौरान वाई.फाई या 5जी पर नेटवर्क कनेक्टिविटी की प्राथमिकता तय कर सकता है और लगातार बढ़ते गेमिंग संग्रह में आधुनिक फीचर्स जैसे वीआरएस का उपयोग कर सकता है।नए रियलमी नार्ज़ो 70 टर्बो 5जी में युवा और टेक्नोलॉजी के प्रति जागरुक लोगों के लिए टर्बो कॉन्सेप्ट दियागया हैं। अनुज सिद्धार्थ डायरेक्टर मार्केटिंग एवं कम्युनिकेशंस मीडियाटेक ने कहा कि मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 एनर्जी एक फ्लैगशिप ग्रेड का चिपसेट हैए जो आधुनिक 4एनएम प्रोसेस टेक्नोलॉजी द्वारा बना है।

युजवेंद्र चहल ने काउंटी क्रिकेट में पांच विकेट लिए

नॉर्थम्पटन। भारत के अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने इंग्लिश काउंटी चैम्पियनशिप के डिवीजन दो मैच में डर्बीशर के खिलाफ नॉर्थम्पटनशर के लिए 45 रन देकर पांच विकेट लिए। भारत के सीमित ओवर प्रारूप के विशेषज्ञ गेंदबाज ने इस दौरान प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 100 विकेट पूरे किए। चहल ने तीसरी बार प्रथम श्रेणी क्रिकेट मे पांच विकेट चटकाए है। चहल के लिए काउंटी क्रिकेट का यह सत्र शानदार रहा है। इस लेग स्पिनर ने पिछले महीने वन डे कप में केंट के खिलाफ 14 रन देकर पांच विकेट लिए थे।नॉर्थम्पटनशर ने मौजूदा मैच की पहली पारी में 219 रन बनाने के बाद चहल और रॉब केओघ (65 रन पर तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी से डर्बीशर को 61.3 ओवर में 165 रन पर आउट कर दिया। चहल ने इस दौरान वेन मैडसेन, एन्यूरिन डोनाल्ड, जैक चैपल, एलेक्स थॉमसन और जैक मॉर्ले के विकेट चटकाए।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड,ए-8, सेक्टर-7, जिला-गौतमबुद्ध नगर, नोएडा (उ.प्र.)-201301, दूरभाष-01202470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।
मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।